3 राजधानी
केजीएमयू ने 2022 संकाय भर्ती की सूची जारी की

6 अभिमत
जल संकट से निपटने के उपाय

11 विदेश
भारतीय रक्षा उद्योग को अफ्रीका में साझेदारी की उम्मीद

12 स्पोर्ट्स
अश्विन ने बांग्लादेश के विरुद्ध ठोंका शतक

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 325
लखनऊ, शुक्रवार, 20 सितंबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

स्वच्छता से ही भारत स्वस्थ और विकसित बनेगा: राष्ट्रपति

राष्ट्रीय-9

भारत नहीं पाक में है कांग्रेस, नेकां की पूछ: पीएम

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दौरान रियासी जिले के कटरा में रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव

मोहित कंधारी। कटरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधाते हुए कहा पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए उनके घोषणापत्र पर बल्ले-बल्ले कर रहा है। माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा टाउनशिप में रोड शो करने के बाद एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस को लेकर जम्मू-कश्मीर में भले ही उत्साह न हो, लेकिन पड़ोसी देश इन्हें लेकर बहुत उत्साह में है। पीएम ने गठबंधन के सहयोगियों पर पाकिस्तान के हितों के साथ तालमेल करने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक साक्षात्कार के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 370 की बहाली पर पाकिस्तान और एनसी-कांग्रेस गठबंधन एकमत हैं।

कटरा की रैली में पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस) घोषणा कर रहे हैं कि वे अनुच्छेद 370 को वापस लाएंगे। वे खून-खराबे के दौर में लौटना चाहते हैं। पड़ोसी देश इस बारे में सवाल पूछ रहा है। पाकिस्तान कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र से खुश दिख रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने इसका खुलकर समर्थन किया है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा पाकिस्तान के एजेंडे से मेल खाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने खुद ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को बेनकाब कर दिया है। भाजपा सरकार जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे। दुनिया की कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती। पीएम मोदी ने यह कहते हुए भी चेतावनी दी कि कांग्रेस को वोट देने से अनुच्छेद 370 की बहाली होगी, जिससे घाटी में फिर से हिंसा का दौर आ जाएगा। कांग्रेस को दिया गया हर वोट पीडीपी और एनसी के घोषणापत्र को लागू करेगा। आगामी चुनाव इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा, जो जम्मू-कश्मीर के भविष्य को परिभाषित करेगा। यह चुनाव जम्मू-कश्मीर के भविष्य को चुनने के बारे में है।

श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए पीए मोदी ने कहा कि पहले चरण में भारी मतदान की सराहना करते हुए कहा कि यह उन पार्टियों की अस्वीकृति को दर्शाता है जो पत्थरबाजों और आतंकवादियों के साथ सहानुभूति रखते हैं। तीनों परिवार कश्मीरियों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करना चाहते हैं, और यह शुरू से ही उनका एजेंडा है। तीनों परिवार सोचते हैं कि उनसे सवाल नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन, जम्मू-कश्मीर इन परिवारों के कब्जे में नहीं रहेगा। पीएम मोदी ने विपक्षी पार्टियों पर तीखा हमला जारी रखते हुए कहा, उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को केवल हिंसा दी है। जम्मू-कश्मीर के युवा अब वंशवादी राजनीति को चुनौती दे रहे हैं। यह वही युवा हैं जिन्हें इन पार्टियों ने आगे बढ़ने नहीं दिया। तीनों परिवार जम्मू-कश्मीर की राजनीति को अपनी पारिवारिक संपत्ति मानते थे। उन्होंने किसी और को मंच पर नहीं आने दिया। यही कारण है कि इन परिवारों ने पंचायत चुनाव होने से रोक दिया क्योंकि उन्हें लगा कि नए लोग आ जाएंगे और उनकी जगह ले लेंगे। इसके परिणामस्वरूप युवाओं का लोकतंत्र में भरोसा खत्म हो गया। उन्हें लगा कि वे वोट दें या न दें, सत्ता इन तीन परिवारों के पास ही रहेगी। पीएम ने अपने खास अंदाज में दर्शकों से अतीत के बारे में सवाल करते हुए कहा, क्या आपको याद है कि पहले चुनाव कैसे होते थे।

(शेष पृष्ठ 9)

लेबनान के बेरूत में लेबनानी सेना के बम निरोधक विशेषज्ञ अमेरिकन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल की पार्किंग में मिले वॉकी-टॉकी को निष्क्रिय करने का प्रयास करते हुए। एपी/पीटीआई

हिजबुल्लाह ने दागे उत्तरी इजराइल में कई रॉकेट

एजेंसी। बेरूत

हिजबुल्लाह ने गुरुवार को उत्तरी इजराइल में नया हमला किया। हिजबुल्लाह लगातार इजराइल के उत्तरी इलाकों को निशाना बनाता रहा है। क्योंकि लेबनान में सैकड़ों इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट होने के बाद बड़े युद्ध की आशंका बढ़ गई है, जिसमें कम से कम 32 लोग मारे गए और 3,000 से अधिक अन्य घायल हो गए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट इजरायल द्वारा एक साथ अधिक से अधिक हिजबुल्लाह सदस्यों को निशाना बनाने के लिए महीनों तक चले अभियान का परिणाम प्रतीत होता है। पिछले दो दिनों में, हिजबुल्लाह द्वारा इस्तेमाल किए गए पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोट हुए, जिससे कुछ लड़ाके घायल हो गए और यहां तक कि अपंग भी हो गए, लेकिन समूह की सामाजिक शाखाओं से जुड़े नागरिक भी अपंग हो गए और कम से कम दो बच्चे मारे गए। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह हमला हाल के हफ्तों में इजरायली नेताओं द्वारा दी गई चेतावनियों से कैसे मेल खाता इजरायल सरकार ने इसे ईरानी समर्थित समूह की सीमा पार से गोलीबारी को समाप्त करने के लिए युद्ध का लक्ष्य बताया है ताकि हजारों इजरायली सीमा के पास अपने घरों में वापस लौट सकें। बुधवार को इजरायली सैनिकों से बात करते हुए, इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा,

(शेष पृष्ठ 9)

पन्नू केस में अमेरिकी अदालत के समन पर भारत ने जताया सख्त एतराज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में दायर एक सिविल मुकदमे में अमेरिकी अदालत द्वारा भारत सरकार को भेजे गए समन पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बृहस्पतिवार को इसे अनुचित और निराधार आरोप करार दिया। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय ने समन में भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल (एनएसए) और पूर्व रॉ प्रमुख सामंत गोयल का नाम लिया है। विदेश सचिव मिसरी ने कहा, जैसा कि हमने पहले भी कहा है, ये पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं। अब जब यह विशेष मामला दर्ज हो गया है, तो इससे अंतर्निहित स्थिति के बारे में हमारे विचार नहीं बदलेंगे। मैं केवल आपका ध्यान इस विशेष मामले के पीछे के व्यक्ति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं, जिसका इतिहास सर्वविदित है। उन्होंने कहा, मैं इस तथ्य को भी रेखांकित करना चाहूंगा कि जिस संगठन का यह व्यक्ति प्रतिनिधित्व करता है, वह एक गैरकानूनी संगठन है, जिसे 1967 के गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत ऐसा घोषित किया गया। यह निर्णय भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने के उद्देश्य और राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने के कारण लिया गया।

पन्नू कट्टरपंथी सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख है और भारतीय नेताओं और संस्थानों के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने और धमकियां देने के लिए जाना जाता है। नई दिल्ली ने उसे 2020 में आतंकवादी घोषित किया था। इससे पहले, न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय ने समन में भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, पूर्व रॉ प्रमुख सामंत गोयल का नाम लिया था। समन में भारतीय व्यवसायी निखिल गुप्ता और रॉ एजेंट विक्रम यादव का भी नाम है और इस संबंध में 21 दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है।

यूनाईटेड किंगडम (यूके) के अखबार फाइनेंशियल टाइम्स ने नवंबर में बताया था कि अमेरिका ने पन्नू की हत्या की साजिश को विफल कर दिया है, जिसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। जो बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने बाद में इसकी पुष्टि की। अपनी पहली प्रतिक्रिया में, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि यह 'चिंता का विषय' है और इस बात पर जोर दिया कि भारत ने उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है। तत्कालीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने उस समय कहा था, 'एक व्यक्ति के खिलाफ अमेरिकी अदालत में दायर मामले के संबंध में, कथित तौर पर उसे एक भारतीय अधिकारी से जोड़ते हुए, यह चिंता का विषय है।

(शेष पृष्ठ 9)

आतंकवाद और धन शोधन से निपटने में भारत प्रभावी : एफएटीएफ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वैश्विक धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण निरोधक निकाय (एफएटीएफ) ने बृहस्पतिवार को भारत पर अपनी बहुप्रतीक्षित पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया कि देश की प्रणालियां 'प्रभावी' हैं, लेकिन इन मामलों में अभियोजन को मजबूत करने के लिए 'बड़े सुधारों' की आवश्यकता है। पेरिस मुख्यालय वाली संस्था ने मूल्यांकन को अपनाए जाने के बाद जून में अपनी पूर्ण बैठक में 368 पृष्ठों की रिपोर्ट जारी की। भारत की धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण व्यवस्था की पिछली ऐसी समीक्षा 2010 में प्रकाशित हुई थी।

पिछले नवंबर में एफएटीएवऊ विशेषज्ञों के भारत के दौरे के बाद आई इस रिपोर्ट ने देश को 'लगातार नजर बनाए रखने' वाली श्रेणी में रखा है, यह एक ऐसा अंतर है जिसे केवल चार अन्य जी20 देश ही साझा करते हैं। भारत का अगला मूल्यांकन 2031 में होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने ऐसी धन शोधन निरोधक (एएमएल) और आतंकवाद वित्तपोषण निरोधक (सीएफटी) प्रणाली लागू की है जो कई मामलों में प्रभावी थी। हालांकि, इसमें कहा गया है कि मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के मामलों में अभियोजन को मजबूत करने के लिए 'बड़े सुधार' की आवश्यकता है। इसने कहा कि गैर-लाभकारी क्षेत्र को आतंकवादी दुरुपयोग से बचाने के लिए भी प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। इसमें कहा गया है कि भारत के मनी लॉन्ड्रिंग के मुख्य स्रोत देश के भीतर की अवैध गतिविधियों से उत्पन्न होते हैं, देश को अलग-अलग प्रकार के आतंकवादी खतरों का सामना करना पड़ रहा है, सबसे महत्वपूर्ण रूप से आईएसआईएल (इस्लामिक स्टेट या आईएसआईएस) या अलकायदा से जुड़े समूह (अलकायदा) जम्मू और कश्मीर में और उसके आसपास सक्रिय हैं। रिपोर्ट एफएटीएफ 40 अनुशंसाओं के अनुपालन के स्तर और भारत की एएमएल/सीएफटी प्रणाली की प्रभावशीलता के स्तर का विश्लेषण करती है, और इस बारे में सिफारिशें प्रदान करती है कि कैसे प्रणाली को मजबूत किया जा सकता है। वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (राजस्व) विवेक अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अपराध निगरानी संस्था एफएटीएफ ने वित्तीय खुफिया जानकारी, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के जोखिमों के साथ-साथ लाभकारी स्वामित्व के प्रकटीकरण सहित मापदंडों पर भारत को उच्च रेटिंग दी है। एफएटीएफ द्वारा की गई सिफारिशों में से, आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में तेजी से सुनवाई महत्वपूर्ण है। अग्रवाल ने कहा कि बाकी सिफारिशें सहायक प्रकृति की हैं। अग्रवाल ने कहा, हमने इस परीक्षा को बखूबी पास कर लिया है।

उन्होंने कहा कि चूंकि भारत एफएटीएफ के अनुसार नियमित रूप से लगातार कार्रवाई कर रहा है, इसलिए देश तीन साल बाद जोखिम आकलन की रिपोर्ट कर सकता है। अग्रवाल ने कहा, लेकिन हम पर कोई बाध्यता नहीं है। गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) द्वारा आतंकवाद के वित्तपोषण के दुरुपयोग की संभावना पर

(शेष पृष्ठ 9)

रामपुर में रेल पटरी पर मिला टेलीफोन तार लगाने वाला खंभा, हादसा होते-होते बचा

भाषा। रामपुर, नई दिल्ली

- ट्रेन चालक ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर दुर्घटना टाली

प्रदेश के रामपुर में बलवंत एन्क्लेव कॉलोनी के पास अराजक तत्वों ने रेल की पटरी पर टेलीफोन तार लगाने में इस्तेमाल होने वाला एक पुराना खंभा रख दिया हालांकि ट्रेन चालक के आपातकालीन ब्रेक लगाने से हादसा टल गया। रेलवे सूत्रों ने यह जानकारी दी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि घटना बुधवार को उत्तर प्रदेश के रामपुर से लगभग 43 किलोमीटर दूर रुद्रपुर सिटी रेलवे स्टेशन के पास हुई। रेल मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने ट्रेन पलटाने की कोशिश की आशंका जताते हुए कहा, 18 सितंबर को रात 10 बजकर 18 मिनट पर ट्रेन संख्या 12091 के लोको पायलट ने रुद्रपुर सिटी के स्टेशन मास्टर को सूचना दी कि उसे बिलासपुर रोड और रुद्रपुर सिटी के बीच ट्रैक पर छह मीटर लंबा लोहे का खंभा मिला है। प्रवक्ता के अनुसार, ट्रेन संख्या 12091 देहरादून एक्सप्रेस के लोको पायलट (चालक) ने पटरी पर एक खंभा पड़ा देखा और मुस्तैदी दिखाते हुए आपातकालीन ब्रेक लगा दिए, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेन रूक गई। इसके बाद चालक ने रेल अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित किया। रुद्रपुर सिटी सेक्शन के रेलवे इंजीनियर राजेंद्र कुमार की शिकायत पर रामपुर के राजकीय रेलवे पुलिस थाने में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमे के मुताबिक, खंभे को देखते ही लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी और खंभे को हटाने के बाद ट्रेन को आगे बढ़ाया गया। खंभे के कारण ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका थी। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और पुलिस चौकी के कर्मी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। फर्रुखाबाद में 24 अगस्त को इसी तरह की एक घटना में कासगंज-फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक पर भटासा रेलवे स्टेशन के पास रेल पटरी पर मोटी लकड़ी रख दी थी, जिससे टकराने की वजह से एक पैसेंजर ट्रेन को रोका गया था।

बिहार में 21 दलितों के घर फूंके

पायनियर समाचार सेवा। पटना

बिहार के नवादा जिले में कई घरों में आग लगाए जाने के बाद के बचे अवशेष। पीटीआई

बिहार के नवादा जिले में दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी। शुरुआती जांच में पता चला है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मांझी टोला में बुधवार देर शाम हुई इस घटना के पीछे भूमि विवाद हो सकता है। नवादा के जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा ने बताया कि जिला पुलिस ने घटना के सिलसिले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। मामले की जांच के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

आशुतोष कुमार वर्मा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मांझी टोला में एक समूह ने करीब 21 घरों को जला दिया, जिनमें से कुछ आधे-पक्के थे। मौके पर मौजूद वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी क्षतिग्रस्त घरों की सही संख्या की जानकारी देते हुए रिपोर्ट देंगे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि घरों में आग लगाने के दौरान हवा में गोलियां भी चलाई गईं। जांच से पता चला है कि कुल 34 घरों में से 21 पूरी तरह से जल गए और 13 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। संदिग्धों को पकड़ने के लिए तलाशी जारी है। उन्होंने कहा, विस्थापित लोगों को भोजन के खाने के पैकेट और पीने के पानी सहित अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। पीड़ितों के अस्थायी टेंट लगाए गए हैं। डीएम ने मवेशियों को जलाए जाने के दावों का खंडन करते हुए कहा, इस बात का कोई साक्ष्य नहीं मिला है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा जिले में 34 घरों को आग लगाने की निंदा की, जिनमें से ज्यादातर एससी/एसटी समुदायों के थे और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) को घटनास्थल का दौरा करने और जांच की निगरानी करने को कहा। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में डबल इंजन सरकार है और दलितों के घरों में आग लगा दी गई है। प्रधानमंत्री को इस जंगलराज पर कुछ शब्द अवश्य कहने चाहिए क्योंकि जो कुछ भी हो रहा है वह सब ईश्वर की इच्छा के कारण है और एनडीए नेताओं का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने बिहार सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने गरीब पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सरकार से पूर्ण वित्तीय सहायता की भी मांग की। कांग्रेस ने भी नवादा में घरों में आग लगाने की घटना को लेकर बिहार की एनडीए सरकार की तिखी आलोचना की और कहा कि यह राज्य में व्याप्त जंगल राज का एक और सबूत है और दलितों और वंचितों के प्रति सरकार की उदासीनता को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और

(शेष पृष्ठ 9)

भारत के जीवंत और खूबसूरत आदिवासी क्षेत्रों से लोगों को रूबरू कराने की तैयारी

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारत के आदिवासी क्षेत्रों की अतुल्य सुंदरता और जीवंत संस्कृति को और करीब से देखने और साक्षात्कार करने का शानदार मौका मिलने जा रहा है। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने इस दिशा में आदिवासी समुदायों को अपने घरों में पर्यटकों का स्वागत करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट योजनाएं चला रही है इससे उनको अपनी अनूठी विरासत को बाहर के लोगों से साझा करने का मौक़ा मिलेगा। इस उल्लेखनीय पहल का समर्थन करते हुए, केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों के आदिवासी इलाकों में पर्यटन की संभावना वाले गांवों में 1,000 होमस्टे को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। इस योजना उद्देश्य आदिवासी समुदायों की समृद्ध परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ उनकी आय में बढ़ोतरी करना है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनके सतत विकास को बढ़ावा मिल सके।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय अपने स्वदेश दर्शन कार्यक्रम के तहत प्रत्येक पर्यटन की संभावना वाले आदिवासी गाँव में 5 से 10 होमस्टे के निर्माण के लिए आदिवासी परिवारों और गांवों को धन मुहैया कराने की योजना बना रहा है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने इस संबंध में विवरण साझा करते हुए कहा, प्रत्येक परिवार दो नए कमरों के निर्माण के लिए 5 लाख रुपये और मौजूदा कमरों के नवीनीकरण के लिए 3 लाख रुपये तक और गांव समुदाय की आवश्यकता के लिए 5 लाख रुपये के पात्र होंगे। पात्र होगा। उन्होंने कहा कि योजना प्रारंभिक चरण में है और यह सुनिश्चित करने के लिए बारीकियों पर काम किया जा रहा है ताकि नियमों का उल्लंघन न हो और आदिवासियों और आगंतुकों के अधिकारों की रक्षा हो। आदिवासी क्षेत्रों में मंत्रालय की होमस्टे योजना केंद्र की प्रमुख प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान का हिस्सा है, जिसे एक दिन पहले केंद्रीय कैबिनेट मंत्रालय ने मंजूरी दी थी।

योजना के लिए कुल परिव्यय 79,156 करोड़ रुपये (केंद्रीय हिस्सा : 56,333 करोड़ रुपये और राज्य हिस्सा

: 22,823 करोड़ रुपये) केसाथ, इस योजना का उद्देश्य आदिवासी बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाकर आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। इस योजना से 63,000 गांवों में लगभग 5 करोड़ आदिवासियों को लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी आदिवासी बहुल गांवों में फैले 549 जिलों और 2,740 ब्लॉकों को कवर किया जाएगा। मिशन में 25 हस्तक्षेप/योजनाएं शामिल हैं

जिन्हें 17-लाइन मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, प्रत्येक मंत्रालय/ विभाग अगले 5 वर्षों में अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) के तहत उन्हें आवंटित धन के माध्यम से समयबद्ध तरीके से इससे संबंधित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होगा। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अनुसूचित जनजातियों की आबादी 10.45 करोड़ है और देश भर में 705 से अधिक आदिवासी समुदाय दूरदराज और पहुंच से दूर के इलाकों में रहते हैं। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे की योजना को आगे बढ़ाया है, वहीं मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) पहले से ही इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। एमपीटीबी की होमस्टे परियोजना के तहत कई आदिवासी परिवारों ने अपने घरों को होमस्टे के रूप में खोला है और अब वे आगंतुकों की मेजबानी के लिए तैयार हैं। एमपीटीबी अधिकारियों के अनुसार, ग्रामीण आदिवासी समुदायों ने 28 गांवों में 64 से अधिक नए होमस्टे स्थापित किए हैं। कोविड के बाद, होमस्टे अद्वितीय और व्यक्तिगत अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बन गए हैं। वे अक्सर मेहमानों को स्थानीय संस्कृति में डूबने, घर के बने भोजन का आनंद लेने और अनदेखे आकर्षणों तक पहुंचने की अनुमति देते हैं। घर के मालिकों के लिए, किसी संपत्ति को होमस्टे में बदलना आर्थिक रूप से फायदेमंद हो सकता है, जिससे उन्हें एक स्थिर आय प्राप्त होती है और साथ ही उन्हें अपना स्थान और आतिथ्य दूसरों के साथ साझा करने की अनुमति मिलती है।

(शेष पृष्ठ 9)

अयोध्या में नहीं हुआ जमीन घोटाला, गुर्गों पर कार्रवाई की तो सरगना को हो रही तकलीफः मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने अयोध्या में एक हजार करोड़ से अधिक की 83 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विद्या इंटर कॉलेज मिल्कीपुर में आयोजित जनसभा में सपा पर आक्रामक रहे। समाजवादी पार्टी के नेताओं को आईना दिखाते हुए सीएम ने कहा कि हर जिले का बड़ा माफिया व गुंडा सपा से जुड़ा था। इनका पदाधिकारी या शागिर्द था। वहां संगठित अपराध, पशु, वन, खनन, भूमाफिया थे। माफिया समानांतर सरकार चलाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव करते थे तो बबुआ घर से बाहर नहीं निकलता था। बबुआ 12 बजे सोकर उठता था। जनता पिसती थी। मुस्लिम तुष्टिकरण की हद को पार करते हुए पर्व व त्योहारों में इन लोगों ने अराजकता फैलाई थी। होली, दीवाली, रक्षाबंधन-शिवरात्रि, रामनवमी-जन्माष्टमी को बैन कर दिया था। जन्माष्टमी के आयोजनों पर इन्होंने थाना, पुलिस लाइन, जेलों में रोक लगा दी थी। कहते कि जन्माष्टमी में भजन न गाओ। हरे रामा, हरे कृष्णा की धुन कुछ लोगों को पसंद नहीं थी, इसलिए सपा इसे बैन करती थी। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाती थी। दुर्गा पूजा में अयोध्या का दंगा हर किसी ने देखा। सपा सरकार में देवकाली मंदिर में मूर्ति चोरी हो गई थी। बतौर सांसद गोरखपुर से आकर मैंने आंदोलन किया था। मिशन मिल्कीपुर में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को रामनगरी अयोध्या को विकास की नई सौगात दी। उन्होंने यहां एक हजार करोड़ से अधिक की 83 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी चेक, चाबी, प्रमाण पत्र, सिलाई मशीन आदि प्रदान किया। सीएम ने मिल्कीपुर में कराए जाने वाले विकास कार्यों को भी गिनाया। बताया कि मिल्कीपुर में मिनी स्टेडियम बनने जा रहा है। 30 मार्गों का शिलान्यास हो रहा है। रेवना में ग्रामीण स्टेडियम के निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपये दिए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के आर्थिक विकास का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश भारत के विकास का बैरियर माना जाता था। अराजकता चरम पर थी। विकास योजनाओं में भेदभाव व महापुरुषों का अपमान होता था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने साढ़े सात वर्ष में विकास के कार्यों को तेज गति से बढ़ाया। आज फोरलेन, टू लेन सड़कें, गांव की बेहतर कनेक्टिविटी, गांव-मजरे में बिजली-पानी की व्यवस्था दिखती है। उत्तर प्रदेश में 2.62 करोड़ परिवारों को शौचालय व 56 लाख गरीबों को आवास दिया गया। 1.20 लाख मजरों तक बिजली, 1.56 करोड़ से अधिक परिवारों को फ्री बिजली कनेक्शन, 1.83 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला योजना में फ्री सिलेंडर दिए गए। पिछले वर्ष से इन परिवारों को होली-दीवाली पर फ्री सिलेंडर दे रहे हैं। यूपी में 15 करोड़ लोग फ्री में राशन पा रहे हैं, लेकिन 2017 के पहले सपा के गुंडे गरीबों का राशन हजम कर जाते थे।

सीएम ने कहा कि सपा के लोग गोतस्करी, वनों की कटान, जमीन कब्जा कराते थे, लेकिन आज जमीनों से कब्जे हट चुके हैं। हमारी सरकार ने 2017 के बाद एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स बनाया और सपा के भूमाफिया-गुंडों से 64 हजार हेक्टेयर लैंड को मुक्त कराया। भदरसा में भी जमीनों को कब्जामुक्त कराया गया है। गुर्गों से जमीन मुक्त कराने पर परेशानी हुई तो सरगना कहता है कि अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ है। यहां जमीन घोटाला नहीं हुआ, बल्कि किसानों को 1700 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा गया है। यह लोग अपने गुर्गों के काले कारनामों के पक्ष में बोल रहे हैं। एक भी मामला ऐसा नहीं है, जहां पीड़ित को मुआवजा न मिला हो। जिस अयोध्या को इन्होंने रामभक्तों के लहू से सींचा था, वहां 22 जनवरी से अब तक तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालु भगवान रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

सीएम ने कहा कि दीपोत्सव पर अयोध्या के मंदिरों पर जब दीप जलते हैं तो सिर्फ सपा मुखिया और पाकिस्तान को परेशानी होती है।

बूथ जीतिए, चुनाव जीतिएः सीएम योगी

● मिल्कीपुर में मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों संग की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

मिशन मिल्कीपुर में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधकारियों संग बैठक की। सीएम ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बूथ जीतिए, चुनाव जीतिए। सीएम ने मंडल स्तर के पदाधिकारियों से भी सांगठनिक रिपोर्ट ली और कहा कि अधिक से अधिक सदस्य बनाकर पार्टी को मजबूत कीजिए। योगी ने कहा कि हमें चुनाव बूथ पर लड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्र दिया है कि बूथ जीतेंगे तभी चुनाव जीतेंगे। हमें हर बूथ पर जीत दर्ज करनी है। पदाधिकारी बूथों की कटेगरी निर्धारित कर लें। ए कैटेगरी के बूथ पर बड़ी जीत दर्ज करनी है। बी कैटेगरी के बूथों को ए कैटेगरी तथा सी कैटेगरी के बूथों को बी कैटेगरी में लाना है। पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस (25 सितंबर) पर पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि बूथों पर जाएं और स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से चल रही प्रदेश, अयोध्या व मिल्कीपुर में चल रहीं विकास योजनाओं के बारे में अवगत कराएं। कार्यकर्ताओं से संवाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संगठन की योजना के अनुसार किसान, अधिवक्ता प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारी सहित सभी वर्गों के सम्मेलन आयोजित किए जाएं। 30 सितम्बर तक यसभी प्रकोष्ठों, विभागों की बैठक तथा सभी मोर्चा के सम्मेलन आयोजित हों। इसके उपरांत सभी को मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए जिम्मेदारी सौंप दी जाए।

मनरेगा योजना में राज्य स्तर से सभी जनपदों को जल्द पहुंचेगी सामग्री मद की धनराशि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्माण सामग्री मदद में शीघ्र ही और धनराशि जिलों को भेजी जायेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनरेगा अंतर्गत राज्य सरकार को सामग्री मद हेतु जारी की गयी धनराशि के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि को मिलाकर जिलों को भेजा जाय। महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को सामग्री मद के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय सहायता के पहली किस्त का चौथा भाग जारी कर दिया गया है। आगे की कार्यवाही को पूरी कर जल्द ही जनपदों तक यह धनराशि पहुंचेगी। इस धनराशि से बकाये का भुगतान भी किया जा सकेगा। गांवों में योजना के अंतर्गत किये जा रहे विकास कार्यों को भी तेजी मिलेगी।

यूग्रो कैपिटल व राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के बीच एमओयू, सूक्ष्म उद्योगों को बनाएंगे सशक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एमएसएमई ऋण पर केंद्रित एक अग्रणी डेटा-टेक एनबीएफसी यूग्रो कैपिटल ने गुरुवार को लखनऊ में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन द्वारा आयोजित एमएसएमई उद्योग संवाद में भारत के एमएसएमई क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए दो महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की। इस कार्यक्रम में यूग्रो कैपिटल और राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यूग्रो कैपिटल के संस्थापक और प्रबंध निदेशक शचिंद्र नाथ और राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। भारत में सूक्ष्म उद्यमों को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की शुरुआत को चिन्हित करता है। यह सहयोग छोटे व्यवसायों के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने, डिजिटल क्रेडिट के लाभों को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए रणनीतियाँ प्रदान करने पर केंद्रित होगा।

इस मौके पर शचिंद्र नाथ ने सूक्ष्म उद्यमों की क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने और उन्हें डिजिटल क्रेडिट समाधानों से सशक्त बनाने के यूग्रो कैपिटल के मिशन पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सूक्ष्म उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और हम उन्हें डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से क्रेडिट तक पहुँचने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमित गुप्ता ने भी इस भावना को दोहराते हुए कहा, हम इस महत्वपूर्ण पहल में यूग्रो कैपिटल के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं। भारत में सूक्ष्म उद्यमों को अक्सर आवश्यक संसाधनों तक सीमित पहुँच होती है, जिनमें सरकारी समर्थन और क्रेडिट सुविधाओं की जानकारी शामिल है। इस अभियान के माध्यम से हम इस अंतर को पाटने का लक्ष्य रखते हैं जिससे उन्हें आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और वे भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकेंगे।

सड़क सुरक्षा की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाएः एल. वेंकेटेश्वर लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● अपर मुख्य सचिव परिवहन ने की विभाग के कार्यों की समीक्षा

अपर मुख्य सचिव परिवहन एल. वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में सभी स्टेक होल्डर्स विभागों एवं परिवहन, पुलिस, परिवहन निगम, पीडब्ल्यूडी विभाग के फील्ड अधिकारियों के साथ सड़क सुरक्षा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पीपीटी के आधार पर समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक नई एसओपी के आधार पर प्रत्येक माह आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक्शन टेकेन प्लान जनपद स्तर पर बनाया जाय तथा उसे लागू किया जाए। कई मण्डलों एवं जनपदों में जहां पर मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति एवं जनपदीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें नियमित रूप से नहीं हो रही हैं वहां के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए स्पष्टीकरण मांगा। ऐसी सड़क दुर्घटनाएं जहां 3 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई हैं, उन दुर्घटनाओं की जांच हेतु त्रिस्तरीय समिति गठित की जायेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि एक निश्चित संख्या में चालान होने पर वाहन पंजीयन एवं ड्राइविंग लाइसेन्स के निलम्बन की कार्यवाही प्रभावी रूप से की जाये। अंत में मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन हेतु निर्देशित करते हुए सभी को दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाने हेतु प्रभावी कदम उठाने हेतु निर्देशित किया।

लू ने निर्देश दिए कि विश्वकर्मा ऐप को अपग्रेड किया जाए। सीएम डैशबोर्ड की तरह एक प्रदेश व्यापी सड़क सुरक्षा का डैशबोर्ड बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर काफी गंभीर है। सरकार का प्रयास है कि सड़क दुर्घटनाओं में उल्लिखित कमी लाई जाए। इसके लिए ब्लैक स्पॉट का सुधारीकरण तय समय में किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाइवेज पर एन्ट्री प्वाइंट पर ही ओवरलोड वाहनों की चेकिंग की जाए एवं इंटरसेप्टर द्वारा ओवरस्पीड वाहनों की भी जांच की जाए। साथ ही अनधिकृत संचालन वाहनों की भी जांच की जाए। ड्राइवर की ब्रीथ एनलाइजर के माध्यम से जांच की जाए। वाहनों पर सड़क सुरक्षा संबंधी उपकरण लगे हैं कि नहीं इसकी भी जांच की जाए।

परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवहन निगम के चालकों/परिचालकों का ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट नियमित रूप से कराया जाये एवं स्वास्थ्य परीक्षण तथा नेत्र परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाये।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं रीतिका अग्रवाल (REETIKA AGARWAL) मेरा नाम कुछ प्रपत्रो मैं जैसे ड्राइविंग लाइसेन्स व अन्य जगहो पर रितु अग्रवाल दर्ज है, यह दोनो नाम मेरे ही है। अब भविष्य में मुझे (REETIKA AGARWAL) रीतिका अग्रवाल पत्नी स्वर्गीय अनूप अग्रवाल निवासी 113/6 बी स्वरूपनगर कानपुर नाम से ही जाना/पहचाना जायें। .

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बैंक के पासबुक में रूईया नसरीन (Rooaiya Nasreen) अंकित हो गया है जो गलत है मेरा सही नाम आर नसरीन (R-Nasrin) है। रूईया नसरीन और आर नसरीन दोनों एक ही महिला का नाम है। आर. नसरीन पत्नी असरार अहमद निवासी ए 1078 जीटीबी नगर करेली तहसील सदर प्रयागराज।

NOTICE

I, Sweta Rai,(Tamang) W/o Service No. 9424229Y, Rank: Hav, Name: Satish Tamang of Unit 6/11 GR, declare that I have changed my surname with the name from SWETA Tamang to SWETA RAI (TAMANG) vide affidavit dated 19.09.2024 before the Executive Magistrate at Lucknow.

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के शैक्षिक प्रपत्रों एवं आधार कार्ड आदि में त्रुटिवश उसका नाम अक्षांश मिश्रा(Akashansh Mishra) अंकित हो गया है, जो कि गलत है। मेरे पुत्र का सही नाम अक्षांश मिश्र (Akshansh Mishra) है। भविष्य में मेरे पुत्र को अक्षांश मिश्र(Akshansh Mishra) से ही जाना व पहचाना जाये तथा उसके शैक्षिक प्रपत्रों सहित अन्य अभिलेखों में उसका सही नाम दर्ज किया जायें। रंजना मिश्रा पत्नी श्री मनोज कुमार मिश्र निवासिनी 12, शिवपुरी, शहर कोतवाली जनपद सीतापुर।

भाजपा, इंडिया के घटक दलों ने जनता का विश्वास खो दिया हैः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के लोगों का भाजपा और विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों से विश्वास उठ गया है और उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे राज्य के आगामी उपचुनाव में इस स्थिति का लाभ उठाने के लिए जमीनी स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराएं।

मायावती ने बृहस्पतिवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदेश इकाई के सभी पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक को संबोधित किया। पार्टी के एक बयान के अनुसार बैठक में राज्य के 10 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उपचुनावों की रणनीति पर चर्चा की गई। इन उपचुनावों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। मायावती ने कहा, जनहित और जनकल्याण आदि के ज्वलंत मुद्दों को उठाने के बजाय वे (भाजपा सरकार तथा विपक्षी दल) जातिवादी, साम्प्रदायिक और जाति-बिरादरी पर आधारित संकीर्ण राजनीति में लिप्त हैं, जिसके कारण जनता में उनके प्रति विश्वास में कमी आई है। बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, इसलिए बसपा को बहुत तेजी से जनता के बीच अपनी पैठ बनाने की जरूरत है ताकि इसका लाभ जल्द ही 10 विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी मिल सके। बसपा ने हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीट पर अकेले चुनाव लड़ा था लेकिन उसका खाता भी नहीं खुला था। इसी तरह 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 423 सीट में से केवल एक सीट मिली थी। बसपा भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) या इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं हुई है। इंडिया के घटक दलों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) शामिल हैं। मायावती के हवाले से बयान में कहा गया है, उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों, बेरोजगारों, महिलाओं, छोटे व्यापारियों और मेहनतकश नागरिकों को पर्याप्त राहत, सुविधाएं और सुरक्षा देने में विफल रही है। इनके खोखले वादों और दावों के कारण जनता का जीवन त्रस्त है। उन्होंने कहा, चूंकि जनता अब इन खोखले वादों पर भरोसा नहीं करती, इसलिए भाजपा सरकार में जनता के विश्वास में भारी कमी आई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यदि पार्टी के सदस्य जमीनी स्तर पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करते रहेंगे तो बसपा को इस मौजूदा स्थिति से काफी लाभ मिल सकता है। इस बैठक के दौरान 11 अगस्त को आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने तथा समाज के सभी वर्गों में जनाधार बढ़ाने के लिए जारी किए गए महत्वपूर्ण निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। मायावती ने कहा कि अत्यधिक गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ापन, मजबूरी में पलायन और जबरदस्त महंगाई जैसे मुद्दे ज्वलंत हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महज आरोपों और दावों से उत्तर प्रदेश की लगभग 25 करोड़ जनता को न तो कोई फायदा हुआ है और न ही आगे कुछ बेहतर होने वाला है। उन्होंने कहा, स्थिति बिगड़ रही है और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। बुलडोजर मुद्दे और इसे रोकने के उच्चतम न्यायालय के हाल के आदेश पर, बसपा प्रमुख ने कहा कि यह बढ़ती प्रवृत्ति बहुत चिंता का कारण है और केंद्र तथा राज्य सरकारों दोनों को संवैधानिक और कानूनी शासन का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक देश, एक चुनाव प्रस्ताव पर उन्होंने कहा कि बसपा लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की पहल को सकारात्मक रूप से देखती है लेकिन इसका उद्देश्य देश और जनहित में होना जरूरी है। उत्तर प्रदेश की करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर मीरापुर, फूलपुर, मझवा और सीसामऊ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। हालांकि अभी उपचुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं हुआ है।

मठाधीश मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा मुखिया ने वन नेशन वन इलेक्शन को बताया बड़ी साजिश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मठाधीश मुख्यमंत्री हैं। सन्यासी क्रोध नहीं करता है लेकिन जबसे भाजपा लोकसभा चुनाव हारी है तबसे उनका संतुलन कुछ गड़बड़ा गया है। उनके बयान कुछ अलग तरह के आ रहे हैं। वे ध्यान हटाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। एक मठाधीश मुख्यमंत्री से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि हमने या समाजवादियों ने कभी संतो, महंतों, साधुओं के बारे में कभी कुछ नहीं कहा। अगर मुख्यमंत्री अपने ऊपर लेते हैं तो हम उन्हें मठाधीश मुख्यमंत्री कहेंगे।

अखिलेश गुरुवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। यादव ने मुख्यमंत्री योगी के भस्मासुर वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा को पता है कि उसका भस्मासुर कौन है? भाजपा अपने भस्मासुर को खोज रही है। भाजपा अभी हरियाणा, कश्मीर और फिर महाराष्ट्र के चुनाव भी हारेगी। कम से कम भाजपा को अपने भस्मासुर को तो ढूंढ़ना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री पर कई गंभीर मुकदमे हैं। ये पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने अपने इतने गंभीर मुकदमों को वापस लिया है। सरकार को प्रदेश के टॉप टेन माफियों की सूची जारी करनी चाहिए। पता चल जाएगा कि माफिया किस दल के साथ हैं। मुख्यमंत्री के बयानों पर कहा कि प्रदेश की जनता उन्हें हटाने जा रही है। अभी भी वे पुराने डायलॉग बोल रहे हैं। इसी से पता चलता है कि उनका संतुलन कितना बिगड़ गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सपा को बदनाम करने के लिए तमाम हथकंडे अपना रही है। जनता सब समझती है। वन नेशन वन इलेक्शन को बड़ी साजिश बताते हुए अखिलेश ने कहा कि महिला आरक्षण की बात हुई थी, क्या महिला आरक्षण लागू हो जाएगा, क्या सरकार इसके लिए तैयार है? उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की रिपोर्ट भाजपा की रिपोर्ट है। बता रहे हैं कि रिपोर्ट 18626 पेज की है इसे 191 दिनों में तैयार किया गया है। यानी लगभग सौ पेज प्रतिदिन तैयार हुए। इसी से पता चलता है कि कितनी सतही रिपोर्ट है। कितनी चर्चा हुई होगी? वन नेशन वन इलेक्शन वन डोनेशन हैं। अखिलेश ने कहा कि जनता को सावधान रहना चाहिए। भाजपा वन नेशन-वन इलेक्शन की बात कर रही है, इसमें अधिकारी और कर्मचारी लेटरल इन्ट्री से लाए जाएंगे। सबको पता है कि यूपी में जहां-जहां उपचुनाव है सभी जगह साजिश के तहत जाति और धर्म विशेष के बीएलओ हटा दिए गए हैं। वन नेशन-वन इलेक्शन के बाद कल को ये चुनाव आयोग भी हटा देंगे।

भेड़िया के हमलों में मारे गए 7 बच्चों के परिजनों को अखिलेश ने दी 50-50 हजार की सहायता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में जनपद बहराइच के महसी क्षेत्र में भेड़िया के हमलों से जिन वयस्क-बच्चों समेत 10 जाने गईं, उनमें सात शोक संतप्त परिवारीजनों को अखिलेश यादव ने 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी। घायलों को 25-25 हजार रुपए की मदद दी गई। मृतकों में शायरा पुत्री साकिम उल्ला और छोटू पुत्र शकील को शासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली उन्हें पीड़ित भी नहीं माना जा रहा हैं। अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जबसे भाजपा की सरकार बनी है तबसे जानवरों का आतंक बढ़ा है। भाजपा सरकार ने वादे तो कई बार किए कहा इसका रोडमैप भी तैयार है। परन्तु छुट्टा पशुओं और वन्य जीवों से बचाव में कुछ नहीं हुआ। इस काम के लिए दिया गया अरबों के फंड का क्या हुआ? भाजपा सरकार अगर भेड़िये को पकड़ नहीं पा रही है तो ठोको नीति के तहत यह जिम्मेदारी एसटीएफ को सौंप देना चाहिए। जिन्होंने वादे किए उनकी भी जवाबदेही होनी चाहिए और वादाखिलाफी पर सवाल भी उठने चाहिए। यादव ने कहा कि जंगली जानवरों के आतंक से लोग बहुत डरे हुए है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज, गोण्डा – 271003 (उ.प्र.)

निविदा सूचना

महाविद्यालय में निम्न कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा तिथि 19.09.2024 से 26.09.2024 तक–

1.सत्र 2024–25 के प्रवेशित छात्र/छात्राओं के आई०कार्ड हेतु महाविद्यालय के नाम सहित प्रिन्ट डोरी व कवर।
2. महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका वागर्थ।
3. बायोमेट्रिक मशीन ।
4. 02 सीटर सोफा

नोट– विस्तृत जानकारी हेतु महाविद्यालय की वेबसाइट www.lbsdc.org.in का अवलोकन करें।

प्राचार्य

काशी व प्रयागराज में होगा वाटर लेजर शो, आयोजन के लिए 39.17 करोड़ रुपए स्वीकृत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काशी एवं प्रयागराज में श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों के मनोरंजन के लिए लेजर शो का आयोजन किया जायेगा। इसके लिए प्रयागराज के लिए 21.86 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृति की गयी है। इस धनराशि में से प्रथम किश्त के रूप में 8 करोड़ रुपए जारी किये जा चुके हैं। यमुना नदी के बीच में लेजर शो सिस्टम लगाए जाएंगे, जिसमें वाटर स्क्रीन डिस्प्ले सहित अन्य उपकण शामिल होगे। इसी प्रकार बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में वाराणसी घाट पर वाटर लेजर शो के लिए 17.31 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं, जिसके सापेक्ष 3 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह न बताया कि यूरोपीय देशों में वाटर लेजर शो काफी लोकप्रिय है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए काशी एवं प्रयागराज में वाटर लेजर शो की तैयारी की गयी है। पर्यटक गंगा, यमुना की लहरों के साथ विजुअल एवं साउण्ड का आनन्द ले सकेंगे। प्रयागराज में पर्यटक यमुना के दर्शन के साथ महाकुंभ के बारे में भी बेहतर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। जयवीर सिंह ने बताया कि वाटर लेजर शो आधे-आधे घंटे का होगा, जिन स्थलों पर वाटर लेजर शो की व्यवस्था की गयी है। उसमें कालीघाट, नमामिगंगे घाट, मौजागिरी घाट, बोट क्लब व त्रिवेणी दर्शन घाट हैं। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक शो का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में प्रयागराज विदेशों में भी लोकप्रिय है। यहां संगम के साथ अनेक धार्मिक अध्यात्मिक स्थल हैं। जहां सालभर पर्यटक आते रहते हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि चार महीने बाद विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम महाकुंभ-2025 का आयोजन होगा, इस बार लगभग 50 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इस हेतु स्नान, ध्यान, भ्रमण व ठहरने की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। वाटर लेजर शो भी इसका हिस्सा है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार काशी में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं, जो विश्वनाथ मंदिर, गंगा आरती, गंगा घाट, सारनाथ सहित अन्य स्थलों का भ्रमण करते हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि इन शहरों में पर्यटकों को विशेष अनुभूति प्रदान करने के लिए वाटर लेजर शो का आयोजन किया जा रहा है।

TATA
TATA POWER
(Corporate Contracts Department)
Sahar Receiving Station, Near Hotel Leela, Andheri (E), Mumbai 400 059, Maharashtra, India
(Board Line: 022-67173994) CIN: L28920MH1919PLC000567

NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST

The Tata Power Company Limited hereby invites Expression of Interest from eligible parties for following Services:

1. CC25FK060 - Security Services at Jojobera Plant, Jamshedpur, Jharkhand for a period of three years
2. CC25FK065 - Guest House Services at Tata Power Noida Office for a period of two years
3. CC25FK066 - Facility Management Services at Tata Power Noida Office for a period of two years
4. CC25FK067- Security Services at Tata Power Noida Office for a period of three years

For details of pre-qualification requirements, purchasing of tender document, bid security, etc., please visit Tender section of our website (URL: https://www.tatapower.com/tender). Eligible parties willing to participate may submit their expression of interest along with the tender fee on or before 30th September 2024.

उन्नाव में खुलेगा चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का नया परिसर

● उच्च शिक्षा मंत्री ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों को विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सौंपा प्राधिकार पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उन्नाव में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का नया परिसर खुलेगा। यह परिसर उन्नाव जिले के ग्राम पदसंदन, परगना गोरिन्दा परसंदन, तहसील हसनगंज में 63.53 एकड भूमि पर निजी क्षेत्र के अन्तर्गत स्थापित किया जाएगा। गुरुवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सचिवालय में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) इंटरनेशनल एजुकेशनल ट्रस्ट, चंडीगढ़ के प्रतिनिधियों को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्राधिकार पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को उन्नाव में स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को कैबिनेट द्वारा बाई सर्कुलेशन मंजूरी प्रदान की गई थी। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का लाभ मिलेगा। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का यह नया परिसर लखनऊ-कानपुर हाईवे के किनारे स्थापित होगा, जो उन्नाव और आसपास के जिलों के छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित होगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का यह निर्णय प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित होगा। इससे न केवल प्रदेश के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी, बल्कि इससे प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विस्तार के लिए प्रयासरत है।

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की उन्नाव में स्थापना प्रदेश के शिक्षा जगत में एक नया अध्याय साबित होगी। इससे प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता में वृद्धि होगी, जो उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और भविष्य के बेहतर अवसर लेकर आएगी। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, उन्नाव की स्थापना से छात्रों को अत्याधुनिक शिक्षा प्रणाली का लाभ मिलेगा। यह विश्वविद्यालय छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय प्रदेश के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा और उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

जारी की गई अधिसूचना

विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी द्वारा 19 सितंबर, 2024 को सीयू इंटरनेशनल एजुकेशनल ट्रस्ट के सचिव/चेयरमैन को एड्रेस करते हुए अधिसूचना जारी की गई है। इसके अनुसार, निजी क्षेत्र के अंतर्गत चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, उन्नाव का नाम उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (सातवां संशोधन) अध्यादेश, 2024 के तहत उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची-2 में क्रमांक 45 पर सम्मिलित किया गया है। इसके साथ ही चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उन्नाव, उत्तर प्रदेश के संचालन की अनुमति भी प्रदान की गई है। इस अधिसूचना के तहत विश्वविद्यालय को राज्य सरकार से आधिकारिक मान्यता प्राप्त हो गई है। साथ ही विश्वविद्यालय से अपेक्षा की गई है कि वह प्राधिकार पत्र में उल्लिखित शर्तों के अधीन विश्वविद्यालय का संचालन करेगा।

एलडीए ने गोमती नगर में चलाया अभियान 4 अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किये गये

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमतीनगर में एलडीए द्वारा चार अवैध निर्माण को सीलिंग कार्रवाई की गयी। एलडीए के विहित प्राधिकारी द्वारा अवैध निर्माण नोटिस जारी कर सीलिंग आदेश दिए थे। आदेश पर प्रवर्तन टीम द्वारा सीलिंग कार्रवाई की गयी।

गुरूवार को एलडीए ने गोमती नगर क्षेत्र में कार्यवाही की। प्रवर्तन जोन.1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि ओम प्रकाश गुप्ता व अन्य द्वारा गोमती नगर के विवेक खण्ड में भूखण्ड संख्या.4/299 पर लगभग 300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में व्यावसायिक निर्माण कराया गया था। वहीं, कुमारिल भट्ट व अन्य द्वारा गोमती नगर के विकास खण्ड में भूखण्ड संख्या.सी.3/46 पर लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में व्यावसायिक निर्माण कराया गया था। इसी तरह विद्या प्रसाद व अन्य द्वारा गोमती नगर के विराम खण्ड में भूखण्ड संख्या.2/391 पर लगभग 115 वर्गमीटर क्षेत्रफल में भवन का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा आरके वर्मा व अन्य द्वारा गोमती नगर विस्तार के सेक्टर.4 में भूखण्ड संख्या.4/964 पर लगभग 250 वर्गमीटर क्षेत्रफल में भवन का निर्माण कराया गया था।

प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किये जा रहे इन निर्माण कार्यों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद दर्ज करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। आदेश पर सहायक अभियंता उदयवीर सिंह, अवर अभियंता विपिन बिहारी राय व सुरेन्द्र द्विवेदी द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से चारों निर्माणों को सील कर दिया गया।

राजभवन में मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

● सेवा पखवाड़ा के तहत राजभवन में हो रहा है विविध कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के तहत गुरुवार को राजभवन में राजभवन के कार्मिकों, अध्यासित छात्र-छात्राओं तथा विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। राजभवन के बड़े लॉन में राष्ट्रीय झण्डे के नीचे मानव श्रृंखला बनाकर लोगों ने अपने आसपास एवं समाज को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' की थीम पर स्वच्छता हेतु संदेश का प्रसार किया गया। भारत माता की जय एवं वन्दे मातरम के उद्घोष द्वारा लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वच्छता हेतु संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ पंकज एल जानी तथा नेतृत्व मुख्य सुरक्षा अधिकारी अजय त्रिपाठी द्वारा किया गया।

विदित है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर, 2024 से शुरू होकर गांधी जयंती 02 अक्टूबर, 2024 तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के तहत 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' थीम पर आधारित स्वच्छता ही सेवा अभियान पूरे देश में संचालित हो रहा है।

इंट्रा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में एफओएपी का दबदबा

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का रजत जयंती वर्ष समारोह सात मई 2024 से आठ मई 2025 तक मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय परिसर में इंट्रा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में गुरूवार को एफओएपी 11 ने अपने सभी मैच जीतकर दबदबा बनाया। टीम ने क्रिकेट मैच, वॉलीबॉल, और टेबिल टेनिस के सभी मैच जीते। क्रिकेट में एफओएपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में मोहित यादव के 20 रन की पारी से 85 रन बनाये। जवाब में वीसी 11 की पूरी टीम 33 रन पर ऑलआउट हो गयी। वहीं, वॉलीबाल में 2-0 से डीन 11 को पराजित किया। जबकि टेबिल टेनिस के महिला सिंगल्स में कैश 11 को हरा कर विजेता बनी। वहीं महिला डबल्स में भी एफओएपी की टीम ने कैश को मात दिया। वहीं कैरम के दो मैच हुए जिसमें कैश 11 ने सीओई 11 को तो मैनेजमेंट 11 ने कुलसचिव 11 को हरा दिया।

बोर्ड परीक्षा 2025 की ऑनलाइन परीक्षा केंद्र निर्धारण की समय सारिणी जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी बोर्ड ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा केंद्र निर्धारण प्रक्रिया की आधिकारिक समय-सारिणी जारी कर दी है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा की शुचिता, गुणवत्ता, और नकल-विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्रों का निर्धारण ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। समय-सारिणी के अनुसार, परीक्षा केंद्रों का निर्धारण 25 सितंबर, 2024 से शुरू होकर 28 नवंबर, 2024 तक पूरा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत सभी विद्यालयों को अपने संस्थान की भौतिक संसाधनों से संबंधित सूचनाएं परिषद की वेबसाइट पर 25 सितंबर, 2024 तक अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गठित तहसील स्तरीय समिति द्वारा रिमोट सेंसिंग में त्रुटिपूर्ण पाए गए विद्यालयों को अपने सही जियोलोकेशन विवरण 30 सितंबर, 2024 तक मोबाइल एप के जरिए अपलोड करने होंगे। विद्यालयों द्वारा अपलोड की गई जानकारी का भौतिक सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा गठित तहसील स्तरीय समिति द्वारा 15 अक्टूबर, 2024 तक किया जाएगा। इसके बाद यह समिति जिलाधिकारी को अपनी अभ्युक्ति सहित रिपोर्ट देगी, जिसे 20 अक्टूबर, 2024 तक ऑनलाइन अपडेट किया जाएगा। इसके आधार पर ऑनलाइन चयनित परीक्षा केंद्रों की सूची 2 नवंबर, 2024 तक सार्वजनिक की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक, समाचार पत्रों के माध्यम से विज्ञप्ति जारी कर प्रधानाचार्य, प्रबंधक, छात्र, और अभिभावकों से आपत्तियां और शिकायतें 6 नवंबर, 2024 तक प्राप्त करेंगे। इन आपत्तियों का निस्तारण 11 नवंबर, 2024 तक किया जाएगा। परिषद द्वारा अनुमोदित परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची 15 नवंबर, 2024 तक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

एलडीए में रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड हो या नामांतरण जनता की मदद के लिए तैनात होंगे प्राधिकरण मित्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने जन सामान्य की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनसंपर्क प्रणाली को किया एकीकृत

एलडीए में सम्पत्ति आवंटन, रजिस्ट्री, फ्र ीहोल्ड व नामांतरण कार्यों के लिए आने वाले लोगों को अब अलग.अलग अनुभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्हें एक ही जगह पर अपने समस्त कार्यों की जानकारी मिल जाएगी। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने जन सामान्य की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनसंपर्क प्रणाली को सिंगल विन्डो सिस्टम के तहत एकीकृत करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत एलडीए में प्राधिकरण मित्र तैनात किये जाएंगे, जो आम नागरिकों को पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए उनके कार्य निस्तारित कराएंगे।

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण भवन में सम्पत्ति, रजिस्ट्री, फ्री.होल्ड, नामांतरण व बुकिंग सम्बंधी कार्यों के लिए आने वाले लोगों को सही जानकारी न होने के कारण अलग.अलग पटलों में भटकना पड़ता है। इससे लोगों को असुविधा होती है और विभागीय कार्य भी बाधित होता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण भवन के गेट नंबर.2 के पास निर्मित काउंटरों को अपग्रेड करते हुए जनसंपर्क के लिहाज से उपयोगी बनाया जाएगा। इसमें ई.स्टाम्प, ई.चालान, नामांतरण-फ्री.होल्ड, सामान्य पूछताछ, व्यावसायिक सम्पत्ति, मानचित्र, आईजीपी /पार्कस की बुकिंग, हाईटेक/इंटीग्रेटेड टाउनशिप, लोन डेस्क से सम्बंधित कार्यों के आवेदन प्राप्त किये जाएंगे। प्रत्येक काउन्टर पर सम्बंधित अनुभाग के 2 कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी, जिन्हें प्राधिकरण मित्र कहा जाएगा। प्राधिकरण मित्र द्वारा आम जनता को सम्बंधित कार्य की पूरी जानकारी देने के साथ ही सम्यबद्ध तरीके से उनका कार्य निस्तारित कराया जाएगा। इसके अलावा प्राधिकरण द्वारा पहले आओ.पहले पाओ योजना के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में फ्लैट बेचे जा रहे हैं। फ्लैट खरीदने के इच्छुक लोग प्राय: कार्यालय में आकर संपर्क करते हैं। इस व्यवस्था के तहत इच्छुक खरीददारों के लिए भी विशेष काउंटर संचालित किया जाएगा। जिसमें तैनात कर्मचारी लोगों को फ्लैट के बारे में जानकारी देने के साथ ही ऑनलाइन बुकिंग में सहयोग प्रदान करेंगे और जरूरत के अनुसार साइट विजिट की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराएंगे। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि उपाध्यक्ष के आदेशों में प्राधिकरण में जनता से जुड़े कार्यों के लिए सिंगल विन्डो सिस्टम प्रणाली लागू करने की कार्यवाही शुरू करा दी गयी है। आगामी 15 अक्टूबर 2024 तक काउन्टरों को अपग्रेड करा दिया जाएगाए जिसके लिए अनुरक्षण अनुभाग को निर्देश दे दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि 01 नवम्बर, 2024 से सभी काउंटर संचालित करा दिये जाएंगे।

सरकारी अधिकारी कल 125 टीबी मरीजों को गोद लेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शनिवार को एसजीपीजीआई में मरीजों को मिलेगी निःक्षय पोटली

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की प्रेरणा से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी 125 ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) मरीजों को गोद लेंगे। शनिवार को एसजीपीजीआई में स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में सचिवालय और महानिदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के ये अधिकारी सभी मरीजों को निक्षय पोटली वितरित करेंगे।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता में वृद्धि और टीबी कार्यक्रम को जनांदोलन बनाने की प्राथमिकता के साथ प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए सूबे की सरकार के प्रयास जारी हैं। सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और प्रयासों के फलस्वरूप, टीबी मुक्त प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे निक्षय मित्र के साथ-साथ नि:क्षय पोषण योजना सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। नि:क्षय पोषण योजना के अंतर्गत, टीबी मरीजों को हर माह पोषण सहायता राशि के रूप में 500 रुपए सीधे उनके खाते में भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में 39151 निक्षय मित्रों के माध्यम से लगभग 330985 टीबी रोगियों की मदद की जा रही है। प्रमुख सचिव ने आमजन से अपील की कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को जनआन्दोलन बनाते हुए सभी को अपने-अपने सम्बद्ध कार्यालयों / संस्थानों के माध्यम से टीबी जैसे गंभीर रोग के बारे में हर स्तर पर जागरूकता फैलाने के संभव प्रयास करने होंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस रोग को हराने के लिए टीबी मरीजों की हर संभव सहायता की जाए। यदि हम सब एक साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करें तो टीबी मुक्त प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

केजीएमयू ने 2022 संकाय भर्ती की सूची जारी की, मिलेंगे 75 नियमित शिक्षक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर 2022 के विज्ञापन के तहत सम्पन्न हुई संकाय भर्ती के परिणामों की घोषणा कर दी है। सूची के मुताबिक विभिन्न विभागों को 75 नियमित शिक्षक मिलेंगे। इनमें 3 प्रोफेसर, 8 एसोसिएट प्रोफेसर और 64 सहायक प्रोफेसर को नियुक्ति पत्र जारी किया है।

बता दें कि यह भर्ती, जो आरक्षण नीतियों के कार्यान्वयन के संबंध में कई अभ्यावेदन के कारण समीक्षाधीन थी, अब कानूनी आदेशों के अनुपालन में पारदर्शी तरीके से सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। केजीएमयू की कुलाधिपति ने 18 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय प्रशासन को विज्ञापित पदों की नियुक्ति के लिए बुलाई गई चयन समितियों की सिफारिशों को कार्यकारी परिषद के समक्ष रखने के निर्देश जारी किए। राजभवन से प्राप्त निर्देश के आधार पर कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने सूची जारी की है। नवनियुक्त संकाय सदस्य विश्वविद्यालय के विकास को काफी बढ़ावा देंगे और शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने, अनुसंधान पहल को आगे बढ़ाने और विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभागों में रोगी देखभाल सेवाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय नियुक्तियों में नेफ्रोलॉजी विभाग और न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में विश्वविद्यालय का प्रथम नियमित संकाय सदस्य सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त एनेस्थिसियोलॉजी विभाग के लिए 12 नई भर्तियों से सर्जरी के लिए प्रतीक्षा समय कम हो जायेगी। सर्जिकल और आईसीयू सेवाएं भी मजबूत होंगी।

उन्नत भारत अभियान ग्रामीण समुदायों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में गुरुवार को उन्नत भारत अभियान के उद्घाटन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह अभियान शिक्षा मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण और अग्रणी पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में समग्र सामाजिक और आर्थिक सुधार लाना है। इस पहल के अंतर्गत गांवों में बुनियादी सेवाओं, कानूनी सहायता और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

विशेष समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर संदीप संगल, आईआईटी कानपुर, ने कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने ग्रामीण विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान ग्रामीण समुदायों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनके अनुसार, यह अभियान न केवल आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, और अन्य बुनियादी सुविधाओं के सुधार में भी सहायक सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय की विधिक सहायता समिति और संगोष्ठी समिति ने लखनऊ के सरोजनी नगर तहसील के पांच प्रमुख गांवों— प्यारेपुर, खुर्रमपुर, समदा, खेड़ा, पलेन्हेडा और धीगिया— को गोद लिया है। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अमरपाल सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्नत भारत अभियान न केवल ग्रामीण समाज की उन्नति का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे छात्रों के लिए व्यावहारिक शिक्षा का एक सशक्त माध्यम भी होगा। उनके साथ, विधिक सहायता समिति के अध्यक्ष डॉ. मनीष सिंह और संगोष्ठी समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. प्रेम कुमार गौतम ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। उन्होंने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे सफल बनाने के लिए अपने समर्थन का आश्वासन दिया।

गोवंश आश्रय केन्द्र में बदइंतजामी देखकर भड़के एसडीएम, लगाई फटकार

संवाददाता। मोहनलालगंज

निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्र खुझौली का औचक निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा को बदइंतजामी की भरमार मिली। स्टॉक रजिस्टर समेत अन्य अभिलेख मौजूद न मिलने पर एसडीएम ने मातहतों को कड़ी फटकार लगाई। बीमार गोवंश के लिए सिक वार्ड न होने और गोवंश की देखरेख ठीक ढंग से न किए जाने को लेकर भी एसडीएम ने गहरी नाराजगी जताई। एसडीएम ने बीडीओ और डिप्टी सीवीओ से चारे के भुगतान और अभिलेखों का सत्यापन कर रिपोर्ट मांगी है।

मोहनलालगंज के निराश्रित गोवंश आश्रय केन्द्र खुझौली का गुरुवार को जायजा लेने पहुंचे एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा को चरही टूटी और उनमें गोबर फैला मिला। आश्रय केन्द्र की सफाई व्यवस्था चौपट मिली। केन्द्र में खरीदे गए चारे का स्टॉक रजिस्टर समेत सारे अभिलेख नदारद मिले। केन्द्र में बीमार गोवंश के लिए सिक वार्ड नही बनाए जाने पर भी एसडीएम ने फटकार लगाई। चारे के लिए किए गए भुगतान में खामियां पाकर भी एसडीएम बेहद खफा हुए। एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने बताया निरीक्षण के समय मौजूद रहे बीडीओ और डिप्टी सीवीओ से रिपोर्ट मांगी गई है। जिसके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। गोवंश आश्रय केन्द्र की अव्यवस्थाएं दूर कराई जाएंगी।

एएसपी बनकर मुकदमा निपटाने के लिए लाखों रुपए मांग रहा बर्खास्त सिपाही गिरफ्तार

● मोहनलालगंज पुलिस ने सीआरपीएफ के बर्खास्त हेड कांस्टेबल और उसकी परिचित युवती को भेजा जेल

संवाददाता। मोहनलालगंज

सीआरपीएफ का बर्खास्त हेड कांस्टेबल एएसपी बनकर किसान के परिवार से छेड़छाड़ के मुकदमे में समझौता कराने के लिए लाखों रुपए मांग रहा था। जांच में इस बात का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपी और छेड़छाड़ का केस दर्ज कराने वाली उसकी परिचित युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस की जांच में युवती द्वारा ही फोन करके आरोपी युवकों को होटल बुलाए जाने की बात भी साफ हो गई है। हालांकि युवती द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच अलग से की जा रही है।

नगराम के कमालपुर बिचलिका निवासी किसान छोटेलाल के बेटे दिलीप और अब्बास नगर निवासी गोल्डी के विरुद्ध निजी अस्पताल में कार्यरत युवती ने कुछ दिन पूर्व छेड़छाड़ का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराई थी। उसी मुकदमे में सुलह समझौता कराने के लिए मूलरूप से झांसी निवासी कुलदीप उर्फ कमलापत यादव एडिशनल एसपी बनकर किसान छोटेलाल को फोन कर 20 लाख रुपए मांग रहा था। काफी मिन्नतों के बाद भी कुलदीप ने 15 लाख रुपए से कम रकम न लेने की बात कही। यही नही जल्द रकम का इंतजाम न करने पर आरोपियों को जेल भिजवाने की धमकी दी। किसान छोटेलाल ने पुलिस अधिकारियों को रिकॉर्डिंग सुनाकर आपबीती बताई तो अधिकारी भी हैरत में पड़ गए। फौरन एफआईआर दर्ज कर आरोपी कुलदीप को हिरासत में लेकर कॉल डिटेल निकलवाई गई तो पूछताछ में पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया आरोपी कुलदीप दो साल पूर्व सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल के पद से बर्खास्त किया जा चुका है। आजकल प्रॉपर्टी का कारोबार करता था। उसका डेढ़ साल से मुकदमा लिखाने वाली युवती से परिचय है। कुलदीप ने ही रुपए ऐंठने के लिए साजिश रची और छेड़छाड़ के मुकदमे में आरोपियों के परिवार को एएसपी बनकर फोन किया और समझौता कराने के लिए 15 लाख रुपए की मांग की। सीडीआर से साफ हुआ कि युवती ने ही आरोपी युवकों को फोन कर होटल बुलाया था फिर उसी ने कुलदीप को भी फोन किया। इस पूरे मामले में कुलदीप के साथ ही युवती की भी भूमिका पाई गई। इसलिए दोनों को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया है।

तहसील के गेट पर जाम में फंसे एसडीएम, ट्रैफिक पुलिस रही बेखबर

संवाददाता। मोहनलालगंज

● मोहनलालगंज कस्बे में ट्रैफिक जाम की समस्या बन रही नासूर जिम्मेदार बेपरवाह

पार्किंग के अभाव और ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही से मोहनलालगंज में जाम की समस्या नासूर बनती जा रही है। हाईवे पर वाहन पार्किंग की वजह से गुरुवार को एसडीएम की गाड़ी भी काफी देर तक तहसील गेट पर जाम में फंसी रही। थकहार कर एसडीएम को गाड़ी से उतरकर पैदल ही तहसील जाना पड़ा। इस दौरान जाम कोतवाली के गेट तक पहुंच गया लेकिन पुलिसकर्मी बेखबर रहे।

मोहनलालगंज कस्बे में पार्किंग के अभाव में लोग हाईवे पर ही गाडियां खड़ी कर देते हैं। लिहाजा डाकघर तहसील और कोतवाली ही नही समूचे कस्बे में बाजार की हाईवे पटरी दोनों ओर वाहन पार्किंग में तब्दील नजर आती है। जिसकी वजह से कस्बे में अक्सर जाम लग जाता है। लेकिन चौराहे पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहते हैं। गुरुवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ जब शाम करीब 4 बजे तहसील जा रहे एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा की गाड़ी तहसील के गेट पर ही जाम में फंस गई। गेट पर गाडियां खड़ी होने से एसडीएम की गाड़ी अंदर नही जा सकी। लिहाजा एसडीएम गाड़ी से उतरकर पैदल ही तहसील चले गए।

इस दौरान जाम कोतवाली तक पहुंच गया लेकिन पुलिसकर्मी बेपरवाह रहे। लिहाजा कुछ जागरूक वाहन चालकों ने खुद पहल की तब जाकर हाईवे पर वाहनों का आवागमन शुरू हो सका। इसी बीच हाईवे पर खड़ी गाड़ी हटीं तब जाकर एसडीएम की गाड़ी भी तहसील के अंदर जा सकी।

आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम बन रहा गोरखपुर: मुख्यमंत्री

● डेढ़ दशक पहले होता था गोरखपुर के नाम से भय, अब बन रहा विकास और रोजगार का संगमः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15-20 साल पहले भय होता था, सात वर्ष पूर्व जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है।

सीएम योगी गुरुवार को रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 'फ्लोट' का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद ताल की जेटी पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय परियोजना ग्रीनवुड अपार्टमेंट के सात आवंटियों

रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

को आवंटन प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग आज से डेढ़ दशक पहले गोरखपुर के नाम से डरते थे। सात वर्ष पूर्व तक भी गोरखपुर विकास से कोसों दूर था। आज जिस स्थान (रामगढ़ताल क्षेत्र) पर यह आयोजन हो रहा है, वहां तो आना ही सपना था। मुख्यमंत्री ने कहा रामगढ़ताल गोरखपुर की गंदगी और अपराध का गढ़ बन चुका था। सर्किट हाउस में रुकने वाले अतिथियों और मंत्रियों के लिए अलग से फोर्स लगानी पड़ती थी। गोरखपुर का खाद कारखाना बंद हो चुका था। यहां का बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार हो गया था। गोरखपुर के लोगों को दिनभर जाम में फंसना पड़ता था।

बीते सात साल में आए बदलाव की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि आज गोरखपुर में फोर और सिक्सलेन की सड़कें हैं। यहां का एयरपोर्ट देश के व्यस्त एयरपोर्टस में से एक है। गोरखपुर में रेलवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। खाद कारखाना फिर से चालू हो चुका है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का बेहतरीन केंद्र बन गया है। साथ ही एम्स भी संचालित है।

मृतप्राय थी रामगढ़ झील, अब नई आभा से आकर्षित कर रही पर्यटकों को

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामगढ़ताल कभी मृतप्राय हो चला था। जबकि आज 1800 एकड़ में फैली यह प्राकृतिक झील पर्यटकों को नई आभा के साथ आकर्षित कर रही है। यहां नए-नए होटल खुल रहे हैं। रामगढ़ताल में क्रूज की सुविधा पहले ही शुरू हो गई थी। आज फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का भी शुभारंभ हो गया है। अब प्राकृतिक झील के किनारे जलपान और भोजन करने का मन हुआ तो यह सुविधा गोरखपुर में ही उपलब्ध हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा आधुनिक सोच के साथ विकास भी हो रहा है और यह विकास रोजगार का भी माध्यम बन रहा है।

फाइव स्टार सुविधाओं वाला है फ्लोटिंग रेस्टोरेंट

रामगढ़ताल में बना है फ्लोटिंग रेस्टोरेंट फाइव स्टार सुविधाओं वाला है। जीडीए का दावा है कि यह उत्तर भारत का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट है। कुल 9600 वर्गफुट क्षेत्रफल और तीन मंजिला इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में एकसाथ 100 से 150 आगंतुक बैठ सकते हैं। 'फ्लोट' का संचालन करने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक आलोक अग्रवाल बताते हैं कि ग्राउंड फ्लोर से पहले और दूसरे फ्लोर तक लिफ्ट की भी सुविधा है। ग्राउंड फ्लोर पर बने फूड कोर्ट में शुद्ध शाकाहारी लजीज व्यंजनों की लंबी श्रृंखला है। जबकि पहले फ्लोर पर संगीतमय अंदाज में पार्टी की जा सकेगी। दूसरा फ्लोर ओपन रूफटॉप का है जहां खुले में बैठकर ताल का दीदार करने के साथ व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकता है। पूरे फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की डिजाइन ऐसी है कि इसमें बैठने वालों को रामगढ़ताल की खूबसूरती पूरी तरह दिखेगी। इसके निर्माण पर दस करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है और इसे इंडियन रजिस्ट्रार ऑफ शिपिंग के मानकों के अनुरूप बनाया गया है। ग्रीनवुड अपार्टमेंट रामगढ़ताल के समीप 5.20 एकड़ में बनाया जा रहा है। 374.49 करोड़ रुपये की लागत और मिवान तकनीकी से बनने वाले इस आवासीय प्रोजेक्ट में थ्री बीएचके एचआईजी के 300 तथा फोर बीएचके एचआईजी के 179 फ्लैट्स बनेंगे। इस अपार्टमेंट का निर्माण जुलाई 2027 तक पूर्ण कराने का लक्ष्य है।

12 कुम्भकारों को विधायक राजेश्वर सिंह ने उपलब्ध कराई इलेक्ट्रिक चाक मशीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कुम्भकारी मानव सभ्यता के इतिहास के सबसे प्राचीन आविष्कारों में से प्रमुख है। कुम्भकारी शिल्पकला व इस कौशल को संरक्षित, प्रोत्साहित करने के उद्देश से गुरुवार को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने नटकुर में 12 कुम्भकारों को इलेक्ट्रिक चाक मशीन प्रदान की। इसके साथ ही डॉ. सिंह ने गोडवा, हुलासखेडा, भटगाँव पाण्डेय, हाजीपुर सहित 14 समीपवर्ती गावों के निवासियों की मांग पर सई नदी में संचालन हेतु एक नाव उपलब्ध कराई। इस नाव के माध्यम से इन गांवों से हैरानी बीच की दूरी 9 किमी तक कम हो जाएगी। साथ ही नटकुर के पूर्व प्रधान पवन सिंह के आग्रह पर गाँव में 5 सोलर लाइट लगवाने, सड़क निर्माण करवाने तथा क्रिकेट किट उपलब्ध करवाने हेतु आश्वस्त किया। भाजपा सदस्यता अभियान (ग्रामीण) की समीक्षा कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा आज भारत के पडोसी देशों की स्थिति देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि राष्ट्र प्रथम की विचारधारा किसी भी देश के लिए कितना जरुरी है। भाजपा की विचारधारा राष्ट्रप्रथम की है, इस लिए भाजपा को विश्व की सबसे मजबूत और अजेय पार्टी के रूप में स्थापित करना जरुरी है। डॉ. सिंह ने कार्यकर्ताओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा उनके सहयोग और समर्थन से सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र सदस्यता अभियान में जिले और प्रदेश में ही नहीं पूरे देश में अग्रणी रहेगा। इस दौरान विधायक ने बताया 25 सितम्बर को सरोजनीनगर विधान सभा क्षेत्र के सभी बूथों पर वृहद सदस्यता अभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया और ताराशक्ति नि:शुल्क रसोई के माध्यम से उपस्थित लोगों को ताजा - पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध करवाया गया। कार्यक्रम में राजेश सिंह चौहान, पूर्व प्रधान नटकुर पवन सिंह, ब्लॉक प्रमुख सुनील रावत, गोविंद शुक्ला, मंडल अध्यक्ष विवेक राजपूत, शिव बख्श सिंह, मोहित तिवारी, शिव कुमार सिंह %चच्चू%, लवकुश रावत, राहुल रावत, हरिकरन सिंह, अनुज प्रताप सिंह, उमाकांत पाल, शीला रावत, अर्चना गौतम, अरविंद सिंह, रूप नारायण गौतम, संजीव मिश्रा, राजन सिंह आदि मौजूद रहे।

उप्र पंचायतीराज ग्रामीण सफ़ाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों से की मुलाकात

गुरुवार को डॉ. राजेश्वर सिंह से उनके आशियाना आवास पर उत्तर प्रदेश पंचायतीराज ग्रामीण सफ़ाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट कर पंचायतीराज विभाग के अंतर्गत कार्यरत सफाई कर्मचारियों की पदोन्नति व अन्य विभागीय मांगों से अवगत कराया। जिस पर डॉ. सिंह ने सफ़ाई कर्मचारी संघ पदाधिकारियों को उनकी मागों से मुख्यमंत्री को अवगत कराए जाने और यथासंभव समाधान दिलाए जाने हेतु आश्वस्त किया। इस दौरान डॉ. सिंह ने एलएलबी की पढ़ाई कर रही मेधावी छात्रा आयुषी सिंह को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया और बेहसा, अमौसी निवासी नीलम की बेटी रिंकी को सिलाई - कढाई के उनके कौशल को व्यवसाय से जोड़ने में सहायता हेतु सिलाई मशीन उपलब्ध कराई।

देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● राज्यपाल की अध्यक्षता में आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या का 26वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या का 26 वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह में 595 छात्र-छात्राओं को उपाधियां व 27 मेधावियों को स्वर्ण पदक दिया गया। कुलाधिपति स्वर्ण पदक आठ, कुलपति स्वर्ण पदक 11 तथा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक आठ मेधावियों को दिया गया। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न महाविद्यालयों एवं मुख्य परिसर को मिलाकर स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी के कुल 595 छात्र-छात्राओं को उपाधि दी गईं। जिसमें स्नातक के कुल 330, परास्नातक के 238 तथा पीएचडी के कुल 27 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं। राज्यपाल द्वारा डिजिलॉकर पर सभी उपाधियों/अंक तालिकाओं को अपलोड किया गया।

राज्यपाल ने उपाधि/पदक प्राप्तकर्ता सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि स्वर्ण पदक विजेताओं में 55.55 प्रतिशत छात्राएं हैं और 8 में से 6 कुलाधिपति पदक विजेता भी छात्राएं हैं, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अपनी मेहनत और संकल्प से प्राप्त सफलता उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो एक शुरुआत है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को कृषि, प्रौद्योगिकी, नवाचार और शोध को बढ़ावा देने का आह्वान किया, जिससे न केवल उनका भविष्य उज्ज्वल हो, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी योगदान हो सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उत्थान में योगदान का प्रतीक हैं और उन्हें अपनी कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कृत किया गया है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिवार की सराहना करते हुए कहा कि इस संस्थान ने अपने दृढ़ संकल्प और परिश्रम से नैक 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त किया है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय के साथ उत्तर प्रदेश को भी पूरे देश में एक नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार को आगे आना होगा। विश्वविद्यालय जो भी कार्य कर रहा है उसका लाभ गरीब, पिछड़ा वर्ग और किसानों को हो रहा है। साथ ही उन्होंने कृषि उत्पादन और उत्पादकता में विश्वविद्यालय के योगदान की भी प्रशंसा की और कहा कि वर्ष 2047 के बाद कृषि विश्वविद्यालय का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे किसान अन्नदाता होने के साथ-साथ जीवनदाता भी हैं। उन्होंने कहा कि नवीन कृषि पद्धतियों के लिए सरकार कार्य कर रही है। कम पानी में अधिक फसलों की पैदावार हो सके इसके लिए विश्वविद्यालय को अनुसंधान करना होगा, जिससे कि किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने विश्वविद्यालय को जलवायु परिवर्तन से कृषि पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को गर्मी और सूखे जैसी परिस्थितियों से बचाव करने के लिए सकारात्मक प्रयास करने चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में 2024-25 में 1.52 करोड़ कृषि का बजट प्रधानमंत्री जी ने दिया है, जिससे की कृषि के क्षेत्र में हमारा देश आत्मनिर्भर बन सके। कुलाधिपति ने युवा छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे नौकरी के चक्कर में न पड़कर सरकार की कई लाभकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। इस योजनाओं से वे अपना व्यवसाय खड़ा कर सकते हैं साथ ही दूसरों को भी रोजगार देने कार्य कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छह आकांक्षी जिलों को गोद लेकर कार्य कर रहा है। आकांक्षी जिलों के विकास के लिए जिले के अधिकारियों, ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत सदस्य स्तर से सभी को एक साथ मिलकर कार्य करने की जरूरत है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, नई कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने और सिंचाई प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सकेगी।

हर साल अचानक हृदयाघात से लगभग 7 लाख लोगों की होती है मौत

लखनऊ। योजना भवन में गुरुवार को प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार नियोजन एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन आलोक कुमार के नेतृत्व में सीपीआर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संजय गांधी पीजीआई के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर आदित्य कपूर ने बताया कि हालांकि एससीए पीड़ितों को जनता के सदस्यों द्वारा बचाया जा सकता है, लेकिन ऐसे 95 फीसद पीड़ित न्यूनतम जन जागरूकता और ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के ज्ञान के कारण बच नहीं पाते हैं। आसपास खड़े लोगों द्वारा जीवन रक्षक उपाय शुरू करने में हर एक मिनट की देरी से बचने की संभावना 10 फीसद कम हो जाती है। यदि आम जनता को कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) करने के तरीके के बारे में जागरूक किया जाए, तो वे तुरंत इसे शुरू कर सकते हैं और जीवन बचाने में मदद कर सकते हैं। सीपीआर एक सरल जीवन रक्षक कौशल है और इसे आसानी से सीखा जा सकता है।

हाईकोर्ट ने पूछा, सर्वे के लिए चार माह क्यों

● पॉलिटेक्निक से इंदिरा कैनाल तक फ्लाई ओवर के प्रस्ताव का मामला

विधि संवाददाता। लखनऊ

अयोध्या रोड पर पॉलीटेक्निक से इंदिरा कैनाल तक फ्लाई ओवर के प्रस्तावित निर्माण के सम्बन्ध में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने पूछा है कि सर्वे के लिए चार माह का वक्त क्यों चाहिए। पीठ ने एलडीए के सचिव व सर्वे करने वाली एजेंसी के किसी सक्षम अधिकारी को अगली सुनवाई पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चार माह का समय मांगने का औचित्य स्पष्ट करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश अवध बार एसोसिएशन की ओर से वर्ष 2017 में दाखिल एक विचाराधीन जनहित याचिका पर दिया है।

नाबालिग युवती को भगाने में सात वर्ष की सजा

विधि संवाददाता। लखनऊ

16 वर्ष की एक नाबालिग युवती को शादी के इरादे से भगाने के आरोप में पॉक्सो की विशेष अदालत ने अभियुक्त नवमी लाल को दोषी करार दिया है। विशेष जज मोहम्मद कमरुज्जमा खान ने इसे सात वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही इस पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी ठोका है। सरकारी वकील शैलेश कुमार सिंह के मुताबिक 21 जून 2014 को इस मामले की एफआईआर पीड़िता के पिता ने थाना पीजीआई में दर्ज कराई थी।

महाकुंभ में इस बार स्नानार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था होगी हाईटेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

त्रिवेणी के पावन तट पर जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ को प्रदेश की योगी सरकार दिव्य, भव्य और नव्य स्वरूप देने के साथ इसकी सुरक्षा पर भी पूरा ध्यान दे रही है। सम्पूर्ण कुंभ मेला क्षेत्र में कल्पवासियों के साथ ही आने जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

त्रिवेणी की पावन जल धारा में पुण्य की डुबकी लगाते समय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर इस बार योगी सरकार बार कई नए कदम उठा रही है। कुंभ मेला अधिकारी विजय किरण आनंद का कहना है कि कुंभ मेला में आगंतुकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता है । इसके लिए घाटों और नदियों में सामान्य परिस्थितियों से लेकर किसी भी दुर्घटना की स्थिति में विशेष सुरक्षा सतर्कता रहेगी। अंडर वाटर सेफ्टी के लिए पहली बार कई नई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मेला में घाटों की संख्या का विस्तार होने की वजह अब नदियों में आठ किलोमीटर लंबी डीप वाटर बैरिकेटिंग बनाई जाएगी। नदियों की सतह और जल के अंदर की सुरक्षा पीएसी और जल पुलिस को सौंपी गई है। पीएसी जल के अंदर सुरक्षा के लिए इस बार कई नए प्रयोग करने जा रही है। डीआईजी पूर्वी जोन पीएसी राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि पहली बार जल के अंदर अंडर वाटर ड्रोन भी निगरानी के लिए लगाए जायेंगे। दुर्घटना के समय पानी के नीचे जन धन की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए इस बार सोनार रेडियो तरंगों का उपयोग किया जायेगा। जलीय क्षेत्र में किसी भी आकस्मिक जरूरत में क्विक रिएक्शन के लिए पहली बार वाटर स्कूटर ब्रिगेड भी मौजूद रहेगी। डीआईजी पूर्वी जोन पीएसी के मुताबिक यह ब्रिगेड को 25 वाटर स्कूटर से लैस होगी जो जरूरत पड़ने पर तुरंत ही मदद के लिए मौके पर पहुंच सकेगी।

वन नेशन व इलेक्शन भाजपा का एक और शिगूफाः प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार के वन नेशन वन इलेक्शन की कैबिनेट में मंजूरी को भाजपा का एक और शिगूफा करार दिया है। उन्होंने कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनाव को लेकर जनता का ध्यान असफलताओं तथा मुददों से हटाने के लिए मोदी सरकार ने इस सियासी ड्रामे की पटकथा तैयार की है।

उन्होनें कहा कि मंहगाई तथा बेरोजगारी व चीन तथा जम्मू कश्मीर में सामरिक क्षेत्र में सरकार की कूटनय के क्षेत्र में विफलता को लेकर रोज सवाल खड़े हो रहे हैं। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि देश के संघीय ढांचे में वन नेशन वन इलेक्शन संघ की भावना के खिलाफ है। वही उन्होने सरकार से सवाल दागा कि वह देश को यह बताए कि इस कानून को प्रभावी बनाने के लिए उसके पास दो तिहाई बहुमत कहां से हासिल हो सकेगा। उन्होने कहा कि मोदी सरकार का यह शिगूफा पूरी तरह से संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करने का एक और नकारात्मक प्रयास है। तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार का यह कदम लोकतंत्र में चुनावी मिलने वाले जनादेश से जबाबदेही से बचते हुए सत्ता की निरंकुशता की लालसा प्रकट करता है। वही उन्होनें जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भी भाजपा और मोदी सरकार की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा कि दस साल बाद सुप्रीम कोर्ट की मंशा के तहत जम्मू कश्मीर में चुनाव हो रहे है।

विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान और भाजपा की एक दूसरे की भाषा हुआ करती है। उन्होने कहा कि भाजपा और पाकिस्तान एक दूसरे के फायदे के लिए ही बोलते हैं। प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा इकलौती ऐसी पार्टी है जिसने एक पूर्ण राज्य को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया।

एसटीएफ ने मुठभेड़ में दिल्ली के दो कुख्यात अपराधियों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दिल्ली में हत्या व हत्या के प्रयास में वांछित कुख्यात अपराधी हाशिम बाबा गैंग के 2 सक्रिय शूटरों को एसटीएफ ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ मुजफ्फरनगर जिले के खतौली थाना क्षेत्र में संयुक्त मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। गोली लगने से दोनों शूटर जख्मी हो गए। गिरफ्तार किए गए अनस खान और असद आमीन ब्रह्मपुरी, दिल्ली के निवासी हैं। इनके कब्जे से एक पिस्टल .32 बोर, एक पिस्टल .30 बोर, एक तमंचा .32 बोर, कीया सेल्टास कार और कारतूस बरामद हुए। घायल अवस्था में गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि थाना पटेलनगर क्षेत्र से बरामद कार चोरी की थी, ताकि अपराध करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सके। चोरी की गयी कार असद अपने साथी अनस के साथ खतौली में साकिब उर्फ गददू पुत्र शमशुददीन उर्फ कल्लू निवासी सोतीगंज मेरठ आदि को देने जा रहे थे, जिनको वह पहले भी चोरी की गाड़ी दे चुका है। 29 व 30 अगस्त 2024 की रात्रि में अनस ने अपनी साथी के साथ मिलकर दिल्ली के कर्दमपुरी इलाके में अनिल नामक व्यक्ति पर अंधाधुंध फायरिंग की थी।? 13 अगस्त 2024 को हाशिम बाबा गिरोह के दो शार्प शूटरों ने रिजवान नामक व्यक्ति के सिर मे गोली मार दी, जिसकी मौके पर ही मौत हो गयी थी। हाशिम बाबा के निर्देश पर उक्त घटना के शूटरों को हथियार और गोला बारूद मुहैया कराने में अनस का नाम आया था?

14 जुलाई 2024 को हाशिम बाबा गिरोह के शार्प शूटर ने जीटीबी अस्पताल के वार्ड में प्रवेश कर उपचाराधीन व्यक्ति को गोली मार दी थी जबकि वह दूसरे व्यक्ति को मारने के लिए आए थे। इस घटना में भी हथियार और गोला बारूद अनस द्वारा ही मुहैया कराये थे। 19 एवं 20 जून की रात्रि में मंयक नामक व्यक्ति पर अनस ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंधाधुंध फायरिंग की थी।

आशा बहुएं जिलाधिकारी के माध्यम से भेजेंगी उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन

● कल होगा जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज लखनऊ में प्रदेश की आशा बहुओं से ऑनलाइन बैठक कर 20 सितंबर को जिलाधिकारी कार्यालय पर आशा बहुओं के धरना प्रदर्शन कार्यक्रम की समीक्षा किया। जे एन तिवारी ने बताया कि आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कुसुम लता यादव 20 सितंबर को जिलाधिकारी को ज्ञापन दिए जाने के कार्यक्रम को लेकर बहुत सक्रिय है।

प्रदेश भर मे जिलाधिकारी कार्यालय पर आशा बहुएं एकत्र होकर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपेगी। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि आशा बहू का शोषण चरम पर है। आशा बहुएं प्रधान मंत्री मातृ वंदन योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं का फार्म 150 में भर्ती थी। उनसे यह काम छीनकर आंगनवाडी को दे दिया गया है और आंगनवाडी को इस काम की लिए सरकार ?300 दे रही है। आशा बहुएं प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना का काम वापस लेने, आशा बहू को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देती हुई न्यूनतम मानदेय 18000 रुपए निर्धारित किए जाने,10 लाख का बीमा किए जाने, आशाओं के क्षेत्र में रहने के लिए कमरे की व्यवस्था किए जाने, संगिनी के लिए स्कूटी उपलब्ध कराने सहित कई मांगों पर कार्यवाही नहीं होने से नाराज हैं । उपमुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन देकर अपना विरोध प्रकट कर रही हैं। 20 सितंबर के ज्ञापन कार्यक्रम को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का पूरा समर्थन है। संयुक्त परिषद महामंत्री अरुणा शुक्ला ने कहा है कि संयुक्त परिषद ने आशा बहुओं की मांगों को 25 अक्टूबर को लखनऊ में आयोजित विशाल धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल किया है।

प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों को 'मिशन कर्मयोगी' से जोड़ रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) को सुधारना और उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार कुशल बनाने के लिए पीएम मोदी द्वारा शुरू किए गए मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। पीएम मोदी के विजन के अनुरूप और सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में तैनात ज्यादा से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए स्थापित इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आईजीओटी) पोर्टल में 94 हजार से ज्यादा सरकारी कर्मचारी और अधिकारी ऑनबोर्ड या रजिस्टर्ड हो चुके हैं। वहीं, 45 हजार से ज्यादा ने पाठ्यक्रम में अपना नामांकन कराया है, जिसमें करीब 29 हजार ने कोर्स पूरा कर लिया है। इनमें करीब 6 हजार अधिकारी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 2 सितंबर, 2020 को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'मिशन कर्मयोगी' को शुरू करने की मंजूरी प्रदान की थी।

हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष उत्तर प्रदेश एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट (यूपीएएएम) के प्रस्तुतिकरण में मिशन कर्मयोगी में उत्तर प्रदेश की भागीदारी की जानकारी दी गई। उपाम के डीजी वेंकटेश्वर लू और अपर निदेशक सुनील कुमार चौधरी ने यह प्रस्तुतिकरण दिया। अपर निदेशक सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि आई-जीओटी पोर्टल पर प्रदेश के 43 विभागीय नोडल अधिकारी नामित किए जा चुके हैं। वहीं, 94 हजार से ज्यादा ऑफिशियल्स ऑनबोर्ड या रजिस्टर हो चुके हैं।

नवयुग में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नवयुग कन्या महाविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग के प्राची क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा संयुक्त रूप से स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दीपाली श्रीवास्तव तथा डॉक्टर वैशाली जैन को वक्ता के रूप में निमंत्रित किया गया। वक्ताओं ने एनीमिया, सर्वाइकल कैंसर, ओवरी सिस्ट, तथा मासिक धर्म संबंधी समस्याओं से संबंधित जानकारी प्रदान की। अपने व्याख्यान में उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन का प्रयोग किया। जिसे छात्राओं ने ध्यान पूर्वक देखा और छात्राओं द्वारा कई प्रश्न पूछे गये। उनकी जिज्ञासाओं को देखकर प्रत्येक डॉक्टर ने क्रमशः उनके प्रश्नों का समाधान किया और एनीमिया डिफिशिएंसी तथा अन्य समस्याओं से ग्रस्त छात्राओं को अपने अस्पताल में आकर देखने के लिए भी आश्वस्त किया। जिन छात्राओं को आइरन डिफिशिएंसी के कारण एनीमिया है ए उनको आयरन की दवाइयां भी वितरित की गई। डॉक्टर दीपाली श्रीवास्तव ने यह भी आश्वासन दिया कि ऐसी छात्राओं को आगामी कई माह में भी संबंधित दवाइयां उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जाएगी। जिज्ञासु छात्राओं के लिए एनीमिया की जांच की व्यवस्था भी की गई।

उन्नति का आधार है मातृभाषा हिंदी: न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी

●हिंदी में काम करने वाले 17 अधिवक्ताओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता। प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डा गौतम चौधरी ने कहा कि हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए हमें रूढ़ियों को तोड़ना होगा। हिंदी में काम करने में कोई बाधा नहीं है सिर्फ इच्छा शक्ति का ही अभाव है। हम गुलामी की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। आज भी हमारे समाज में अंग्रेजी पढ़ने बोलने वालों को ज्यादा शिक्षित समझा जाता है। जबकि चीन जापान जैसे दुनिया के तमाम दूसरे देशों में अपनी भाषा में पढ़ने बोलने को प्राथमिकता दी जाती है।

न्यायमूर्ति डा गौतम चौधरी गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के लाइब्रेरी हाल में भारतीय भाषा अभियान द्वारा जनता को न्याय जनता की भाषा में विषय पर आयोजित संगोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। हिंदी में अब तक 21 हज़ार से अधिक निर्णय दे चुके न्यायमूर्ति डा गौतम चौधरी ने कहा कि हिंदी को अपनाने के लिए हमने मन से प्रयास नहीं किया है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 50 से 60 प्रतिशत अधिवक्ता हिंदी में बहस करते हैं। हिंदी में याचिकाएं दाखिल हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं है कि हम कठिन हिंदी का प्रयोग करें लोगों को समझ में आने वाली आसान भाषा का प्रयोग करने की आवश्यकता है। बहुत से शब्द दुनिया की तमाम भाषाओं से आत्मसात किए जाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब मैं विधि का छात्र था उस समय भी अधिकांश छात्र हिंदी में ही कानून की पढ़ाई करते थे।संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी को लेकर इतने सारे आयोजन हो रहे हैं इससे हमें यह सोचना पड़ता है कि क्या हमें मातृभाषा को भी बचाने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि एक हज़ार वर्षों से हमारी भाषा को नष्ट करने की तमाम कोशिश हुई। मगर हम इसे बचाए रखने में सफल रहे हैं। इसलिए हिंदी के विलुप्त होने की संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय में हिंदी के प्रयोग में कोई बाधा नहीं है। बहुत सारे वकील हिंदी में याचिकाएं दाखिल कर रहे हैं। हिंदी में बहस करते हैं और न्यायमूर्ति भी हिंदी में निर्णय दे रहे हैं। इसके साथ ही वादकारियों को हिंदी की अनुवादित प्रति भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हिंदी का उदय संस्कृत से हुआ है। संस्कृत का आज भले ही हम उपयोग नहीं कर रहे हैं मगर यह पूरी दुनिया स्वीकार कर चुकी है कि संसार की सबसे वैज्ञानिक भाषा संस्कृत है। पश्चिम के देशों में इस पर शोध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी का किसी से विरोध नहीं है।

न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने कहा कि भाषा उन्नति का आधार है। जब भाषा व्यवसाय से जुड़ेगी तभी उसकी उन्नति होगी। उन्होंने कहा कि हमें अंग्रेजी के प्रयोग के लिए बाध्य किया गया तभी हमने इसे सीखा।इसी प्रकार अगर संस्कृत के प्रयोग की बाध्यता होगी तो हम इसे भी सीखेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के न्यायालयों में हिंदी में काम करने में कोई कठिनाई नहीं है इसलिए हिंदी सुगम हो रही है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल तिवारी ने कहा कि दुनिया के बहुत से देश में लोग अंग्रेजी तो जानते हैं मगर प्रयोग अपनी की भाषा का करते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति पर गर्व करने का पहला चरण है अपनी भाषा का उपयोग करना। अनिल तिवारी ने हिंदी में कानून के पुस्तकों के अभाव की बात भी उठाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार ने बताया कि 1977 में हिंदी में दाखिल एक याचिका में आए निर्णय के बाद उच्च न्यायालय में हिंदी में बहस करने और याचिकाएं दाखिल करने को मान्यता प्राप्त हुई। भारतीय भाषा अभियान काशी प्रांत के संयोजक और बार के पूर्व उपाध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा जय हिंद ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख डा पूर्णेंदु मिश्र विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मौजूद थे।

सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक हो प्रयोग: एसएस नेगी

संवाददाता। प्रयागराज

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में गुरुवार को राजभाषा पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी यतेन्द्र कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य बिजली इंजीनियर एस एस नेगी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि 14 सितम्बर 1949 ही वह ऐतिहासिक दिन था जब हिंदी को संविधान में राजभाषा का गौरवमय स्थान प्राप्त हुआ था। इसी की स्मृति में प्रतिवर्ष इस तिथि को हिंदी दिवस के राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निवेदन किया कि वह अपने दिन प्रति दिन के सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आप सब इसमें बढ़ चढ़ कर भाग लें ताकि प्रतियोगिताओं का आयोजन सार्थक साबित हो सके। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी यतेन्द्र कुमार ने अपने अध्यक्षता करते हुए कहा कि अनुच्छेद 351 में भारत सरकार को यह उत्तर दायित्व सौंपा गया है कि वह हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार बढ़ाए और उसका विकास करे। परिणामस्वरूप सभी विभाग हिंदी के प्रयोग के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेल देश की अर्थव्यवस्था और विकास का मेरुदंड है। भारतीय रेल जहां देश की परिवहन प्रणाली का मजबूत आधार है। वहीं हिंदी के माध्यम से राष्ट्र की एकता और अखंडता को भी सुदृढ़ करती हैं। रेल आम जनता से जुड़ी है। रेलों में जनभाषा एवं राजभाषा हिंदी का प्रयोग अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि हम सब दृढ़ निश्चय के साथ यह संकल्प लें कि अपने सभी सरकारी कामकाज हिंदी में करेंगे।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने किया खिलौना किट का वितरण

अंबेडकर नगर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के 26वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर श्रीमती आनंदी बेन पटेल राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद अंबेडकर नगर के 125 आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु खिलौना किट का वितरण जिलाधिकारी अविनाश सिंह की उपस्थिति में किया गया। जिलाधिकारी के प्रयास से 50 खिलौना किट विश्वविद्यालय की तरफ से, 25 खिलौना किट क्षेत्रीय भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक गोरखपुर के सहयोग से और 50 खिलौना किट जिलाधिकारी जनपद अंबेडकर नगर की तरफ से दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और बैंक के प्रतिनिधियों को राज्यपाल द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। जिलाधिकारी की उपस्थिति में माननीय राज्यपाल द्वारा 10 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों यथाङ्कविकासखंड भियांव से शशि सिंह व नीतू मिश्रा, विकासखंड कटेहरी से अमरावती व संगीता त्रिपाठी, विकासखंड जलालपुर से पूनम देवी व सुनीता चौहान, विकासखंड अकबरपुर से शशिकला, किरन व रेनू उपाध्याय तथा विकासखंड कटेहरी से निशा चौधरी को प्रमाण पत्र दिया गया।

भाजपा व गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

संवाददाता। मुगलसराय, चन्दौली

अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समाज को लेकर राहुल गांधी की ओर से दिए बयान के विरोध में गुरुवार को नगर में भाजपा और गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की ओर से सभा कर विरोध प्रकट किया गया। इस दौरान भाजपा और गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी ने राहुल गांधी का पुतला फूंका। नगर के सुभाष पार्क में आयोजित सभा में गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार रणजीत सिंह शमी ने कहा कि राहुल गांधी जैसे व्यक्ति ही आज भारत देश को खंडित कर रहे हैं भारत जैसा देश विश्व में कहीं नहीं है और आज हमारे सिख समुदाय के लोग भारत के सभी धर्म के साथ सभी पर्वों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं ।

भाजपा जिला अध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि विदेश की धरती पर जाकर के भारत देश में रहने वाले समस्त धर्म के जातियों को आमर्यादित तरीके से प्रदर्शित करने वाले राहुल गांधी जो खुद इटली से अपना नाता आज तक नहीं जोड़ पाए वह भारत की संप्रभुता अटूट विश्वास और धर्म के प्रति क्या जानेंगे ऐसे लोग को भारत की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार देश में दो-दो बार सिर्फ समुदाय के ऊपर अत्याचार किया है। कहा कि राहुल गांधी ने सिद्ध कर दिया कि कांग्रेस सिख समुदाय की हितैषी न कभी थी न कभी होगी। भारत की आम जनमानस धर्म जाति के लोग भी राहुल गांधी का बहिष्कार करने का कार्य करेंगे।

इस मौके पर सरदार अवतार सिंह, सचिव सरदार महेन्द्र सिंह जी (पत्रकार), गुरदीप सिंह, चढातीकला सेवा के अध्यक्ष चढतीकला सेवा के अध्यक्ष कवलदीप सिंह, सचिव मनमीत सिंह (राजन), सुखविन्दर सिंह, बलबीर सिंह (लकी), राणा प्रताप सिंह, हरवंश उपाध्याय, संतोष खरवार, अभिषेक मिश्रा, कुन्दन सिंह, संतोष सिंह, राहुल जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार लेंगे हिस्सा

प्रयागराज। गणेशोत्सव में पुन: मुंबई के मशहूर परेल चा राजा पंडाल के साथ साझेदारी करके त्यौहार का उत्साह बढ़ा दिया है। इस पंडाल में बप्पा का आशीर्वाद लेने आ रहे भक्तों के लिए जी टीवी ने खास इंतजाम किया है। जहां विश्वास और सुकून से भरा एक पवित्र माहौल तैयार किया गया है। साथ ही बड़ी खूबसूरती से बनाई गई मूर्ति मन में श्रद्धा का भाव जगाती है। शो के लांच से पहले वसुधा और जागृति एक नई सुबह के कलाकार बप्पा का आशीर्वाद लेने जी टीवी के परेल चा राजा पंडाल पहुंचे। देखना ना भूलें दो नए रोमांचक शो जागृति एक नई सुबह हर सोमवार से शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे और वसुधा हर सोमवार से शुक्रवार रात साढ़े दस बजे सिर्फ जी टीवी पर आएगा। वसुधा के कलाकार नौशीन अली सरदार चंद्रिका सिंह चौहान प्रिया ठाकुर वसुधा अभिषेक शर्मा देवांश और जागृति के लीड कलाकार आर्य बब्बर काली कांत ठाकुर अस्मि देव जागृति और तितिक्षा श्रीवास्तव गीता ने पंडाल में पहुंचकर महाआरती का आनंद लिया।

अराजक तत्वों के विरुद्ध करें प्रभावी कार्रवाई: एडीजी

सोनभद्र। अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया नें गुरुवार को सोनभद्र में आगामी त्यौहारों एवं जनपद में कानून व शांति व्यवस्था, अपराध नियंत्रण के दृष्टिगत प्रशासनिक भवन पुलिस लाइन चुर्क में समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान निर्देश देते हुए कहाकि नवरात्रि, रामनवमी, दीवाली आदि को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत सभी राजपत्रित अधिकारी स्वंय के नेतृत्व में अपने सर्किल थाना क्षेत्र अंतर्गत अराजक तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करें। आगामी पर्वों की संवेदनशीलता को देखते हुए छोटी सी छोटी घटनाओं पर गम्भीरता पूर्वक कार्यवाही करें।

उन्होनें सभी क्षेत्राधिकारी को अवैध शराब निष्कर्षण, भंडारण व बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने हेतु सख्त निर्देश दिए। सभी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिसकर्मियों को मोटरसाइकिल व कलस्टर मोबाइल के साथ ड्यूटी लगाकर लगातार भ्रमणशील रखने व ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को अनिवार्य रूप से अपने साथ बॉडी प्रोटेक्टर, हेलमेट व डंडा इत्यादि दंगा नियंत्रण उपकरणों को रखने हेतु निर्देश दिए।

यूपी-112 पर प्राप्त सूचनाओं को पीआरवी वाहनों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर समयबद्ध निस्तारण हेतु हिदायत दिया। उन्होने सभी पुलिस वाहनों पर लाउड हेलर व पब्लिक एड्रेस सिस्टम को सक्रिय करते हुए त्योहारों को शांति व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने हेतु आमजन से अपील करने के निर्देश दिए।

अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम करने, महिला अपराधों के अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करने, हत्या, लूट, डकैती, गैंगरेप, गौ तस्करी, वाहन चोरों, मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही करने, सभी मुख्य बाजार मार्गों, चौराहों एवं हाइवे पर रात्रि गश्त एवं प्रभावी चेकिंग करने के निर्देश दिये।

अपर पुलिस महानिदेशक पीयूष मोर्डिया द्वारा सोशल मीडिया पर आगामी त्यौहारों, अपराधों व वायरल वीडियों पोस्ट पर सतर्क दृष्टि रखने तथा भ्रामक व गलत संदेश सूचना को किसी भी प्लेटफार्म पर प्रसारित करने वाले के विरुद्ध त्वरित कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी सहित जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे। इससें पूर्व अपर पुलिस महानिदेशक को सलामी गार्द द्वारा सलामी दी गयी।

105 बार रक्तदान करने वाले डॉ राजीव मिश्रा को किया सम्मानित

संवाददाता। प्रयागराज

तेज बहादुर सप्रू अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ भावना शर्मा ने रक्तदान के क्षेत्र में नाबाद कार्य के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित डॉ राजीव मिश्रा को प्रमाण पत्र प्रदान किया। डा राजीव मिश्रा ने अब तक 105 बार रक्तदान किया है। उनके योगदान और अभी तक निस्वार्थ रूप से सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए के लिए प्रमाण पत्र हासिल कर चुके हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ भावना शर्मा ने कहा कि आप का यह कार्य युवाओं को रक्तदान महादान की जागरूकता के प्रति अवश्य रूचि पैदा करेगा। आपका कार्य बहुत ही सराहनीय है। आज के समाज में आप एक प्रेणना श्रोत हैं। आपके कार्य को देखकर समाज के युवाओं को आगे आना चाहिए।

डॉ भावना शर्मा ने कहा कि आप का यह कार्य अपने आप में महान हैं। उन्होंने रक्तदान के प्रति लगन जूनून को लेकर उन्होंने बधाई दी। बता दें कि डॉ राजीव मिश्रा ने मणिपुर की राजधानी इंफाल को लेकर अब तक 23 राज्यों में रक्तदान और इसके प्रति जागरूकता हेतु बेहतरीन कार्य किया है। साथ ही साथ 105 बार रक्तदान कर और अपने शरीर से लगभग 36 लीटर खून दानकर और 93 शिविर लगाकर सैकड़ों लोगों की जिंदगी बचाने का पुनीत और निस्वार्थ कार्य किया है।

रक्तदान महादान के प्रति समाज के युवाओं को जागरूक हेतु डॉ राजीव मिश्रा ने तमिलनाडु उत्तराखंड अरुणाचल प्रदेश मध्य प्रदेश दमन दीव बिहार उत्तर प्रदेश केरल राजस्थान गोवा मणिपुर अरुणाचल प्रदेश नागालैंड जम्मू कश्मीर छत्तीसगढ़ असम मेघालय की राजधानी शिलांग पंजाब नई दिल्ली महाराष्ट्र हरियाणा लेह लद्दाख और पड़ोसी देश नेपाल तक जाकर लगभग 78 हजार किलोमीटर दोनों ओर की यात्रा को लेकर रक्तदान के प्रति युवाओं को जागरूक करने का कार्य किया है।

बारीकियों को समझने में मिलेगी बड़ी मदद

प्रयागराज। चंद्रिका को एक दबंग महिला के रूप में दिखाया गया है जो अपने सख्त उसूलों पर चलती हैं। लेकिन वो बड़ी नेकदिल भी हैं और हर सही बात के लिए खड़ी रहती हैं। इतने अलग अलग पहलुओं के साथ आपको क्या लगता है कि दर्शक इस किरदार को किस तरह देखेंगे। मुझे लगता है कि दर्शक चंद्रिका को एक रसूखदार और सिद्धांतवादी महिला के रूप में देखेंगे जो अपने नियमों का सख्ती से पालन करती है और इसी के चलते लोग उनकी बहुत इज्जत करते हैं। हालांकि वो बड़ी नेकदिल भी हैं और सही काम करने के लिए उनकी अटूट लगन उनकी रहमदिली को दर्शाती है। वो एक इंसान के रूप में बहुत अलग और अनोखी लगती हैं लेकिन मेरा मानना है कि एक सही फैसला लेते समय हर इंसान के काम करने के अपने तरीके होते हैं। जिससे मुझे चंद्रिका की भूमिका को बेहतर ढंग से निभाने के लिए सांस्कृतिक बारीकियों को समझने में मदद मिली।

चित्रकला, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सोनभद्र। भारत सरकार की महत्त्वकांक्षी योजना के तहत सम्पूर्ण भारत में स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक स्वछता अभियान चलाया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत बुधवार को सुहासिनी स्कूल गहिलगढ़ और शासकीय माध्यमिक विद्यालय जैतपुर में स्वच्छता के विषय पर आधारित चित्रकला निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थियों नें भाग लिया। वरिष्ठ प्रबन्धक माहताब आलम द्वारा इस अवसर पर बच्चों को न केवल दैनिक जीवन में स्वच्छता की महत्ता को बताया, बल्कि स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता के मूल्यों के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। वरिष्ठ प्रबन्धक माहताब आलम कार्यपालक निखिल जायसवाल एवं उनकी सीएसआर टीम शिक्षक के साथ साथ भारी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

प्लास्टिक बिक्री और उपयोग पूर्ण रूप से हुआ प्रतिबंधित

सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली टाउनशिप के अंदर 15 अगस्त 2024 से एकल उपयोग प्लास्टिक का भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है, इसी क्रम मे बुधवार को एनटीपीसी टाउनशिप मे स्थित विभिन्न शॉपिंग सेंटर्स मे जागरूकता अभियान चलाया गया। पूर्ण रूप से एकल उपयोग प्लास्टिक की रोकथाम हेतु पूरे टाउनशिप परिसर मे मानव संसाधन विभाग द्वारा सघन अभियान चला कर जांच की गयी। कई दुकानों मे प्लास्टिक का उपयोग करते पाये जाने पर जब्ती की कार्यवाही करते हुये अंतिव चेतावनी दी गयी। इस अभियान मे विभिन्न दुकानों से लगभग 7 किलो प्लास्टिक जब्त की गयी। कई दुकानदारो द्वारा कपड़े और टिशू से बनी थैलियों का प्रयोग किया जा रहा है।

रोजगार परक योजनाओं में निभाएं अपनी जिम्मेदारी: जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकों की जिला सलाहकार समिति,डीसीसी के सम्बन्ध बैंक मैनेजर व सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बैंक जनता के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हुए रोजगार परक योजनाओं को मूर्त रूप देने में सकारात्मक सहयोग करें, जिले के विकास में सार्थक भूमिका निभाएं, जिले के सभी बैंक भारत सरकार और रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के दिशा निर्देशों के अनुरूप सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के प्रति जिम्मेदारी के साथ मानवीय नैतिकता भी निभायें और जिले को पिछड़ेपन से बाहर करने के लिए बैंक जनता से सकारात्मक सहयोग करना सुनिश्चित करें।

जिससे कि आम जनमानस को रोजगार करने हेतु समय से ऋण की सुविधा उपलब्ध हो सके, बैंक अपने कार्य पद्धति में सुधार लायें, अन्यथा कार्यवाही का सामना करने के लिए तैयार रहें, जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकर्स रोजगार परक योजनाओं में सहयोग करते हुए स्थानीय रोजगार को बढ़ावा दें, जिससे स्थानीय स्तर पर बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ा जा सके। इस मौके पर जिलाधिकारी ने केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के संचालन एवं उसकी प्रगति वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता हेतु किये गये पहल की प्रगति, विभिन्न त्रैमासिक विवरणियों,वांछित सूचनाओं,शिकायतों के जबाब का प्रेषण आदि बिन्दुओं पर बारी बारी से सम्बन्धित अधिकारियों से बिन्दुवार समीक्षा की।

बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान एलडीएम, बैंक के बैंक मैनेजर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, परियोजना निदेशक राजेश उपाध्याय डी0सी0 मनरेगा रविन्द्र वीर जिला कृषि अधिकारी हरेकृष्ण मिश्र मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अजय मिश्रा अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित सम्बन्धित बैंक प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। प्रयागराज

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। उन्होंने एडीएम सिटी कार्यालय मुख्य राजस्व अधिकारी कार्यालय नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय आबकारी कार्यालय शस्त्र अनुभाग अभिलेखागार सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया और सभी सम्बंधित अधिकारियों से कलेक्ट्रेट परिसर के सुन्दरीकरण हेतु विचार विमर्श करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य भवन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व और अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति के भवन एवं संगम सभागार भवन के जीर्णोद्धार सुदृढ़ीकरण एवं सुन्दरीकरण हेतु लोक निर्माण विभाग से आगणन बनवाकर बजट की मांग हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मुख्य भवन के पूर्व में सुदृढ़ीकृत कराये गये कक्षों का निरीक्षण करते हुए शेष कक्षों को भी उसी अनुरूप सुसज्जित करने के लिए कहा है। उन्होंने इन कक्षों में विद्युत वायरिंग प्लास्टर पेंटिंग फ्लोरिंग व एल्युमिनियम फाल्ससिलिंग के कार्य कराये जाने के लिए कहा है।

जिलाधिकारी ने निष्प्रयोज्य हुई आलमारियों को हटाकर शेष को सुव्यवस्थित ढंग से रखे जाने के लिए कहा है। उन्होंने पुराने रिकार्डों को बिडआउट किए जाने की कार्यवाही एवं रिकार्डों को व्यवस्थित करने के लिए कहा है। उन्होंने अभिलेखागार कक्ष में अभिलेखों के सुरक्षित रखरखाव को सुरक्षित करते हुए कक्ष की मरम्मत व अन्य कार्यों को कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी कार्यालयों में साफ सफाई का विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देशित किया है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह नाजिर कलेक्ट्रेट अजय कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सामूहिक प्रयास से ही पूर्ण होगा आत्मनिर्भर भारत का संकल्प: संजीव कुमार गोंड

संवाददाता। सोनभद्र

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 74वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के अर्न्तगत जनपद मुख्यालय स्थित राजकीय बालिका इण्टर कालेज के प्रांगण मे प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी का शुभारंम्भ प्रदेश के राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड व भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि संजीव कुमार गोंड ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सामुहिक प्रयास से ही संभव हो पायेगा प्रधानमंत्री ने देश कि नीतियों को आत्मनिर्भरता कि ओर बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, देश मे वोकल फॉर लोकल को बढावा दिया जा रहा है भाजपा सरकार गरीबों के हितो का ख्याल रखती है, प्रधानमंत्री स्वनिधि के तहत जहां देश मे लाखों पथ विक्रेताओं को लोन दिया गया वही उद्योग विभाग से लोन देकर उद्योग धंधे को बढावा दिया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में ऐसे नेता हैं जो दुनिया के प्रसिद्ध नेताओं में शामिल हैं। मोदी और भारतीय जनता पार्टी न केवल राजनीति करती है, बल्कि सामाजिक सरोकारों के कामों को भी आगे बढ़ाती है।

बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाती है। उनके जन्मदिन के मौके पूरे जनपद में कार्यक्रम चल रहे हैं। पार्टी की सदस्यता अभियान एवं मोदी जी के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई गई है। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा काशी अजीत रावत उदयनाथ मौर्या जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता रविन्द्र केशरी संजीव तिवारी सुनिल सिंह बृजेश श्रीवास्तव रामलखन सिंह यादवेन्द्र द्विवेदी राकेश मेहता सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केजरीवाल की रणनीति

आतिशी मुख्यमंत्री

आतिशी को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनाना केजरीवाल की रणनीति का हिस्सा है जिससे वह महिला मतदाताओं को आकर्षित करना चाहते हैं। एक आश्चर्यजनक, पर रणनीतिक राजनीतिक कदम के रूप में उत्साही तथा शिक्षा सुधारवादी के रूप में सुपरिचित आतिशी दिल्ली की सबसे युवा मुख्यमंत्री बन गई हैं। यह परिवर्तन न केवल दिल्ली के राजनीतिक इतिहास, बल्कि भारतीय राजनीति के व्यापक संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। आतिशी को जिम्मेदारी सौंपने के अरविंद केजरीवाल के निर्णय को सुनियोजित कदम बताया जा रहा है जिससे 'पीढ़ीगत परिवर्तन' तथा प्रशासन के प्रति नए दृष्टिकोण का संकेत मिलता है। आतिशी को केजरीवाल द्वारा पसंद करने के अनेक कारण हैं जिनमें से प्रत्येक के अपने राजनीतिक और प्रशासनिक तर्क हैं। आतिशी आम आदमी पार्टी-आप के गठन के समय से उसका सबसे चमकदार चेहरा रही हैं। उनको खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अपने खोजी विचारों तथा प्रशासन से सीधे संबंधों के लिए जाना जाता है। शिक्षा मंत्री के रूप में उनके काम पर पूरे देश का ध्यान गया क्योंकि उनके नेतृत्व में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। केजरीवाल द्वारा उनको पदोन्नत करने का फैसला ऐसे समय आया है जब 'आप' अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। दिल्ली की बढ़ती शहरी ढांचागत संरचना के प्रबंधन के साथ केन्द्र सरकार के साथ नाजुक संबंधों में संतुलन की आवश्यकता को देखते हुए शहर को नई ऊर्जा तथा खोजी समाधानों की आवश्यकता है। अपनी प्रशासनिक क्षमता तथा सुधारवादी सार्वजनिक छवि के चलते आतिशी ऐसा व्यक्तित्व हैं जो दिल्ली को

जटिल मुद्दों से बाहर निकाल सकती हैं। केजरीवाल के इस कदम से 'आप' नेतृत्व में युवा पीढ़ी को शामिल करने की इच्छा प्रकट होती है। आतिशी की पदोन्नति से वे न केवल दिल्ली का तात्कालिक भविष्य, बल्कि पार्टी का दीर्घकालीन दृष्टिकोण भी तैयार कर रहे हैं जिसमें भारतीय राजनीति में 'आप' को एक प्रगतिशील व युवा-केन्द्रित शक्ति के रूप में पेश किया जाएगा।

आतिशी के मुख्यमंत्री बनने के बाद उम्मीदों की नई लहर पैदा हुई है। उनके रिकार्ड से स्पष्ट होता है कि शिक्षा और सार्वजनिक कल्याण उनकी प्रमुख प्राथमिकतायें होंगे। दिल्ली के निवासी उन पहलों के विस्तार की उम्मीद कर सकते हैं जो पहले ही लाभकारी रही हैं। इनमें 'मुहल्ला क्लीनिकें', जल एवं बिजली योजनायें तथा स्वास्थ्यरक्षा और शिक्षा पर ध्यान देना शामिल हैं। आतिशी के नेतृत्व का सर्वाधिक प्रमुख आयाम ऐसे प्रशासन का नया दृष्टिकोण पेश करने की क्षमता है जो कम टकराव वाला तथा ज्यादा सहयोगी हो। दिल्ली के सर्वोच्च पद तक आतिशी की पदोन्नति एक महत्वपूर्ण अवसर है, लेकिन इस बात में कोई संदेह नहीं कि असली शक्ति अरविंद केजरीवाल के पास बनी रहेगी। पार्टी के सभी प्रमुख निर्णय वही करेंगे, लेकिन आतिशी की पार्टी में पदोन्नति भी वास्तविक है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे केवल कुछ महीनों तक मुख्यमंत्री रहेंगी क्योंकि दिल्ली में मतदान थोड़े ही दिन में होने वाला है, लेकिन इसके बावजूद उनका कार्यकाल महिलाओं में चर्चा का विषय रहेगा। दिल्ली के साथ ही यह कार्यकाल पिछले दशक में हुए सुधारों की निरंतरता प्रदर्शित करेगा। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने के बाद इसमें शहर के भविष्य के लिए नए विचारों और नई ऊर्जा का भी समन्वय होगा। यह आतिशी की नेतृत्व गुणवत्ता की परीक्षा होगी क्योंकि उन पर लगातार समर्थक व विरोधी अपनी नजर बनाए रखेंगे। दबावों से बाहर निकलने की उनकी क्षमता पर केजरीवाल के इस साहसी निर्णय की सफलता निर्भर करेगी।

जल संकट से निपटने के उपाय

भारत की झीलें व दलदली क्षेत्र एक समय में शहरों की जीवनरेखा होते थे, पर आज वे खतरनाक गति से गायब हो रहे हैं। इसका कारण व्यापक भ्रष्टाचार तथा बेलगाम निर्माण है।

कोटा श्रीराज
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

भारत की झीलें व दलदली क्षेत्र एक समय में शहरों की जीवनरेखा होते थे, पर आज वे खतरनाक गति से गायब हो रहे हैं। इसका कारण व्यापक भ्रष्टाचार तथा बेलगाम निर्माण है। शहरी झीलें व दलदली क्षेत्र हमारी परिस्थितिकी का अभिन्न अंग हैं। वे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक भूमिका निभाते हैं क्योंकि वे पेयजल का स्रोत हैं, भूमिगत जल का पुनर्भरण करते हैं तथा आजीविका के साथ ही जैव-विविधता बनाए रखने में सहायक हैं। लेकिन देश की जनसंख्या में लगातार वृद्धि, भ्रष्ट प्रशासकों तथा निर्माण माफिया के कारण इन जल भंडारों का जीवन संकट में पड़ गया है। दुनिया भर में दलदली भूमियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्था 'वेटलैंड्स इंटरनेशनल' द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार, पिछले 30 साल में भारत में हर पांच वेटलैंड में से दो नष्ट हो गए हैं और बाकी वेटलैंड जल भंडारों में क्षमता का केवल 40 प्रतिशत जल है जिससे वे जल की गुणवत्ता नष्ट होने के कारण जलीय जीवों के उपयुक्त नहीं रह गए हैं।

विडंबना है कि देश की आर्थिक प्रगति होने के साथ ही भारत में शहरों, ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बेलगाम निर्माण तथा खेती और आवास के लिए जल भंडारों को लगातार नष्ट किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां तालाब जनजीवन का अभिन्न अंग होने के साथ ही अनेक लोगों की आजीविका का साधन होते थे, पर अब वे लगभग विलुप्त हो रहे हैं। तालाबों के नष्ट होने के कारण अधिकांश गांवों में जल-चक्र असंतुलित हो गया है जिसका प्रभाव अनेक प्रकार से दिखाई देता है।

भारत के इन जल भंडारों की लूट रातोंरात होने के बजाय काफी समय में हुई है। इस मामले में बैंगलुरू का उदाहरण दिया जा सकता है। 18वीं शताब्दी के अंत में गवर्नर जनरल लार्ड कार्नवालिस द्वारा कराए एक ब्रिटिश खोज से पता चला था कि मद्रास और श्रीरंगपटना के बीच वैकल्पिक मार्ग बैंगलुरू के कारण संभव नहीं हुआ था जो झीलों और जल भंडारों से भरा था। इस खोज का नेतृत्व करने वाले कैप्टेन ने इसके बाद अपनी रिपोर्ट में इसे 'हजार झीलों वाली भूमि' बताया था। लेकिन आज बैंगलुरू अपने स्वर्णिम अतीत की धुंधली छाया भर रह गया है। 1960 में बैंगलुरू में 262 झीलें थीं, पर आज उनमें से केवल 10 में ही पानी है।

जनसंख्या बढ़ने और जल का उपयोग बढ़ने के कारण आज शहर में जल भंडार सिकुड़ रहे हैं। शहर और राज्य के स्तर पर भी झीलें और जल भंडार खतरनाक गति से गायब हो रहे हैं। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में 2021 और 2022 के बीच केवल एक साल में 13,000 जल भंडार समाप्त हो गए हैं।

भारत में हर शहर की लगभग यही स्थिति है। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद में 2001 में 137 झीलें थीं, पर हालिया रिपोर्ट के अनुसार निर्माण के कारण अब उनमें से केवल 65 बची हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी जल भंडार नष्ट हुए हैं। दिल्ली सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के आधिकारिक जल भंडारों में से 49.1 का अब कोई अस्तित्व नहीं है। वे या तो 'गायब' हैं या उन पर कब्जा कर लिया गया है। पूरे देश में कमोबेश यही निराशाजनक स्थिति है। लेकिन हाल में राज्य सरकार ने इस स्थिति पर गौर कर कार्रवाई शुरू की है। तेलंगाना राज्य सरकार की 'हैदराबाद डिजास्टर रिस्पांस एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी'-हाइड्रा ने हैदराबाद तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में कब्जा किए जल भंडारों को मुक्त कराने का अभियान छेड़ा जो राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में स्थान प्राप्त कर सका। इस वर्ष जुलाई में गठित हाइड्रा टीम की अध्यक्षता एक आईपीएस अधिकारी कर रहे हैं।

उनको राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट आदेश किदया है कि शहर के जल भंडारों को अवैध कब्जों और निर्माणों से मुक्त कराया जाए। हाइड्रा ने 'फुल टैंक लेविल'-एफटीएल को मानक बनाया है। इसके अनुसार एफटीएल के आधार पर 30 मीटर के क्षेत्र में किसी निर्माण या कब्जे को गिरा दिया जाना है।

इस हाइड्रा एजेंसी को कामकाज की पूरी स्वतंत्रता दी गई है और वह राजनीतिक दबावों से पूरी तरह मुक्त होकर पूर्ण असहिष्णुता के साथ काम कर रही है। इसने शहर के प्रमुख राजनेताओं व बिजनेसमैनों के अवैध निर्माणों को भी ध्वस्त किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के भाई को भी विध्वंस करने की नोटिस दी गई थी। इस अभियान को पूरी दृढ़ता के साथ बिना किसी दबाव के चलाया गया और वह जल भंडारों, सरकारी जमीनों, शहरी नहरों तथा पार्कों से शहर के 23 स्थानों से 262 अवैध कब्जे हटाने में सफल रहा। इससे अब तक 112.72 एकड़ जमीन वापस प्राप्त की जा सकी है। राज्य सरकार ने यह आदेश भी दिया है कि झीलों के निकट कोई निर्माण करने के पहले हाइड्रा से एनओसी लेना जरूरी हो गया है। हाइड्रा की कार्रवाई से न केवल तेलंगाना, बल्कि पूरे भारत में पर्यावरणविदों में विश्वास की भावना पैदा हुई है। इसे पर्यावरण संरक्षण तथा जल भंडारों की रक्षा के लिए खास प्रशासनिक अध्ययन की तरह देखा जा रहा है। लेकिन जैसा हर पहल के साथ होता है, हाल ही में तेलंगाना सरकार द्वारा की जा रही इस असाधारण पहल की व्यापक आलोचना हो रही है। गरीबों तथा घरों के कर्ज की अदायगी करने वालों के घर नष्ट होने के कारण इसे अमानवीय बताया जा रहा है। इस स्थिति के कारण राज्य सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है कि उन घरों को नष्ट नहीं किया जाएगा जिनमें लोग रह रहे हों।

हाइड्रा की पहल एक उदाहरण तथा पूरे देश के लिए आह्वान है कि वह अपने जल भंडारों की सुरक्षा तथा उनकी बहाली के लिए काम करे। संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा नीति आयोग की रिपोर्टों को देखते हुए स्पष्ट है कि पानी की मांग उपलब्ध सप्लाई से दूनी हो जाएगी। इसके कारण वर्ष 2030 तक भारत की 40 प्रतिशत जनसंख्या को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पाएगा। निराशाजनक और सूखे भविष्य से बचने के लिए केन्द्र सरकार को राज्य सरकारों तथा स्थानीय पर्यावरण समूहों के साथ सहयोग कर हर राज्य में एक 'वेटलैंड टास्क फोर्स' का गठन करना चाहिए। राज्य-विशिष्ट टास्क फोर्स को स्पष्ट आदेश मिलना चाहिए कि वह अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले हर जल भंडार को सारे कब्जे हटा कर बहाल करे, अवैध निर्माणों को ध्वस्त करे तथा भूमि प्रयोग में परिवर्तन को रोके।

टास्क फोर्स को नियम लागू कराने के साथ ऐसी सक्षमकारी भूमिका भी अदा करनी चाहिए जिसका उद्देश्य अपने क्षेत्राधिकार की सभी दलदली भूमियों व जल भंडारों को भरना और पुनर्जीवित करना हो। उदाहरण के लिए, टास्क फोर्स शहरी परिवारों और बिजनेसों को अपने परिसरों में वर्षाजल संरक्षण व्यवहार अपनाने को प्रेरित कर सकती है। इस प्रकार संरक्षित जल भूमिगत जल का स्तर सुधारने तथा जल स्रोतों को समृद्ध करने का काम कर सकता है। इसके साथ ही सरकार टास्क फोर्स को शहरी क्षेत्रों में बोरवेल नियंत्रित करने को भी कह सकती है। महानगरीय क्षेत्रों में बेलगाम और अनियंत्रित ढंग से पानी निकालने के कारण भूमिगत जल सूख रहा है। टास्क फोर्स बोरवेल बनाने के पहले पूर्व अनुमति अनिवार्य बना कर भूमिगत जल भंडारों को सुरक्षित कर सकती है।

इसके साथ ही टास्क फोर्स टीम यह सुनिश्चित करने के लिए पानी के मीटर लगा सकती है कि जल का प्रयोग और उसकी गुणवत्ता मापी जा सके। वर्तमान समय में इस बात के अनेक उदाहरण हैं कि राजनीतिक संपर्कों वाले स्थानीय नेता उनको संरक्षण करने के नाम पर झीलों और जल भंडारों को 'गोद लेते' हैं और धीरे-धीरे उन पर कब्जा कर लेते हैं।

इसके बाद बिल्डर माफिया से मिलीभगत कर निर्माण किया जाता है और इस संपत्ति को मासूम नागरिकों को बेच दिया जाता है। वेटलैंड टास्क फोर्स इस दुष्चक्र को रोक सकती है तथा यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है कि संरक्षण के नाम पर झीलों व जल भंडारों का प्रबंधन करने वाला कोई व्यक्ति या वाणिजियक कंपनी इसका दुरुपयोग न कर सके। जल भंडार भारत की जीवनरेखा हैं। इसे देखते हुए समाप्त हो गए जल भंडारों और झीलों को पुनर्जीवित करना तथा बचे हुए भंडारों और झीलों की सुरक्षा करना देश के भविष्य के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। केवल ऐसी कठोर, निष्पक्ष तथा त्वरित कार्रवाई से ही देश का भविष्य सुनिश्चित हो सकता है कि उसे जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

भारत की अप्रयुक्त समुद्री ऊर्जा क्षमता

> भारत की आठ हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा में प्रतिवर्ष 9.2 लाख ट्रिलियन वाट प्रति घंटा स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

कुमार चेलप्पन
(लेखक दिपायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

8000 किलोमीटर लंबी भारतीय तटरेखा में प्रतिवर्ष 9.2 लाख ट्रिलियन वाट प्रति घंटा बिजली उत्पन्न करने की क्षमता है, जो आज की तारीख में उत्पादित बिजली से कई गुना अधिक है। यह ऐसे समय में है जब भारत ऊर्जा उत्पादन के सभी स्रोतों का उपयोग करके 4.5 लाख मेगावाट बिजली की अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र द्वारा तैयार महासागर ऊर्जा एटलस के अनुसार, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक प्रमुख अनुसंधान और विकास संगठन है, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर देश के ऊर्जा के अक्षयपात्र हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के भीतर स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्र में प्रतिवर्ष 9.2 लाख ट्रिलियन वाट प्रति घंटा की समुद्री ऊर्जा क्षमता है। आईएनसीओआईएस के समूह निदेशक और प्रमुख वैज्ञानिक डॉ टी एम बालकृष्णन नायर ने द पायनियर को बताया, भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब समुद्री ऊर्जा क्षमता का आकलन किया गया है और इस तरह का एक एटलस तैयार किया गया है। अपतटीय नवीकरणीय, अपतटीय सौर, अपतटीय पवन, तरंग, ज्वार, महासागर तापीय ऊर्जा रूपांतरण और लवणता ढाल का एक गुलदस्ता नवीकरणीय ऊर्जा की अब तक अप्रयुक्त क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत का महासागर ऊर्जा एटलस अंतरराष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी के इस निष्कर्ष के बाद जारी किया गया है कि जी-20 देश सामूहिक रूप से कुल नवीकरणीय ऊर्जा का 81 प्रतिशत और लगभग 100 प्रतिशत महासागर ऊर्जा के लिए जिम्मेदार हैं। भारत की अपतटीय पवन ऊर्जा का दोहन नहीं हुआ है, जबकि

डेनमार्क, ब्रिटेन और चीन जैसे देशों ने इस क्षेत्र में विशाल प्रगति की है। डॉ नायर का कहना है कि लवणता ढाल का दोहन करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा बिजली स्टेशन स्थापित करने की व्यापक गुंजाइश है। आईएनसीओआईएस के निदेशक डॉ. टी. श्रीनिवास कुमार ने कहा कि एटलस ऊर्जा क्षेत्र में नीति और निवेश संबंधी निर्णय लेने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में काम करेगा। ऊर्जा उत्पादन के इस रूप में एक महत्वपूर्ण तत्व यह है कि लोगों के मन में भूमि अधिग्रहण, प्रदूषण और अपशिष्टों के निर्वहन के बारे में किसी भी तरह की आशंका नहीं होगी। भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा, यह ऊर्जा का सबसे स्वच्छ रूप है और कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्यमों ने अक्षय ऊर्जा इकाइयां स्थापित करने में अपनी रुचि दिखाई है। आईएनसीओआईएस मछुआरों को संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्रों और मौसम के सटीक पूर्वानुमानों के बारे में जानकारी प्रदान करके देश के ब्लू इकोनॉमी क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। डॉ. श्रीनिवास कुमार और उनकी टीम ने एक अत्याधुनिक सुनामी चेतावनी प्रणाली विकसित की है, जिसके साथ वे हिंद महासागर के किनारे के देशों को सचेत करते हैं। 1999 में अपनी स्थापना के बाद से, इनकाइस अपने प्रमुख कार्यक्रमों जैसे संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र, महासागर की स्थिति का पूर्वानुमान और सुनामी प्रारंभिक चेतावनी सेवाओं के माध्यम से भारत की नीली अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है। इनकाइस इन-सीटू प्लेटफार्मों, उपग्रह सेंसर और मॉडल-सिम्युलेटेड उत्पादों में फैले समुद्र विज्ञान संबंधी डेटा का राष्ट्रीय और क्षेत्रीय भंडार भी रहा है।

ऐसे दीर्घकालिक वैज्ञानिक डेटासेट की उपलब्धता का लाभ उठाते हुए, इनकाइस ने भारतीय तटों से महासागर ऊर्जा क्षमता का अनुमान लगाने की चुनौती ली है और देश में पहली बार एक एटलस तैयार किया है। जिन क्षेत्रों में अच्छी पकड़ है, उनके बारे में हाई-टेक सेंसर के माध्यम से एकत्र किए गए उपग्रह डेटा को मछुआरों तक पहुंचाया जाता है और इससे मछुआरों का काम काफी आसान हो गया है। उन्हें बस इतना करना है कि द्वठ्ठष्थद्बह्य के वैज्ञानिकों द्वारा मछली पकड़ने के क्षेत्रों के रूप में पहचाने पुणे स्थित वर्ल्ड इंस्टीट्यूट ऑफ सस्टेनेबल एनर्जी के महानिदेशक जी एम पिल्लई कहते हैं कि आज की तारीख में, बारिश के पैटर्न में बदलाव के कारण सौर ऊर्जा का उत्पादन उत्साहजनक नहीं है। पिल्लई ने कहा, राजस्थान के रेगिस्तान राजस्थान, पंजाब, गुजरात जैसे राज्यों के लिए बिजलीघर हो सकते थे, लेकिन सौर ऊर्जा की क्षमता कम हो गई है और रेगिस्तान सदाबहार उद्यान बनते जा रहे हैं।

थोरियम आधारित परमाणु रिएक्टर अभी तक शुरू नहीं हुआ है और परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की तस्वीर निराशाजनक है। एक समय था जब कलपक्कम में इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र के पूर्व निदेशकों ने दावा किया था कि भारत फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक में दुनिया का अग्रणी है, यह सब छाती पीटने के रूप में समाप्त हुआ। एकमात्र उम्मीद एकीकृत समुद्री ऊर्जा है

आप की बात

सिंधु संधि की समीक्षा

भारत ने 6 दशक पुरानी सिंधु जल संधि की समीक्षा को बेहद जरूरी बताते हुए पाकिस्तान को अपनी ओर से नोटिस भेजा है। किशनगंगा और रातले जल विद्युत परियोजनाओं के संबंध में अरसे से चल रहे विवाद के मद्देनजर अब यह नोटिस पाकिस्तान को भेजा गया है। भारत का तर्क है कि परिस्थितियों में मौलिक और अप्रत्याशित परिवर्तनों के कारण समझौते की समीक्षा करना बेहद जरूरी है। भारत ने प्रमुख तौर पर तीन चिंताएं व्यक्त की है जिसमें जनसंख्या में परिवर्तन, पर्यावरणीय मुद्दे एवं भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा के विकास में तेजी की जरूरत शामिल है। सीमापार से लगातार जारी आतंकवाद के प्रभाव को भी समीक्षा का कारण बताया गया है इन सब मुद्दों पर भारत में दोनों देशों के बीच जल्द आधिकारिक बातचीत शुरू करने की जरूरत बताई गई है। विडंबना है कि भारतवर्ष आजादी के बाद से ही अपने देश में समुचित ढांचागत संरचना निर्माण न होने के कारण सिंधु जल का अपने हिस्से का पानी भी पाकिस्तान में जाने देता था। मोदी सरकार ने अब नहरों का व्यापक निर्माण कर यह कमी पूरी कर दी है। इससे भारत सिंधु से अपने हिस्से का पानी लेकर जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए समीक्षा की बात कर रहा है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

मायावती का दृष्टिकोण

बसपा सुप्रीमो सुश्री मायावती अपनी राजनीति में आमतौर से देश को प्रथम स्थान पर रखती दिखाई देती हैं। भारत का विपक्ष सरकार के हर निर्णय का विरोध ही करता आया है, चाहे वह निर्णय देशहित में ही क्यों न हो। परन्तु राजनीतिक संकट का सामना करते हुए भी बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी इस राजनीति में बदलाव नही किया और हमेशा तटस्थ व न्यायोचित दृष्टिकोण अपनाया। भारत सरकार लिए देशहित के निर्णयों का मायावती ने समर्थन किया है। हाल ही में भारत सरकार ने एक देश एक चुनाव के बिल को केबिनेट में मंजूरी दी तो पूरा विपक्ष उसके विरोध में आ गया, लेकिन मायावती ने खुलकर इस बिल का समर्थन करते हुए कहा है कि यह कदम देश के हित में है। सेना द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक का सुश्री मायावती ने समर्थन किया था। सुश्री मायावती ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का खुला समर्थन किया था क्योंकि इसके कारण वहां एससी एसटी को आरक्षण समेत अनेक सुविधाओं से वंचित रखा गया था। देश हित के मामलों पर दलगत राजनीति को दूर रखने वाली सुश्री मायावती से विपक्ष को सीखना चाहिए। इस प्रकार मायावती ने स्वयं को बाबा साहेब अंबेडकर की ईमानदार अनुयायी सिद्ध किया है।

– **ललित शंकर,** गाजियाबाद

हॉकी टीम की विजय

भारतीय हॉकी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एशिया चैंपियन हॉकी खिताब के लिए फाइनल में चीन को हराकर भारत को एशिया हॉकी का सिरमौर बना दिया है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। भारतीय हॉकी टीम एवं टीम के कप्तान सरपंच हरमनप्रीत सिंह ने सभी भारतवासियों का दिल जीत लिया है। इस शानदार उपलब्धि के पीछे खिलाड़ियों की एकजुटता और उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन है जिसने पांचवीं बार भारत को यह खिताब दिलाया है। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दिग्गज भारतीय गोलकीपर श्रीजेश के बिना जीत दर्ज की है। भारत इस पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा है। इस टूर्नामेंट के लीग मैच में भारत ने चीन को 3-0, जापान को 5-1, मलेशिया को 8-1 और पाकिस्तान को 2.1 से हराया था। साउथ कोरिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत ने 4-1 से शानदार जीत हासिल की थी। भारतीय हॉकी टीम की उपलब्धि इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने ब्रोंज मेडल जीता था। भारत में हाकी समेत सभी खेलों को और बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि देश 2036 में देश में ओलम्पिक प्रतियोगिता आयोजित करने का सच्चा दावेदार सिद्ध हो सके।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

अफगान महिलायें

तालिबान ने अफगानिस्तान हथियाने के बाद से ही महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ व्यापक पाबंदियां लागू कर दी थी। इसके बावजूद जो थोड़े बहुत क्षेत्र महिलाओं के सांस लेने के लिए छोड़े गए थे, वहां भी अब पाबंदियां लगा दी गई हैं। इससे अफगान महिलाओं और लड़कियों की स्थिति गुलामों जैसी बना दी गई है। मगर आश्चर्य है कि स्वयं को मानवाधिकारों व महिला अधिकारों का संरक्षक बताने वाले अमेरिका और यूरोपीय देश तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाएं दूर खड़े होकर तमाशा देख रही है। अफगान महिलाओं को नारकीय जीवन से मुक्ति दिलाने के लिए तालिबान पर दबाव डाला जाना जरूरी है। मगर दुनिया के अधिकांश देश अपने फायदे के सौदे तालिबान के साथ कर रहे हैं। तालिबान ने सरकार बनाने के बाद महिलाओं और लड़कियों को इस्लामी कानून-कायदों के अंतर्गत अधिकार देने का वादा किया था, लेकिन आज किसी भी अन्य इस्लामी देश की तुलना में अफगान महिलायें और लड़कियां गुलामी की शिकार हैं। विडंबना है कि इस पर इस्लामी देश तथा मुस्लिम संगठन खामोश हैं।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

घनघटा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी ने किया दौरा

संवाददाता। संतकबीरनगर

प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद की प्रभारी मंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी गौतम ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत तहसील धनघटा क्षेत्र में बाढ़ स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंत्री द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय बगही में आयोजित कार्यक्रम में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, जिलाध्यक्ष भाजपा जगदंबा लाल श्रीवास्तव, जिला प्रभारी भाजपा अजय सिंह गौतम, अपर जिलाधिकारी जयप्रकाश उपस्थित रहे।

मंत्री ने तहसील धनघटा के बाढ़ प्रभावित ग्रामों में आपदा राहत की कार्यवाही एवं बाढ़ पीड़ितों के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का जायजा लेते हुए बाढ़ पीड़ितों में राहत सामग्री का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि तहसील धनघटा के कुल 20 ग्राम (छापामगर्मी का कुर्मियान टोला, पहलवान की कुटी, चपरापूर्वी का पटौहा टोला, आगापुर उर्फ गुलरिहा, सियरकला खरगपुर, गायघाट ढोलबजा, चकदहा, भौवापार, करनपुर, कंचनपुर, सियाराम अधीनसिंह, धमचिया, गुनवतिया, सरैया, सुअरहा इत्यादि ग्राम) वर्तमान में घाघरा नदी में जल स्तर अचानक बढ़ जाने के कारण बाढ़ से प्रभावित हैं। मंत्री द्वारा उक्त ग्रामों में बाढ़ प्रभावित लगभग 2100 परिवारों में से आज लगभग 100 परिवारों को बाढ़ राहत सामग्री किट का वितरण किया गया, शेष परिवारों को प्रशासन के माध्यम से बाढ़ राहत सामग्री किट का वितरण किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित परिवारों में सामग्री वितरण हेतु आज का यह कार्यकम उच्च प्राथमिक विद्यालय बगही में आयोजित किया गया।

नगर पंचायत मगहर में स्वच्छता पखवाड़े के लिए बनी कार्ययोजना

संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय से सटे नगर पंचायत मगहर में बृहस्पतिवार को विशेष स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अध्यक्षा अनवरी बेगम ने सदस्यगणो एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस अभियान के माध्यम से नगर पंचायत को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये जाने का संकल्प लिया गया। विशेष स्वच्छता अभियान गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सभी वार्डो में चलेगा। ई0ओ0 वैभव सिंह उक्त कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाकर सभी को जिम्मेदारी दी है। इस कार्यक्रम में अध्यक्षा अनवरी बेगम ने मगहर नगरवासियों से अपील के साथ अपेक्षा किया है कि यह पखवाड़ा स्वच्छता अभियान है लेकिन स्वच्छता अपनाये और बीमारियों से दूर रहे। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत मगहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये जाने के लिए संकल्पित है। नगरवासी इसमें अपना भी सुझाव कार्य दिवस में कार्यालय पर दे सकते है। इस कार्य योजना में स्कूलो में शपथ दिलाई गई और एक चैन बनाया गया जिसके माध्यम से अभियान को और गति दी जायेगी। स्वच्छता शपथ में अध्यक्ष प्रतिनिधि नूरूज्जमा अंसारी, ई0ओ0 वैभव सिंह, सभासद अवधेश सिंह, सभासद अतुल श्रीवास्तव, सभासद प्रतिनिधि सुहेल अख्तर आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में जनपद की रैंकिंग पिछड़ी तो होगी कड़ी कार्रवाई: जिलाधिकारी

- सीएम डैशबोर्ड विकास योजनाओं की डीएम नेहा शर्मा ने की समीक्षा

संवाददाता। गोंडा

बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही विकास योजनाओं की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने उद्यान विभाग, नेडा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण, प्रोबेशन विभाग, पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, खादी ग्रामोद्योग, उद्योग विभाग, लोक निर्माण विभाग, मत्स्य पालन, श्रम विभाग, पशुपालन विभाग, सेतु निगम, ग्राम्य विकास विभाग आदि की समीक्षा की। खराब रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार लाने की हिदायत दी।

डीएम ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा है कि निरंतर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहें और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें। कहा कि संबंधित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें। मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को डाटा प्रस्तुत किया जाता है, डाटा फीड करते समय कोई भी फर्जीवाड़ा न किया जाय।

बैठक में डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को कड़े निर्देश दिये हैं कि इस माह में यदि लक्ष्य के सापेक्ष गौ-संरक्षण नहीं हुआ तो पशुपालन विभाग के अधिकारियों का वेतन अवरुद्ध कर दिया जायेगा।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, प्रभागीय वनाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, डीपीआरओ, दुग्ध उत्पादन अधिकारी आरबी सिंह, डीसी मनरेगा, सेतु निगम, बीएसए, समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, एक्सईएएन सीडी-2, सहायक श्रमायुक्त, एक्सईएएन नलकूप, विद्युत विभाग, डीडी एजी, जिला कृषि अधिकारी, सहित सभी संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संजय गांधी अस्पताल में अब होगी कैंसर रोगियों की कीमोथेरेपी

अमेठी। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है। लगातार अस्पताल में बढ़ रही सुविधाओं के चलते आसपास के मरीजों के साथ ही जिले के लोगों को सुविधा मिल रही है। कैंसर यूनिट की स्थापना एवं कीमोथेरेपी से इलाज शुरू होने के बाद मरीज को बड़ी राहत मिली है अस्पताल में किमो थेरेपी शुरू होने के बाद अब मरीजों को बड़े शहरों का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। उन्हें अब अपने जिले में ही सुविधा मिल गई है। संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट के प्रशासक मनोज मुद्गु की ओर से सेवा ही सबसे बड़ी श्रद्धा की सोच के साथ अमेठी की जनता एवं अन्य जनपदों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर लगातार कवायत की जा रही है। संजय गांधी अस्पताल में इस समय जहां 600 यूनिट की ब्लड कंपोनेंट यूनिट संचालित हो रही है वहीं हृदय रोग यूनिट एवं कैंसर यूनिट का संचालन होने से जिले के साथ ही अन्य जनपदों की मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया हो पा रही हैं।

गौरतलब हो कि लखनऊ वाराणसी प्रयागराज में ही कैंसर के उपचार को सुविधा थी अस्पताल की ओर से जिले के साथ ही अन्य जनपदों मरीजों की परेशानी को देखते हुए अस्पताल में कैंसर यूनिट की स्थापना के लिए मुहिम शुरू की गई।

जन चौपाल में अधिकारियों ने जनता से किया संवाद

संवाददाता। उरई, जालौन

गुरुवार को ग्राम पंचायत रवा विकासखंड नदीगांव में सरकार आपके द्वार गांव की समस्या गांव में समाधान के तहत जन चौपाल लगाकर जन समस्याएं सुनी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर ग्राम पंचायत में हुए कार्यों का सत्यापन किया। गांव में हैंडपंप, नाली, खड़ंजा, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, महिला सम्मान, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण आदि व्यवस्थाओं के बारे में ग्रामीणों से जानकारी ली।

विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने जन चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार चाहती है कि गांव की शिकायत का समाधान गांव में ही हो ताकि आम व्यक्तियों को परेशान हो इधर-उधर न भटकना पड़े।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का बिना किसी भेदभाव के सभी पात्रों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने ग्राम के समग्र विकास अंत्योदय के लक्ष्य प्राप्ति हेतु योजनाओं पर अधिक ध्यान देने के लिए निर्देशित किया।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि आप द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, नारी सशक्तिकरण, साफ सफाई, पानी निकासी आदि बिंदुओं पर शिकायत व सुझाव प्राप्त हुए हैं, उसके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। आज सभी अधिकारी मौके पर ही जन समस्याओं व शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर समाधान कर रहे है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम वासियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की सुरक्षा और हर समस्या का हर संभव निदान किया जाएगा। केंद्र राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह के बृहस्पतिवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यो, निर्माण परियोजनाओं का निरीक्षण किया जाता है, जिसमे देखा जाता है कि सरकारी योजनाओं, परियोजनाओं का स्वरूप क्या है। जिससे जल्द से जल्द जनकल्याणकारी योजनाओं व परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा सके।

आज यहां पर आने के बाद लोगों की समस्याओं व दूर-दराज से आये हुए प्रधान सगंठनों की समस्याओं व सुझाव प्राप्त हुए। उन्होंने बजट की समस्या को लेकर के जिला विकास अधिकारी से कहा कि यह सुनिश्चित कराए कि उपभोग प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए जिससें धनराशि के समय से प्राप्त होने में कोई परेशानी न हो। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों से कहा कि आप अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में गो संरक्षण केंद्रों की और गोवंशों की देखभाल अच्छे से करें।

विकास कार्य गुणवत्तापरक और पारदर्शी तरीके से कार्य कराए, आपकी जो भी शिकायते है उसका गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के तहत पात्र लाभार्थियों की सूची बनाई जाएगी और ग्राम पंचायतों पर चस्पा भी की जाएगी जिसमे पात्र लाभार्थी अपना नाम देख सकते है, अगर सूची में कोई भी आपत्ति होती है तो लिखित तौर पर आपत्ति दर्ज करायें। जिसका निराकरण करने के उपरान्त ही अंतिम सूची होगी।

क्विक न्यूज

प्रो. मंशाराम वर्मा अध्यक्ष पद के प्रत्याशी घोषित

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा में आम सभा की बैठक संपन्न हुई। जिसमें प्रो. मंशाराम वर्मा को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ अयोध्या के निर्वाचन में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद का प्रत्याशी घोषित किया गया। आमसभा में बैठक का मुख्य एजेंडा डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के शीघ्र होने वाले अधिवेशन/चुनाव में अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी प्रो. मंशाराम वर्मा को महाविद्यालय शिक्षक संघ इकाई परिवार की ओर से अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाए जाने, शिक्षक कल्याण कोष, एवं 20 सितंबर 2024 को महाविद्यालय मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन का रहा। आमसभा की बैठक में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों तथा आम सभा के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग, मत, समर्थन एवं अध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त हेतु आशीर्वाद दिया।

रेलवे ट्रैक अवरोध, पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने को लेकर डीएम व एसपी ने की बैठक

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने आज संयुक्त रूप से कलेक्ट्रेट सभागार में रेलवे ट्रैक अवरोध/पत्थरबाजी रन ओवर आदि की घटनाओं को रोकने तथा उन पर त्वरित कार्यवाही को लेकर स्टेशन अधीक्षक, जीआरपी, आरपीएफ के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में डीएम व एसपी ने कहा कि रेलवे से संबंधित कोई भी दुर्घटना की स्थिति हो तो तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें साथ ही अपने संबंधित एसडीएम, सीओ, थानाध्यक्ष, सीएचसी इत्यादि का मोबाइल नंबर अपने पास रखें जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित को सूचित कर राहत व बचाव कार्य किया जा सके। उन्होंने रेलवे के अधिकारियों से रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ने वाले गांवों की सूची उपलब्ध कराने को कहा जिससे ट्रैक के किनारे पड़ने वाले गांवों में बैठकें आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिए की रेलवे ट्रैक का नियमित निरीक्षण/परीक्षण करते रहें। रेलवे ट्रैक अवरोध/पत्थर बाजी की घटना की सूचना तत्काल संबंधित थाना को दें जिससे पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की जा सके जिससे इस प्रकार की घटनाओं पर नियंत्रण हो सके।

विधायक ने आधा दर्जन बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को किया राशन सामग्री का वितरण

संवाददाता। रामपुरा, जालौन

पहूज नदी में आयी बाढ़ से प्रभावित गांवों में जाकर पीड़ितों से संपर्क करते हुए क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र सिंह निरंजन ने जल प्रलय का प्रत्यक्ष नजारा देख बाढ़ से प्रभावित लोगों का दुख दर्द साझा करते हुए राशन सामग्री किट का वितरण किया।

माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक मूलचंद्र सिंह निरंजन ने विकासखंड रामपुरा के नदिया पार के गांव हुकुमपुरा, सुल्तानपुरा, जखेता बिलौड़ एवं नरौल की खोड़ पहुंचकर गत दिनों पहूज नदी में आई भीषण बाढ़ से हुई तबाही का मंजर देखा व मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी माधौगढ़ सुरेश कुमार पाल से फसलों एवं क्षतिग्रस्त हुए मकानों के नुकसान का सर्वे कराने एवं पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए शीघ्र कार्रवाई करने को कहा। इस अवसर पर गांव-गांव शिविर लगाकर बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री किट आटा, दाल, चावल, तेल, मसाला, आलू आदि जरूरत की सामग्री का वितरण किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री निरंजन ने कहा कि प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ को जनपद जालौन व रामपुरा क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी एवं चिंता है। सरकार हर स्थिति में आप लोगों के साथ खड़ी है, उन्होंने कहा किसी गरीब कमजोर व जरूरतमंद को भूख अथवा अन्य किसी विपत्ति का सामना कदापि नहीं करने दिया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि महेश प्रताप सिंह राजावत, ज्योतिष सिंह जिला मंत्री भाजपा, महेश सिंह चौहान पूर्व प्रधान हुकमपुरा, संतोष प्रजापति, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक एवं स्थानीय लेखपाल तथा अनेक कर्मचारी व क्षेत्रीय प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे।

बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 सितंबर से

रायबरेली। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार ने बताया है कि 30 सितम्बर 2024 से 4 अक्टूबर 2024 तक आधुनिक बकरी पालन एवं प्रबन्धन पर दुवासु विश्वविद्यालय के बकरी दुग्ध प्रक्षेत्र एवं अनुसंधान केन्द्र मथुरा उत्तर प्रदेश द्वारा पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यदि बकरी पालन हेतु इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है तो 22 सितम्बर 2024 तक विश्व विद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क रू 5000.00 जमा कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण के सम्बन्ध में अधिक जानकारी हेतु दीपेन्द्र, असिस्टेंट प्रोफेसर दुआसू विश्वविद्यालय से फोन नम्बर 8800523799 पर सम्पर्क कर सकते है। विश्वविद्यालय में रहने की व्यवस्था उपलब्धता के आधार पर रहेगी, जिसका भुगतान अलग से देय होगा। यह प्रशिक्षण एन.एल.एम. योजनान्र्तगत बकरी पालन के लाभार्थियों हेतु उपयोगी होगा।

डिजिटल रिकॉर्ड में रहेंगी फाइलें गुम होने का झंझट खत्मः डीएम

- ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने पर कर्मचारी व अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी

उरई, जालौन। जिलाधिकारी, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास प्राधिकरण उरई में ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारम्भ किया, डिजिटल रिकॉर्ड में रहेंगी फाइलें, गुम होने का झंझट होगा खत्म। ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने पर कर्मचारी व अधिकारियों की जवाब देगी तय होगी। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरण उरई में ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से कर्मचारियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस सिस्टम लागू होने से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आने के साथ ही लंबित फाइलों पर कर्मचारियों की जवाब देही तय होगी। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस उत्तर प्रदेश शासन का एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है, जो एनआईसी के सॉफ्टवेयर पर कार्य करता है, इस प्रणाली में पारंपरिक फाइलिंग प्रणाली की तुलना में अतिरिक्त लाभ है।

ई-ऑफिस को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कार्यालय को पेपर लेस बनाते हुए शासकीय कार्यों को गति प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस में अगर कोई फाइल आती है, तो उसका नोटिफिकेशन संबंधित को मिल जाता है समय के अंतर्गत उस फाइल का निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक किया जाता है। इस अवसर पर विकास प्राधिकरण सचिव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह, सहायक अभियंता कमलेश कुमार, अवर अभियंता सुधीर कुमार, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर पुष्पेंद्र सिंह, आदि सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने निर्माणाधीन सीएचसी का किया निरीक्षण

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चन्दापुर, महाराज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति जानी। कार्यदायी संस्था उ0प्र0 निर्माण निगम लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी को बताया कि निर्माण कार्य लगभग 80 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य निर्धारित समय अवधि में करा लिया जाएगा।

टोल प्लाजा में अवैध वसूली को लेकर टैक्सी चालकों में आक्रोश

लालगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड पर ऐहार गांव स्थित टॉल बूथ पर अवैध वसूली को लेकर टैक्सी चालकों आक्रोश व्याप्त है। चालकों ने वसूली को लेकर विरोध व्यक्त किया। उन्होंने उचित टैक्स लिए जाने की शासन से मांग की है। बीते दिनों टॉल कर्मचारियों ने एक टैक्सी चालक पर टोल न देने का आरोप लगाते हुए उससे मारपीट की। आरोप है कि टोल कर्मियों ने उसके वाहन का शीशा तोड़ दिया। वाहन पर बैठी सवारियों से भी अभद्रता की। जिससे पीड़ित चालक बउवा की तहरीर पुलिस ने आरोपी टॉल कर्मियों पर मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की थी। जिसके बाद टोल प्रबंधन की ओर से टैक्सी चालकों से प्रति चक्कर 120 रुपए अथवा वाहनों पर फास्ट टैग लगवाने का दबाव बनाया जा रहा है। जिससे टैक्सी चालकों में आक्रोश व्याप्त है। टैक्सी चालकों का कहना है कि वे अभी तक उनसे प्रति चक्कर सत्तर रुपए टॉल टैक्स के रूप में लिए जा रहे थे। अब उनसे 120 रुपए प्रति चक्कर मांगे जा रहे हैं।

चोरों ने पंचायत भवन के कक्ष से दस्तावेज व सामान पार किया

ऊंचाहार। बेखौफ चोरों ने पंचायत भवन के कमरे का ताला तोड़कर लाखों कीमत का सामान व जरूरी दस्तावेज पार कर दिया, सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है, ग्राम प्रधान ने कोतवाली में मामले की तहरीर दी है। मामला क्षेत्र के सवैयाराजे ग्राम पंचायत का है,जहां बुधवार की मध्यरात्रि पूरे चाँदन गांव में बने पंचायत भवन के कमरे का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोलर पैनल,इनवर्टर व बैटरी, सीसीटीवी डीवीआर, कम्प्यूटर, प्रिंटर ,कुर्सी व जरूरी दस्तावेज पार कर दिये, गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने प्रधान पति चंद्रिका वर्मा को घटना की जानकारी दी। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है, जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा।

दमदमा, रामचबूतरा परिषदीय विद्यालय में मिड डे मील का चूल्हा सप्ताह भर से ठंडा

- आपदा में अवसर खोजने से नहीं चूक रहे परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक

संवाददाता। कालपी, जालौन

नगर के मुहल्ला नई बस्ती स्थित दो परिषदीय विद्यालयों में विगत कई दिनों से मिडडे मील बन्द है। इसकी पुष्टि उक्त विद्यालय के छात्र छात्राओं ने भी की है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस मामले पर मौन है।

विदित हो कि शासन ने परिषदीय विद्यालयो में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के लिए मिडडे मील की शुरुआत काफी पहले की थी जिसमें इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को हर दिन बदलकर पौष्टिक आहार दिया जाता है जिसके चलते इन विद्यालय में पढने वाले छात्र छात्राओं को टिफिन भी नहीं लाने पड़ता है लेकिन निगहबानी के अभाव में यह योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है आलम यह है कि नगर के मुहल्ला नई बस्ती में संचालित कन्या प्राथमिक

विद्यालय दमदमा और प्राथमिक विद्यालय रामचबूतरा में कई दिनों से मिडडे मील बन्द है।

गुरुवार को इस मामले की पुष्टि विद्यालय के छात्र छात्राओं ने करते हुए कहा कि लगभग 8 दिनों से यहा का चूल्हा ठंडा पड़ा है इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को भूखा ही जाना पडा है। इस संबंध में जब विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक खालिद अन्सारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आज गैस सिलेंडर का रेगुलेटर खराब हो गया है उन्होंने कई दिनों से मिडडे मील बन्द होने की बात को नकार दिया है। वही इस मामले में खण्ड शिक्षा अधिकारी सुनील राजपूत से जानकारी चाही गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया है।

मूसलाधार बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद

जालौन, उरई। पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के चलते खेतों में पानी भरा। किसानों ने बताया कि बारिश में उनकी फसलें नष्ट होने से आर्थिक नुकसान हुआ है। किसानों ने आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। पिछले दिनों हुई झमाझम बारिश के चलते किसान व आम आदमी कराह उठे हैं। इस महीने में अब तक दो बार झमाझम बारिश हो चुकी है। जिससे आम आदमी तो परेशान हुए ही हैं। वहीं अतिवृष्टि से किसान सबसे अधिक परेशान हैं। किसान श्यामू लौना, विजय कुमार, आनंद सिंह आदि ने बताया कि खरीफकी फसल में किसानों ने खेत मे तिल, मूंग, उर्द आदि की फसल बोई थी। लेकिन इस माह हुई दो बार की मूसलाधार बारिश ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया है। खेत लबालब भर चुके हैं। जहां खेत ढालू है उनमें कुछ उम्मीद बची हुई है कि वहां फसल का कुछ हिस्सा बच जाए। बाकी आधे से अधिक किसानों की फसल खेत भरने से नष्ट हो चुकी है।

उमस के चलते पेट दर्द और उल्टी-दस्त के मरीजों की बढ़ रही है संख्या

शुकुल बाजार, अमेठी। उमसभरी गर्मी बढ़ने के साथ अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में सबसे ज्यादा मरीज पेट की समस्या को लेकर पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों ने मरीजों से लगातार तरल पदार्थ लेने की सलाह दी है। बरसात के बाद उमस भरी गर्मी से जिला अस्पताल समेत सभी सीएचसी व पीएचसी में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। पेट की समस्या से लोग जूझने लगे हैं। गुरुवार को बाजार शुकुल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी 314 रही। डॉ राजेंद्र सोनी ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) से परेशानी बढ़ी है। ओपीडी में हर दिन 40-50 मरीज ऐसे ही आ रहे हैं। ऐसे मरीजों में डिहाइड्रेशन की वजह से हाथ-पैर में ऐंठन व दर्द की परेशानी है। आरबीएसके की चिकित्सक डॉक्टर विनीत ने बताया कि कभी धूप कभी बादल होने पर थोड़ी भी लापरवाही स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। ऐसे में मौसम में पाचन शक्ति भी कम हो जाती है। तबीयत खराब होने पर तत्काल विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह पर दवा लेनी चाहिए। डा0 सुधीर वर्मा ने अस्पताल में बुखार, उल्टी, दस्त के मरीज बढ़े हैं। इस मौसम में सभी को सजग रहने की जरूरत है। अस्पताल में इलाज व दवा की सुविधा है। मरीजों का बेहतर उपचार किया जा रहा है।

सांसद की अध्यक्षता में जिला विद्युत समिति की बैठक

अमेठी। आज कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद की अध्यक्षता में जिला विद्युत समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, विधायक जगदीशपुर सुरेश पासी, जिलाधिकारी निशा अनंत सहित विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम सांसद ने आइजीआरएस पोर्टल व 1912 पर विद्युत विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा किया तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विद्युत विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर सभी कार्यों को ससमय पूर्ण कराने के निर्देश दिये।

पानी निकासी के लिये बनी तीनों पुलियों को खुलवाने की एसडीएम से मांग

संवाददाता। जालौन, उरई

लगातार हो रही बारिश के बाद पानी की निकासी न होने के कारण गांव के आसपास जलभराव हैं। खेतों में जलभराव होने के कारण खेतों में खड़ी फसल खराब हो रही है तथा कच्चे मकानों के गिरना शुरू हो गया है। ग्राम कैंथ व गिधौसा के ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर पानी की निकासी के लिए बनी बंद पुलिया खुलवाने की मांग की है।

विकास खंड के ग्राम कैंथ, गिधौसा के ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी विनय मोर्य को प्रत्यावेदन दिया है। ग्राम गिधौसा के ग्रामीणों ने बताया कि गांव के आसपास चारों ओर जलभराव है। गांव के आसपास खेतों में जमा पानी की निकासी के लिए 3 पुलिया बनी हुई है। तीनों पुलिया को ग्राम कैंथ के लोगों ने बंद कर रखा है। पुलिया बंद होने के कारण पानी की निकासी बंद है। पानी निकासी न होने के कारण खेतों में खड़ी फसल खराब हो रही है तथा कच्चे मकानों में नमी पहुंच रही है। अगर पानी की निकासी नहीं हुई तो फसल सड़ जायेगी तथा कच्चे मकान गिरने लगेगें जिससे आर्थिक नुकसान होगा। ग्राम कैंथ के ग्रामीणों ने एसडीएम को मांग पत्र देकर कहा है कि कैंथ देवरी लिंक रोड पर पानी की निकासी के लिए पुलिया बनी हुई है।

कुछ लोगों ने पुलिया को बंद कर दिया है। पुलिया बंद होने के कारण गांव के पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। पानी निकासी न होने के कारण खेतों में खड़ी फसल खराब हो रही है तथा कच्चे मकानों में नमी पहुंचने के कारण गिरने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने बंद पुलिया को खुलवाने की मांग की है।

इस मौके पर पवन रजक, रमाकांत वर्मा, भगवान दीन, उमाशंकर, राहुल सिंह, अरविन्द मूलचरन, अनिल, रामशरण, अशोक, अंकित, नरेंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग शिविर का फीता काटकर किया शुभारंभ

संवाददाता। फर्रुखाबाद

एस एन साध ट्रस्ट के बैनर तले दिव्यांग शिविर का शुभारंभ जिलाधिकारी बी के सिंह ने फीता काटकर किया। सेवा केंद्र एन ए के पी डिग्री के निकट शुभारंभ के बाद डीएम बी के सिंह ने कहा कि राकेश एवम् चमकेश साध दिव्यांग शिविर के माध्यम से गरीबों की सेवा कर रहे हैं। दिव्यांगों को सैकड़ो की संख्या में उपकरण दिए जा रहे हैं, पैर के अलावा हाथ भी बनाकर दिव्यांगो को लगाए जा रहे हैं। प्रथम बार मैने देखा गरीब मरीजों की सेवा लगातार इस ट्रस्ट के माध्यम से की जा रही है। जिलाधिकारी ने कैंप का बारीकी से निरीक्षण किया।

प्रथम दिन दिव्यांगो को 25 रिक्शा,10 व्हील चेयर,60 कान की मशीन,20 स्टिक प्रदान की गई। इसके अलावा दिव्यांगो को दवाइयां एवम् प्रोटीन पाउडर भी दी गई। डा. शिखर सक्सेना ने नाक,कान,गला रोग विशेषज्ञ ने कान से कम सुनने वालों की आधुनिक मशीनों द्वारा स्वय जांच की। उसके बाद पात्र मरीजों को कान की मशीन दी गई।जयपुर से आई टेक्निकल टीम ने पैर और हाथ के उपकरण तैयार किए। जो दिव्यांगो को हाथ, पैर में लगाए जाएंगे। राकेश साध, चमकेश साध, संयोजक डा.रजनी सरीन, रितेश साध, राहुल साध, सुबोध साध मल्लू, रोबिन साध, मधु साध, प्रिया साध, रोहित गुप्ता, उदय बाथम, अनुभव सारस्वत आदि ने सेवा कार्य में भाग लिया।

आधी अधूरी निर्मित सड़क का हुसैनगंज विधायक ने किया लोकार्पण

फतेहपुर। विधायक निधि से बनी सड़क का बिना निर्माण पूरा हुए ही हुसैनगंज विधायक द्वारा लोकार्पण किए जाने व नवनिर्मित सड़क के तीन माह में ही जर्जर हो जाने से ग्रामीणों ने हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्या के प्रति नाराज़गी दिखाई। ऐरायां ब्लाक के उमरपुर गौंती काजीपुर में हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्या द्वारा अपनी विधायक निधि से सड़क का निर्माण कराया गया था। निर्माणाधीन सड़क का मड़वा-प्रेम नगर रोड से मस्जिद तक निर्माण किया जाना था लेकिन लापरवाह ठेकेदार द्वारा बिना पूरा निर्माण के ही सड़क पूर्ण निर्मित दिखा दिया गया। हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्या द्वारा बिना निरीक्षण के ही अर्द्धनिर्मित सड़क का लोकार्पण भी कर दिया गया। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा अर्द्धनिर्मित सड़क पर हुसैनगंज विधायक के लोकार्पण का पत्थर भी लगाया गया है। जिसे अब भी देखा जा सकता है। नवनिर्मित सड़क के तीन माह में ही जर्जर हो जाने पर ग्रामीणों में विधायक को लेकर जबरदस्त नाराज़गी है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के ठेकेदार एवं हुसैनगंज विधायक के सिपहसालारों द्वारा खेल करके बिना निर्माण के ही अर्द्धनिर्मित सड़क का विधायक द्वारा लोकार्पण करा दिया गया। यही नही बल्कि बनाई गई सड़क भी गुणवत्ताहीन है जो कि तीन माह में ही जर्जर हो गयी। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही को लेकर हुसैनगंज विधायक के प्रति जमकर नाराज़गी दिखाई। इसे सरकारी धन का बंदरबांट बताते हुए जिलाधिकारी से मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग किया। हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्या से जब इस विषय पर बात की गई तो उनका कहना रहा कि विधायक निधि से दो सौ मीटर सड़क निर्माण का ही बजट पास हुआ था। दो सौ मीटर सड़क निर्मित करा दी गई है। जबकि प्रधान की ओर से साढ़े तीन सौ मीटर सड़क निर्मित कराए जाने की बात की जा रही थी। शेष डेढ़ सौ मीटर सड़क का निर्माण अगला बजट आने पर किया जाएगा।

बाइक खड़ी करने को लेकर विवाद में मारपीट, पिस्टल तानी, पुलिस से भी जमकर धक्का मुक्की

फर्रुखाबाद। बाइक खड़ी करनें के विवाद में महाभारत हो गया। दंबग मेडिकल स्टोर संचालक ने दूसरे पड़ोसी मेडिकल स्टोर संचालक और उसके परिजनों को जमकर पीट दिया। मौके पर पकड़नें गयी पुलिस के साथ भी आरोपी और उसके गुर्गों नें जमकर धक्का-मुक्की कर दी। फ्लिहाल पुलिस कड़ी मसक्कत के बाद आरोपी को थानें लायी। थाना कादरी गेट क्षेत्र के कादरी गेट निवासी पंकज अवस्थी का श्रीराम मेडिकल है। पंकज नें बताया कि कादरी गेट में उनके पड़ोस में डा. विपुल अग्रवाल का वेदांता अस्पताल है। जिसके मेडिकल पर आवास विकास निवासी जयवीर सिंह बैठता है। गुरुवार को अस्पताल आये एक व्यक्ति नें बाइक पंकज के मेडिकल के सामने खड़ी कर दी। जिस पर पंकज नें आपत्ति जाहिर कर बाइक को हटानें का दबाब बनाया। जिस पर वेदांता अस्पताल से जयवीर सिंह बाहर आ गया और उसने पंकज अवस्थी के साथ मारपीट कर दी। पंकज का आरोप है कि उसके ऊपर जयवीर नें पिस्टल तान दी। मामले की तहरीर पंकज नें थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर गयी तो जयवीर नें पंकज के भाई मनोज अवस्थी व भाभी विमलेश के साथ भी मारपीट कर दी।

प्रभारी निरीक्षक अबध नारायण पाण्डेय भारी पुलिस बल के साथ वेदांता अस्पताल पंहुचे और दबिश दी। आरोपी जयवीर को चलने को कहा तो वह विवाद करने लगा। उसने पुलिस के साथ जमकर विवाद और धक्का मुक्की कर दी। पुलिस को उसको गाड़ी में बैठाने में पसीने छूट गये। पुलिस आरोपी जयवीर को थाने लायी। पीड़ित पंकज अवस्थी छात्रसंघ महामंत्री 2005 में बद्री विशाल कालेज में रहा है।

डा. विपुल पर भी मारपीट करानें का आरोप

पीड़ित पंकज अवस्थी ने तहरीर में डा. विपुल अग्रवाल पर भी मारपीट कराने का आरोप लगाया। पंकज का कहना है कि डा. विपुल की सह पर ही आरोपी जयवीर नें मारपीट की।

अस्पताल के बाहर नही पर्किंग दिन भर लगता जाम

वेदांता अस्पताल के बाहर पार्किंग की व्यवस्था नही है। पीड़ित पंकज ने आरोप लगाया। पार्किंग न होने से अस्पताल में आने वाले वाहन उसके मेडिकल के सामने खड़े होते हैं। सड़क पर लाइनें लगती है। डा. विपुल अग्रवाल का पक्ष जानने के लिए उन्हें फोन किया गया उनका फोन नही उठा। प्रभारी निरीक्षक अबध नारायण पाण्डेय ने बताया कि मामले की जाँच की जा रही है।

चेतावनी बिंदु गंगा खतरे के निशान से 15 सेमी व रामगंगा 20 सेमी से ऊपर

फर्रुखाबाद। गंगा व रामगंगा खतरे के निशान से ऊपर चल रहीं हैं । दोनों नदियों के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हैं। सड़कों का आवागमन प्रभावित हो गया है। ज्यादातर सम्पर्क मार्गों पर पानी भरा है। ग्रामीण जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहें हैं। अमृतपुर तहसील क्षेत्र के गांव भावन, हीरानगर, गुडेरा, रुलापुर, अमैयापुर, खखिन, बड़ा गांव, परतापुर, हरपालपुर, कोला सोता, मियां पट्टी, बेच पट्टी, डांडीपुर, मोकूलपुर, महोलिया, लभेड, अलादपुर भटौली, वीरपुर, मोहद्दीपुर, राजेपुर, हमीरपुर, माखन नगला, फखरपुर, करनपुर घाट, असमपुर, आसमपुर, बगिया, कलेक्टरगंज, भावपुर चौरासी, कुतलूपुर, कुबेरपुर, कुसमापुर, सैदपुर, बदनपुर, कनकपुर, शेरखार, गोटिया, दहेलिया, किरचन, रामप्रसाद नगला, रतनपुर, रम्हुआ, बलीपट्टी रानी गांव, मंझा तोफिक्र आदि गांव में पानी पहुंच गया है। बाढ़ से संपर्क मार्ग टूट चुके हैं। ग्रामीण बाजार से सब्जी जानवरों के लिए चार ले जाने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। गांव माखन नगला जाने वाले रोड बाढ़ के पानी से कट गया है।

अमैयापुर पुलिया, खाखिन जरूरतमंद लोगों को निकालनें के लिए पीएसी के जवान स्टीमर के साथ तैंनात किये गये है। गुरुवार को पीएसी जबान लोगों को स्टीमर से निकालनें का कार्य कर रहें थे उसी दौरान स्टीमर पंचर हो गया । गनीमत रही कि उस समय कोई ग्रामीण स्टीमर में बैठा नही था। थाना प्रभारी मिनेश पचौरी नें बताया कि स्टीमर पंचर हुई थी उसे ठीक कराया गया।

नही हुआ दवाओं का वितरण

बीते दिन जिलाधिकारी डा.वीके सिंह ने निर्देश दिए थे कि स्वास्थ्य टीम बाढ़ क्षेत्र में हर गांव में दो-दो घंटे रुक कर दवा का वितरण करेगी, लेकिन किसी भी गांव में दवा का वितरण नहीं हो रहा है।

डीएम की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड से संबंधित बैठक सम्पन्न

बाँदा। जिलाधिकारी नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवासों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए खण्ड विकास अधिकारियों को आवासों के निर्माण कार्य में प्रगति लाये जाने तथा शीघ्रता से आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत लक्ष्य के अनुरूप शत.प्रतिशत आवेद दीदी ठीक नहीं कों को बैंको से ऋण स्वीकृत कराकर वितरण की कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में महा प्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र को निर्देश दिये। उन्होंने पंचायतीराज विभाग के द्वारा आरसीसी सेन्टर का निर्माण कार्य शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया।

उन्होंने नयी सड़कों के निर्माण कार्य को वर्षा के बाद शीघ्र निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने पर्यटन विकास योजना के अन्तर्गत भूरागढ़ एवं कालिंजर तथा रनगढ़ में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाये जाने के साथ उप जिलाधिकारी को निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत माध्यमिक विद्यालयों में कराये जाने वाले कार्यों में प्रगति लाने के सम्बन्ध में जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढाये जाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कराते हुए निपुण विद्यालय बनाये जाने के सम्बन्ध में बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देश दिये। उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल.जीवन मिशन के अन्तर्गत किये गये कार्यों का गहनता से निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को सिंचाई योजना के अन्तर्गत स्प्रिंक्लर हेतु आवेदनों का निस्तारण शीघ्र किये जाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कृषि रक्षा रसायन का शत.प्रतिशत रूप डीबीटी के माध्यम से भुगतान कराये जाने तथा बेसिक शिक्षाधिकारी को प्राथमिक विद्यालयों को निपुण विद्यालय बनाये जाने हेतु अध्यापकों के द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करते हुए निपुण टेस्ट के अन्तर्गत बच्चों की क्लास टेस्ट भी कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ पेयजलए शौचालय निर्माण तथा मल्टीपर्पज हॉल के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अन्तर्गत पात्रों को समय से लक्ष्य के अनुरूप लाभान्वित कराये जाने व नये पेंशन प्रपत्रों का निस्तारण करने के सम्बन्ध में समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया।

क्विक न्यूज

जनपद में 24 व 25 सितंबर तक वर्षा एवं आकाशीय विद्युत की सम्भावना, आम जनमानस हेतु दिशा.निर्देश जारी

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के मार्गदर्शन में एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव नाथ गुप्ता ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार कानपुर देहात में 24.09. 2024 व 25.09.2024 तक वर्षा एवं आकाशीय विद्युत की सम्भावना व्यक्त की गयी हैए जिसके दृष्टिगत वर्षा एवं आकाशीय विद्युत से सूरक्षा एवं बचाव के लिए आम जनमानस हेतु दिशा.निर्देश जारी किये जाते है। मौसम की जानकारी अवश्य रखें। छोटे बच्चों को वर्षा के पानी में खेलने रोके। वर्षा के दौरान बिजली से चलने वाले उपकरणों का प्लग निकाल दें। वर्षा के दौरान कच्चे मकानए जर्जर छत के नीचे शरण न लें। वर्षा के दौरान घर से बाहर न निकलें। विद्युत तार, पोल के समीप न खड़े हो।वर्षा के दौरान सफर न करें।तैराकी या नौकायान न करें। धातु से बने छाता का प्रयोग न करें। ऊचे पेड़ों के नीचे शरण न लें। आकाशीय विद्युत से होने वाली दुर्घटना से बचाव एवं पूर्व चेतावनी हेतु दामिनी ऐप का प्रयोग करें। अन्य प्राकृतिक आपदओं से सूरक्षा एवं बचाव तथा क्या करें क्या न करें के बारे में अधिक जानकारी हेतु सचेत मोबाइल ऐप का प्रयोग करें।आपदा की स्थिति होने पर आपदा टोल फ्री नम्बर 1077 पर सम्पर्क कर सकते है।

दो कर्मचारियों को वेतन न देने पर पुलिस ने की कार्रवाई

संडीला (हरदोई)। एक प्राइवेट नर्सिंग होम के दो गार्डों को काम कराने के बाद भी वेतन न दिए जाने के मामले की शिकायत पुलिस से की गयी है। पुलिस ने मामला दर्ज किए जाने की मांग कही है। हरदोई रोड पर बाबा हजारा बाग स्थित एक प्राइवेट नर्सिंग होम का संचालन होता है। इसमें पीआओ के तौर पर ज्ञानेन्द्र कुमार सिह पुत्र रामकुमार सिंह निवासी दुबग्गा लखनऊ तथा देवेन्द्र कुमार पुत्र श्रवण कुमार निवासी ग्राम शिवपुरी थाना अतरौली ने काम किया। जब इन लोगों ने नियत तिथि के बाद संचालक डॉक्टर से वेतन मांगा तो पहले तो यह लोग टाल मटोल करते रहे और बाद में वेतन देने से साफ़मना कर दिया। दोनों कर्मचारियों ने पुलिस को लिखित रूप से घटना की जानकारी दी। एफ़आईआर दर्ज करने की बात कही है।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

संडीला (हरदोई)। काम के लिए औद्योगिक इकाई जा रहे एक श्रमिक की बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कासिमपुर के अंतर्गत ग्राम अटुका निवासी 30 वर्षीय अवधेश कुमार औद्योगिक क्षेत्र स्थित किसी औद्योगिक इकाई में कार्यरत थे। वह घर से सुबह लगभग 7ए30 बजे अपनी बाइक लेकर औद्योगिक इकाई जा रहे थे। जब संडीला मल्लावां मार्ग पर ग्राम गौसगंज के पास उनकी बाइक पहुंची तो किसी अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको गंभीर अवस्था में लेकर लोग सीएचसी पहुंचे लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

कंप्यूटराइज्ड एकाउंटिंग के प्रशिक्षण का हुआ शुभारम्भ

कानपुर देहात। 19.09.2024 को बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान आलमचंद्रपुर कानपुर देहात में कंप्यूटराइज्ड एकाउंटिंग के 30 दिवसीय निःशुल्क एवं आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपायुक्त स्वतः रोजगार गंगारामए अग्रणी जिला प्रबंधक राकेश कुमार एवं निदेशक आरसेटी मयंक कटियार के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ किया गया। जिला रोजगार अधिकारी शशि तिवारी के द्वारा प्रशिक्षार्थिओं का सेवामित्र पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन भी कराया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17.09.2024 से 19.10.2024 तक संस्थान में चलेगा। इस अवसर पर संस्थान के संकाय पंकज कुमार, निखिल मिश्रा, कार्यालय सहायक योगेंद्र सिंह, हर्षित मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

कॉम्बिंग के साथ ही लगाये गये कैमरों के माध्यम बाघ की उपस्थिति का आंकलन किया

लखीमपुर। दिनांक 19.09.2024 को मोहम्मदी रेंज के अन्तर्गत बाघ प्रभावित क्षेत्र ग्राम मूड़ा अस्सी, मूड़ा जवाहर घरथनियां, बघमरा, पिपरिया, मड़िया जवाहर एवं इमलिया में कॉम्बिंग करायी गयी। कॉम्बिंग के साथ ही लगाये गये कैमरों के माध्यम बाघ की उपस्थिति का आंकलन किया गया। बाघ प्रभावित क्षेत्र में वनकर्मियों की टीमें निरन्तर निगरानी बनाये हुयें हैं। बाघ विचरण मार्ग में मचान बनाकर बाघ को ट्रैंक्यूलाइज करने का प्रयास किया जा रहा है। कैमरा ट्रैप के माध्यम से मिल रहे फोटो एवं पगमार्क की निशानदेही पर रेस्क्यू करने हेतु डाण् नितेश कुमार कटियार पशुचिकित्सक कानपुर प्राणि उद्यान एवं डा. दया शंकर, पशुचिकित्सक अपनी टीम के साथ क्षेत्र में उपस्थित हैं। रेस्क्यू आपरेषन में कैमरों, मचान एवं पगमार्को का निरीक्षण संजय कुमार बिश्वाल, प्रभागीय वनाधिकारी दक्षिण खीरी वन प्रभाग द्वारा किया गया। मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के दृष्टिगत रानी लक्ष्मीबाई इंटर कालेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आईटीआई में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी संस्थान के कार्यालय में आवेदन प्रपत्र करें जमा

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में नोडल, प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भोगनीपुर ने बताया कि जनपद कानपुर देहात के ऐसे अभ्यर्थी जिनके द्वारा आईटीआई में प्रवेश हेतु आवेदन किया गया है परन्तु उनका चयन प्रथम, द्वितीय, तृतीय चरण में नहीं हो सका है एवं ऐसे अभ्यर्थी जिनके द्वारा चतुर्थ चरण में नवीन आवेदन किया है उक्त अभ्यर्थी रिक्त सीटो का विवरण जनपदवार वेवसाइट पर उपलब्ध है तथा वेबसाइट से रैंक विवरण निकाल कर अपना रैंक के अनुसार प्रपत्र एवं प्रार्थना पत्र ध् विकल्प राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोगनीपुर, पुखरायां, अकबरपुर, सिकन्दरा, रसूलाबाद, कानपुर देहात में 23.09.2024 की अपराह्न 01 बजे तक संस्थान के कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करेंगें उक्त के उपरान्त दिनांक 25.09.2024 तक चयनित अभ्यर्थियों के प्रवेश सम्बन्धी समस्त कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

विद्युत अधिकारियों ने छह माह में लाइन हटाने का भरोसा दिलाया

विद्युत उच्चाधिकारियों से वार्ता करते नागरिक व घायलों को देखते एसडीएम।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। बीती शाम नगर के मोहल्ला सीमांत नगर में घरों के ऊपर से गुजरी हाई टेंशन लाइन टूट कर छतों पर जा गिरी जिससे करीब तीन दर्जन बच्चे एवं जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। मोहल्ला सीमांत नगर में करंट की चपेट में आए लोगों के परिजनों सहित सभासदों आजम सिद्दीकी, धर्मेंद्र गुप्ता उर्फ बड़े, भाजपा नेता सुमित सक्सेना, सपा नेता उत्कर्ष गुप्ता, अमन खान, मुकीम खान, शादाब खान ने विद्युत उपकेंद्र पहुंचकर एचटी लाईन हटवाये जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। विद्युत उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार सिरोही द्वारा उच्चाधिकारियों को घटनाक्रम से अवगत कराया गया जिस पर ए.सी. नंदलाल एक्सईएन राजीव कुमार व एसडीएम छिबरामऊ ने मौके पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझा बूझकर शांत किया। प्रदर्शनकारियों ने विद्युत उपकेंद्र से सीमांत नगर से होती हुई पट्टी मटेना तक जाने वाली एचटी लाइन के नीचे करीब 800 मीटर लाइन के नीचे घनी बस्ती बस जाने के कारण लाइन टूटने पर जान माल का खतरा बना रहता है।

सामूहिक विवाह योजना में गड़बड़झाले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी से

- शिकायतकर्ता ने लगाए गंभीर आरोप, विभागीय अधिकारियों और संस्था पर कार्यवाही की मांग
- घटिया उपहारों का मामला, योजना के प्रति गंभीर नहीं विभाग व प्रशासन

फतेहपुर। उप्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के उपहारों की गुणवत्ता की जांच की मांग एक बार फिर परवान चढ़ने लगी है। संबंधित विभाग के साथ साथ आयोजन का ठेका लेने वाली संस्था राहुल इण्टर प्राइजेज पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जनपद के धाता विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पड़री डेंडासई निवासी शारदा प्रसाद पुत्र बूंदी लाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री समेत शासन प्रशासन के उच्चाधिकारियों को शिकायतीपत्र भेजकर आरोप लगाया है कि उपरोक्त योजना के अन्तर्गत विगत 29 फरवरी को ठा. युगराज सिंह महाविद्यालय में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें उसकी पुत्री का विवाह भी हुआ था। बताया कि समारोह में नव दंपत्तियों को जो उपहार स्वरुप सामाग्री दी गई थी वह बिल्कुल घटिया/निम्न श्रेणी की थी तथा भोजन आदि की व्यवस्था न सिर्फ घटिया थी बल्कि सिर्फ औपचारिकता निभाई गई थी।

समारोह में व्यवस्था के नाम पर ठेकेदार व संबंधित विभाग के जिम्मेदारों द्वारा घपलेबाजी की गई और सरकारी धनराशि का बंदरबाट करके गबन किया गया है। यह भी आरोप है कि इस घपलेबाजी की उसके द्वारा पर्व में भी शिकायत की गई किन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई। सीएम से अनुरोध किया गया है कि डीएम को आदेशित करें कि इस मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए और जो दोषी मिले उसके खिलाफ़कानूनी कार्रवाई की जाए।

इस अति महत्वाकांक्षी योजना के संचालन और क्रियान्वयन पर पहले भी गड़बड़ झाले के आरोप लगते रहे हैं किन्तु कभी भी कोई कार्यवाही न होने से इस पर कोई सुधार नहीं हो पाया है। संबंधित फर्म के संचालक दबी जुबान कहते रहे हैं कि मुंह मांगा कमीशन देने के बाद गुणवत्ता में सुधार कैसे संभव है। वहीं संबंधित फर्म के बाबत प्रकाश में आया है कि कौशाम्बी की इस फर्म पर योजनाओं के साथ गड़बडी करने के आरोप पहले भी लग चुके हैं किन्तु मोटा कमीशन खाने वाले अधिकारी प्राय: इस बाबत कोई कार्यवाही करने से बचते रहे हैं। देखना यह है कि इस बार क्या कुछ सुधार होता है या पूर्ववत प्रक्रिया चलती रहती हैं।

सीएम के पुतला दहन की आशंका पर सपाई हिरासत में

- चौराहे बने रहे छावनी चप्पे-चप्पे पर खाकी रही मुस्तैद
- राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर भाजपाइयों पर कार्रवाई की मांग

फतेहपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अपमान पर सपा कार्यकर्ताओं द्वारा सीएम के पुतला दहन की अफवाह पर पुलिस ने दर्जनों सपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत से सपाइयों को रिहा किया गया। सीएम के पुतला दहन की सूचना पर जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। पटेलनगर चौराहा समेत अन्य चौराहों को पुलिस ने छावनी में तब्दील कर दिया व अन्य जगह भी भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस लाइन में ही सपा कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर सपा प्रमुख का अपमान करने व पुतला फूंकने वाले भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग किया।

गुरुवार को सपा यूथ ब्रिगेड द्वारा पूर्व सीएम व सपा प्रमुख का पुतला दहन करने वाले भाजपाइयों पर कार्रवाई के लिए डीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन दिए जाने का कार्यक्रम था। खूफ्फिया विभाग को सपा कार्यकर्ताओं द्वारा सीएम के पुतला फूंकने की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन एलर्ट मोड़ पर आ गया। पुलिस ने बुधवार की देर रात्रि यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष अमित मौर्या समेत अन्य सपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले आयी। बिंदकी व खागा तहसील में भी सपा नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। सदर विधायक चंद्र प्रकाश लोधी, हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्या, नगर पालिका चेयरमैन राजकुमार मौर्या, सपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव समेत सपा के अन्य बड़े नेताओ में घरों में नज़रबंद करके घरों के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। हिरासत में लिये गये विभिन्न फ्रंटल संगठनों के कार्यकर्ताओं को शाम 05 बजे रिहा किया गया। सपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस लाइन में उप जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंकने व अपमान करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग किया।

सामाजिक बुराईयों को दूर करने व जन जागरूकता में पत्रकारों का योगदान महत्वपूर्ण: मनोज सिंह

संडीला (हरदोई)। पत्रकारों द्वारा की जा रही समाजसेवा के प्रति आभार व्यक्त करत हुए संक्षिप्त समारोह में कई पत्रकारों को सम्मानित किया गया। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में समाजसेवी मीना सिंह तथा एक अन्य सामाजिक संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनोज सिंह अर्कवंशी ने मुकेश सिंह के अलावा पत्रकार विमलेश कुमार अर्कवंशीए प्रियदर्शी गुप्ताए आशीष गुप्ताए अरुणेन्द्र कुमार तिवारीए शशिकांत मौर्यए चन्द्रकांत मौर्य शानूए सुचित द्विवेदीए सूरज गुप्ताए विवेक मिश्रा विराट को पटका पहनाकर सम्मानित किया। इव अवसर पर मनोज सिंह अर्कवंशी ने कहा कि पत्रकार समाज की अद्वितीय सेवा करते हैंए वे सामाजिक कुनीतियों के विरुद्ध मजबूती से आवाज़ उठाते हैं तथा जनसामान्य में जागरूकता उत्पन्न करते हैं। इसके अलावा समाज में व्यापक भ्रष्टाचार और अन्य समस्याओं पर कलम के माध्यम से अपने दयित्वों का निर्वाहन करते हैं। निश्चित रूप से यह एक सराहनीय प्रयास है। इसी अवसर पर समाजसेविका मीना सिंहए रामशंकर सिंहए नरेन्द्र सिंह अर्कवंशीए सियाराम कन्नौजियाए विमलेश अर्कवंशीए काजल सिंह समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

च्यवन ऋषि आश्रम में विशाल वार्षिक भंडारा कल

गुरसहायगंज (कन्नौज)। पौराणिक तपो भूमि च्यवन ऋषि आश्रम में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विशाल भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम के आयोजक एवं किसान नेता धर्मेंद्र सिंह राजपूत उर्फ बबलू ठाकुर ने कहा कि प्रति वर्ष की भांति शनि महाराज की पूजा अर्चना के उपरांत विशाल वार्षिक भंडारा करवाया जाता है। इस वर्ष भी 21 सितंबर 2024 शनिवार को भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नगर क्षेत्र के हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहेंगे।

ग्रामीणों ने लाश को मार्ग पर रखकर किया चक्का जाम

- एक घंटे तक ढखेरवा लखीमपुर मार्ग रहा अवरुद्ध

संवाददाता। ढखेरवा

शारदानगर मार्ग पर बुधवार दोपहर बाद सड़क हादसे में मारे गए गांव महादेव निवासी अरविंद कुमार की लास को उसके परिजनों ने पोस्टमार्टम के पश्चात गुरुवार दोपहर बाद लखीमपुर से लाकर गांव मल्लबेहड़ के सामने रखकर चक्का जाम कर दियास मृतक अरविंद के परिजनों के साथ बड़ी तादाद में पहुंचे अन्य ग्रामीणों की मांग थी कि मैं हादसे में शामिल दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और हादसे के दौरान मृतक अरविंद का एक पैर कहीं कटकर गायब हो गया था उसे बरामद किया जाएस

बता दें कि बुधवार दोपहर बाद ढखेरवा शारदानगर मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गांव महादेव सोहरिया निवासी अरविंद कुमार और हल्लू गौतम व लखाही निवासी राजकुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए थेस हादसे के दौरान अरविंद का एक पैर कट कर कहीं गायब भी हो गया था स तीनों घायलों को एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी रमियां बेहड़ भेजा गया जहां पर चिकित्सकों ने अरविंद को मृत घोषित कर दिया जबकि हल्लू गौतम और राजकुमार को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया थास दूसरे दिन गुरुवार सुबह उपचार के दौरान राजकुमार की भी मृत्यु हो गईस गुरुवार को अरविंद का पोस्टमार्टम कराने के पश्चात जिला मुख्यालय से शव लेकर आए परिजनों ने मल्लबेहड़ के सामने मार्ग पर रखकर जाम लगा दिय स इस संदर्भ में एसओ हरिकेश राय ने बताया कि हादसे में शामिल अल्टो कार देर रात बरामद कर ली गई है परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता से ही भारत स्वस्थ और विकसित बनेगा: राष्ट्रपति मुर्मू

उज्जैन (मध्यप्रदेश)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को लोगों से स्वच्छता की दिशा में आगे आने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता से ही भारत स्वस्थ और विकसित बनेगा। साथ ही उन्होंने यह भी याद किया कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत अपने गृहनगर में स्वच्छता से की थी। यहां सफाई मित्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुर्मू ने स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार सातवीं बार शीर्ष पर रहने के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर शहर और देश में सबसे स्वच्छ राज्य की राजधानी होने के लिए भोपाल की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, सफाई मित्रों (सफाई कर्मचारियों) को सम्मानित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वच्छता से ही देश स्वस्थ और विकसित बनेगा। सफाई मित्रों को सम्मानित करके हम खुद को सम्मानित कर रहे हैं। मुर्मू ने लोगों से देश को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित बनाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश के गांवों और गलियों में रहने वाले लोग स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम करने के लिए आगे आएंगे और ऐसा करने से ही देश महात्मा गांधी के स्वच्छता के आदर्शों को लागू कर पाएगा। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि स्वच्छता की ओर एक कदम देश को साफ रखने में मदद करेगा। हम सभी को देश को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित बनाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) पिछले 10 वर्षों में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया है और इसके परिणामस्वरूप देश में व्यापक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के कारण लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इस संबंध में उनके व्यवहार में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा, इससे मुझे बहुत खुशी होती है। मुर्मू ने यह भी याद किया कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत ओडिशा में अपने गृहनगर में स्वच्छता से की थी, वहां उन्होंने अधिसूचित क्षेत्र परिषद की उपाध्यक्ष के रूप में काम किया था।

उन्होंने कहा, मैं सफाई कार्यों का निरीक्षण करने और सफाई मित्रों और अन्य लोगों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक वार्ड से दूसरे वार्ड में जाती थी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ मिशन के तहत, खुले में शौच की समस्या से निपटने के लिए 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया तथा 2.25 लाख से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया है जिन्होंने महिलाओं के सम्मान, उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति ने स्कूलों में छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था करने के लिए सरकार को बधाई दी और कहा कि इसके परिणामस्वरूप बालिकाओं की साक्षरता का स्तर बढ़ा है। एक प्रतिष्ठित सर्वेक्षण के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन के कारण देश में बाल मृत्यु दर में कमी आई है और ग्रामीण परिवारों की वार्षिक स्वास्थ्य लागत में औसतन 50,000 रुपए की कमी आई है। स्वच्छता अभियान में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए मध्यप्रदेश के लोगों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर लगातार सातवीं बार सबसे स्वच्छ शहर के रूप में शीर्ष पर रहा है, जबकि भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राज्य की राजधानी के रूप में उभरा है।

राष्ट्रपति ने सफाई कर्मचारियों की भूमिका की भी सराहना की और उन्हें अग्रिम पंक्ति के योद्धा बताया, क्योंकि उन्होंने शहर को साफ रखने और नागरिकों को गंदगी से जुड़ी विभिन्न बीमारियों से बचाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, वे राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें सम्मानित करके हम वास्तव में अपना गौरव बढ़ा रहे हैं। मुर्मू ने चार महिलाओं सहित पांच सफाई मित्रों को सम्मानित किया और 1,692 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली उज्जैन-इंदौर छह लेन सड़क की आधारशिला भी रखी।

सम्मानित होने वालों में अनीता चावरे, किरण खोड़े, शोभा घावरी, रश्मि टंकले और गोपाल खरे शामिल हैं। राज्यपाल मंगु भाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद राष्ट्रपति ने देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर का दौरा किया और गर्भगृह में भगवान के समक्ष प्रार्थना की। 17 सितंबर (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन) से 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) तक देश में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ मुर्मू ने मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर सफाई भी की। महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद राष्ट्रपति ने उज्जैन के श्री महाकाल लोक में पत्थर की मूर्तियां बना रहे कारीगरों से बातचीत की और उन्हें उत्कृष्ट बताया। मुर्मू ने त्रिवेणी सभा मंडपम में ओडिशा के पुरी जिले के मूर्तिकारों ईश्वर चंद्र महाराणा, आदित्य महाराणा, सुरेश कुमार ओझा और अक्षय कुमार महाराणा से बात की। विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने कारीगरों से कहा कि पढ़ाई तो सभी करते हैं, लेकिन सभी को कला नहीं आती। उन्होंने कहा कि आप जो काम कर रहे हैं, वह बहुत सराहनीय है। विज्ञप्ति में बताया गया कि कारीगरों ने राष्ट्रपति को पत्थर का शिवलिंग भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री यादव भी मौजूद थे।

पश्चिम बंगाल: चिकित्सकों ने आंदोलन कल से आंशिक रूप से समाप्त करने की घोषणा की

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अधिकतर मांगें मान लिए जाने के बाद आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों ने घोषणा की है कि वे शनिवार से अपना आंदोलन आंशिक रूप से खत्म करके राज्य द्वारा संचालित अस्पतालों में आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं में अपनी ड्यूटी आंशिक रूप से शुरू करेंगे। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद पिछले 41 दिनों से काम से दूर चिकित्सकों ने घोषणा की है कि वे शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन के बाहर अपना धरना समाप्त कर देंगे। धरना समाप्त करने से पहले वे राज्य स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय स्वास्थ्य भवन से साल्ट लेक क्षेत्र में सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय तक एक मार्च निकालेंगे। यह निर्णय पश्चिम बंगाल में बाढ़ की स्थिति और राज्य सरकार द्वारा कुछ मांगों पर सहमति जताए जाने के बाद लिया गया है।

राहुल के खिलाफ टिप्पणी पर बोंडे और गायकवाड़ अड़े, कांग्रेस का प्रदर्शन

मुंबई, भुवनेश्वर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी कर सुर्खियों में आए शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ और भाजपा के राज्यसभा सदस्य अनिल बोंडे ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे अपने बयान पर अडिग है। इस बीच, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे पर आयोजित देशव्यापी प्रदर्शन के तहत पार्टी की महाराष्ट्र और ओडिशा इकाइयों ने भी बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। गायकवाड़ ने इस सप्ताह की शुरुआत में राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की थी। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपने खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों से परेशान नहीं हैं।

बोंडे ने भी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की टिप्पणी के लिए उनके (राहुल के) खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने बृहस्पतिवार को मुंबई, नागपुर सहित महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया और विपक्षी दलों से गायकवाड़ और बोंडे की कथित विवादित टिप्पणियों के लिए दोनों नेताओं को निष्कासित करने की मांग की। मुंबई के निकट भयंदर में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के एक सांसद, विधायक और एक केंद्रीय मंत्री ने गांधी को धमकी दी है। उन्होंने डर गई भाजपा और उसके सहयोगियों की आलोचना की।

केरल विधानसभा के सदस्य चेन्निथला ने कहा, इन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। राहुल गांधी की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता भारत और विदेश दोनों में बढ़ी है। वह देश में (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी और आरएसएस के खिलाफ लड़ने वाले एकमात्र नेता हैं। वह भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती बन गए हैं। यही कारण है कि डरी हुई भाजपा और उसके सहयोगी लगातार उन्हें धमकियां दे रहे हैं। हालांकि, राहुल गांधी ऐसी धमकियों से नहीं डरते। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, राहुल गांधी देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए यात्रा पर निकले हैं। राहुल गांधी एक शांत नेता हैं, लेकिन भाजपा उन्हें निशाना बना रही है और उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी और इसका पुरजोर जवाब देगी।

विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वालों में महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस की मुंबई इकाई प्रमुख वर्षा गायकवाड़ और विधायक असलम शेख शामिल थे। ओडिशा में पार्टी इकाई के नेताओं ने बृहस्पतिवार को भुवनेश्वर में विरोध प्रदर्शन किया और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित विवादास्पद टिप्पणी करने वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चार नेताओं के खिलाफ कार्वाई की मांग की। पोस्टर बैनर लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मास्टर कैंटीन स्क्वायर के नजदीक स्थित कांग्रेस भवन से विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस कार्यकर्ता जब राज्य भाजपा कार्यालय की ओर बढ़े, तो पुलिस ने उन्हें खारवेलनगर में रोक दिया, जिससे पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीकांत जेना ने कहा, राहुल गांधी की हत्या की साजिश रचने वाले लोग खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस ने अभी तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया है। न तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अब तक इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी की है। हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों से कहा था कि भारत में जब सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे तब कांग्रेस आरक्षण समाप्त करने के बारे में सोचेगी। उन्होंने कहा कि अभी ऐसा नहीं है। विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए गायकवाड़ ने कहा, हम इसकी परवाह नहीं करते। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता।

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य घोष का चिकित्सा पंजीकरण रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिषद (डब्ल्यूबीएमसी) ने आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रधानाचार्य संदीप घोष का पंजीकरण बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। घोष, आरजीकर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के मामलें में इस समय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में हैं। डब्ल्यूबीएमसी द्वारा तैयार की जाने वाली पंजीकृत चिकित्सकों की सूची से घोष का नाम हटा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि घोष का लाइसेंस बंगाल चिकित्सा अधिनियम 1914 के विभिन्न प्रावधानों के तहत रद्द किया गया। उन्होंने बताया कि घोष ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं और बिना लाइसेंस वह इलाज नहीं कर सकेंगे।

घोष को दो सितंबर को सीबीआई ने अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं में कथित संलिप्तता के मामले में गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी ड्यूटी पर तैनात महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के विरोध के बाद हुई। बाद में उन पर मामले में सबूतों से छेड़छाड़ करने का आरोप भी लगाया गया।

महिला चिकित्सक की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों में प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे अनिकेत महतो ने इस कदम को जीत करार दिया। उन्होंने कहा, यह हमारी मृत बहन के लिए जीत है। घोष का चिकित्सा पंजीकरण उनकी गिरफ्तारी के साथ ही रद्द कर दिया जाना चाहिए था। हम खुश हैं कि पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिष ने अंततः यह कदम उठाया है। घोष को फरवरी 2021 में आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय का प्रधानाचार्य नियक्त किया गया था। विरोध प्रदर्शन के बीच उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

लोकप्रिय संबलपुरी गायिका रुखसाना बानो की मौत, परिजनों ने लगाया जहर देने का आरोप

भुवनेश्वर। लोकप्रिय संबलपुरी गायिका रुखसाना बानो का भुवनेश्वर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर में इलाज के दौरान निधन हो गया। अस्पताल सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि 27 वर्षीय रुखसाना का जीवाणु के कारण होने वाले रोग स्क्रब टाइफस का इलाज किया जा रहा था, उन्होंने बुधवार रात हुई उसकी मौत का कारण अभी तक नहीं बताया है। रुखसाना की मां और बहन ने आरोप लगाया कि उन्हें पश्चिमी ओडिशा के उनके एक प्रतिद्वंद्वी गायक ने जहर दिया है, लेकिन उन्होंने कलाकार की पहचान उजागर नहीं की। दावा किया कि रुखसाना को पहले भी धमकियां मिली थीं। करीब 15 दिन पहले बोलनगीर में शूटिंग के दौरान जूस पीने के बाद रुखसाना बीमार पड़ गईं। उन्हें 27 अगस्त को भवानीपटना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रिक्लेम द नाइट के दौरान महिलाओं ने शराब पी उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सभी की : देबनाथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता स्वप्न देबनाथ ने यह कहकर नया विवाद छेड़ दिया कि परिजनों को देखना चाहिए कि रिक्लेम द नाइट आंदोलन के दौरान उनकी बेटियां क्या कर रही हैं। देबनाथ ने आंदोलन के दौरान एक प्रदर्शनकारी के पुरुषों के साथ शराब पीने की कथित घटना का हवाला देते हुए यह बयान दिया। पशु संसाधन विकास मंत्री ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है लेकिन महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी सभी की है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने हालांकि मंत्री द्वारा की गई टिप्पणी से दूरी बना ली है। एक कथित वीडियो में देबनाथ बुधवार को पूर्व बर्धमान जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए दिखाई दिए, जिसमें उन्होंने हाल में उनके विधानसभा क्षेत्र पूर्वस्थली में रिक्लेम द नाइट आंदोलन के दौरान एक महिला और दो पुरुषों को एक होटल में कथित तौर पर बीयर पीते हुए देखने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, क्या होता अगर महिला के साथ कुछ अनहोनी हो जाती? हमारे लोग उस समय निगरानी कर रहे थे। लेकिन अगर वे आसपास नहीं होते तो? माता-पिता के लिए मेरी सलाह, आपकी बेटी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने गई। ठीक है। लेकिन बाद में, वह शराब पीती हुई देखी गई। हमने आपको (माता-पिता को) उसे घर ले जाने के लिए सूचित किया, हमने पुलिस से भी उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। देबनाथ ने कहा कि उन्होंने अपने इलाके के होटल मालिकों से अनुरोध किया है कि वे मध्यरात्रि के बाद महिलाओं को शराब न बेचें। उन्होंने माता-पिता से अधिक सतर्कता बरतने का आग्रह करते हुए कहा, आपकी बेटी अन्य महिलाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने गई थी। लेकिन मध्यरात्रि के बाद वह बाहर क्या कर रही है, इस पर नजर जरूर रखें। उन्होंने कहा, किसी भी अप्रिय घटना के लिए राज्य को जवाबदेह होना पड़ेगा। हम निश्चित रूप से महिलाओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। लेकिन जो लोग बाहर हैं, उनकी भी जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। देबनाथ की टिप्पणी पर विवाद बढ़ने के बादल टीएमसी के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी ऐसी टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती। उन्होंने कहा, हम किसी भी व्यक्ति के व्यवहार को निर्देशित नहीं कर सकते, चाहे वह पुरुष हो या महिला। उसे शराब पीनी चाहिए या नहीं या वह कहां जाएगी। घोष ने कहा, लेकिन स्वप्न देबनाथ की टिप्पणी में एक महिला की सुरक्षा के लिए चिंता की बाद को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

केरल महिला आयोग ने विवाह पूर्व परामर्श अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया

कोझीकोड (केरल)। केरल महिला आयोग ने वैवाहिक विवाद को दूर करने और मजबूत पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा देने के मकसद से बृहस्पतिवार को एक प्रस्ताव दिया जिसमें कहा गया है कि युगल के लिए आधिकारिक तौर पर विवाह का पंजीकरण कराने से पहले स्थानीय निकाय स्तर पर विवाह पूर्व परामर्श अनिवार्य किया जाए। आयोग ने यह सिफारिश इसलिए की ताकि प्राप्त शिकायतों में उजागर होने वाले वैवाहिक समस्याओं के मूल कारणों का समाधान किया जा सके। आयोग अध्यक्ष पी सतीदेवी ने कोझीकोड में एक जिला-स्तरीय बैठक के बाद इस तरह के हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उनके अनुसार, कई शिकायतें परिवार और वैवाहिक गतिशीलता के संबंध में पति-पत्नी के बीच समझ की कमी की ओर इशारा करती हैं, जो अकसर घरेलू विवाद का कारण बनती हैं।

गोकशी के आरोपियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ में एक घायल

भाषा। मेरठ (उप्र)

मेरठ में गोकशी के आरोपियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। घायल बदमाश के एक अन्य साथी को भी पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया, जबकि उनका तीसरा साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिला पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात थाना लोहियानगर इलाके में मेरठ पुलिस को जिलानी गार्डन से बजोट वाले रास्ते पर गोकशी की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस सतर्क हो गई और जब पुलिस दल ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की तो तीन संदिग्ध जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार जब पुलिस ने उन्हें रोका तो एक आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी।

पुलिस ने भी जवाबी कार्वाई में गोली चलाई जिसमें चमड़ा पैठ, थाना लोहियानगर निवासी मेहराजुद्दीन उर्फ मेहराज घायल हो गया। उसके दाएं पैर में गोली लगी है। घायल बदमाश के साथी वकील निवासी जाकिर कालोनी थाना लोहिया नगर को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों से गोकशी की घटना में प्रयुक्त होने वाले उपकरण और हथियार बरामद किए गए हैं। इनका तीसरा साथी सोनू उर्फ भूरा अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में कामयाब हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ थाना लोहियानगर में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्वाई की जा रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ जो टिप्पणी की, उस पर कायम हूं: बिट्टू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर अपने विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज होने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपनी टिप्पणी पर कायम हैं और पुलिस शिकायतों से नहीं डरते। बेंगलुरू में बिट्टू के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक पदाधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी दर्ज होने पर खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री बिट्टू ने कहा, कांग्रेस पार्टी हमेशा प्राथमिकी और पुलिस मामले दर्ज करके डराने की कोशिश करती है। मैं बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। राहुल गांधी ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में जो भी कहा है, मैं उस विचार से कैसे सहमत हो सकता हूं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू ने कहा, राहुल गांधी और उनकी पार्टी 100 प्राथमिकी दर्ज कर सकती है, मैं देश की एकता के लिए बोलूंगा।

सपा विधायक जाहिद बेग ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया

भदोही। उप्र के भदोही जिले में आत्महत्या के लिए उकसाने और बाल श्रम कानून के उल्लंघन के आरोपी भदोही से सपा के विधायक जाहिद बेग ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। बेग को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सपा अध्यक्ष ने बेग का नाम लिए बिना लखनऊ में संबोधित करते हुए इस घटना पर कहा, यह घटना दुखद है। कोई भी नहीं चाहेगा कि उनके घर पर ऐसी घटना हो। उन्हें इसलिए परेशान किया जा रहा है क्योंकि वह सपा से हैं और दूसरी बात यह कि इससे भाजपा को हिंदू-मुस्लिम विभाजन पैदा करने में फायदा होगा। यह सपा को बदनाम करने की भाजपा की रणनीति है। पुलिस ने सपा विधायक बेग, उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे जाएम बेग के खिलाफ एक नाबालिग लड़की से घर में बाल श्रम करवाने और एक अन्य नौकरानी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में बेग के बेटे जाएम को बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। विधायक बेग ने अदालत में पेश होने के बाद पुलिस वैन में ले जाए जाने के दौरान कहा, पुलिसकर्मियों ने मुझ पर हमला किया है... मैं कोई गुंडा या बदमाश नहीं हूं। मुझे नहीं पता कि किसके निर्देश पर और क्यों यह सब किया जा रहा है। बेग के वकील मजहर शकील ने बताया कि विधायक ने सीजेएम की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया गया है। नौ सितंबर को विधायक जाहिद बेग के घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली 17 वर्षीय एक लड़की का शव स्टोर रूम में फंदे से लटका हुआ पाया गया था, जिसके अगले ही दिन भदोही पुलिस और श्रम प्रवर्तन विभाग के कर्मियों द्वारा की गई छापेमारी के दौरान विधायक से 17 वर्षीय एक अन्य नौकरानी को मुक्त कराया गया था।

मंदिर के पास बनी मजार को तोड़कर शिवलिंग स्थापित किया, पुलिस ने हटवाया

शाहजहांपुर (उप्र)। जिले के एक गांव में अराजक तत्वों ने कथित तौर पर मंदिर के पास बनी मजार को तोड़कर वहां शिवलिंग स्थापित कर दिया जिसे बाद में पुलिस ने हटवाया और स्थिति को सामान्य किया। इस मामले में पुलिस ने मंदिर के पुजारी तथा कुछ अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है और गांव में बड़ी संख्या में पुलिस तथा पीएसी बल को तैनात किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मनोज अवस्थी ने बृहस्पतिवार को बताया कि थाना सिधौली अंतर्गत सहोरा गांव में एक मंदिर के पास दो मजार हैं। मजारों पर एक समुदाय के लोगों ने झालर लगाकर सजावट की थी और पुलिस ने यह सूचना मिलने पर मंगलवार को झालर आदि हटवा दी थी। पुलिस इस मामले में जांच कर रही थी कि झालर किसने लगाई, लेकिन इस बीच मंगलवार को किसी समय अराजक तत्वों ने एक मजार के ऊपरी हिस्से को तोड़ दिया। अवस्थी ने बताया कि इसके बाद मजार पर शिवलिंग स्थापित कर दिया गया, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक वहां दोनों समुदायों की काफी भीड़ जमा हो गई थी और स्थानीय पुलिस ने इस बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस ने मजार पर स्थापित किए गए शिवलिंग को हटा दिया है तथा गांव में तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल के अलावा क्यूआरटी तथा पीएसी को तैनात किया गया है। पुलिस ने रियाजुद्दीन नामक व्यक्ति की शिकायत पर मंदिर के पुजारी नेवाराम समेत अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

पेज 1 का शेष

भारत नहीं..

शाम के बाद सब कुछ बंद हो जाता था और घर-घर जाकर प्रचार करना संभव नहीं था। जब वे ऐशो-आराम में जी रहे थे, तब आपके अधिकार छीन लिए गए। यह पहली बार है जब मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव आतंकवाद की छाया में नहीं हो रहे हैं। घाटी के प्रमुख धार्मिक स्थलों हजरतबल दरगाह, चरार-ए-शरीफ, ख्वाजा साहब की दरगाह, शंकराचार्य और खीर भवानी मंदिर का नाम लेते हुए मोदी ने कहा कि तीन परिवारों के शासनकाल में ये पवित्र स्थल भी सुरक्षित नहीं थे। फिल्मों की शूटिंग पर रोक लगा दी गई, सिनेमाघरों पर ताले लगा दिए गए, जबकि लाल चौक पर तिरंगा फहराना आग से खेलने के बराबर था। हालांकि, अब तस्वीर बदल गई है। पहले लाल चौक जाना डरावना लगता था, लेकिन आज देर शाम तक चहल-पहल रहती है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि दुकानदारों से लेकर शिकारा वाले तक, हर कोई अब आसानी से अपनी आजीविका कमा रहा है। मोदी ने कहा, यह माहौल, यह शांति इसे कौन लाया। आप लाए, यह काम जम्मू-कश्मीर के लोगों ने किया। कश्मीरी हिंदुओं ने कश्मीरियत को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, तीन परिवारों ने उन्हें गुलाम बना लिया। उन्होंने हमारे हिंदू भाइयों के साथ अन्याय किया। पीएम ने कहा कि कश्मीरी सिखों और हिंदुओं के साथ हुए अन्याय में कांग्रेस, जेकेएनसी और पीडीपी की मिलीभगत थी।

हिज्बुल्लाह...

वह युद्ध में एक नए चरण की शुरुआत में हैं। इसके लिए साहस, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता की आवश्यकता है। उन्होंने विस्फोटक उपकरणों का कोई जिक्र नहीं किया, लेकिन इजरायल की सेना और सुरक्षा एजेंसियों के काम की सराहना करते हुए कहा कि परिणाम बहुत प्रभावशाली हैं। गैलेंट ने कहा कि गाजा में हमास से महीनों तक लड़ने के बाद, संसाधनों और बलों को ध्यान उत्तर की ओर स्थानांतरित हो रहा है। हिजबुल्लाह ने गुरुवार की सुबह कहा कि उसने उत्तरी इजरायल में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, बिना यह बताए कि उसने कौन से हथियारों का इस्तेमाल किया। इजरायली अस्पतालों ने बताया कि उन्होंने हमलों में घायल हुए कम से कम आठ मरीजों का इलाज किया। सेना ने गुरुवार की सुबह कहा कि उसने रात भर दक्षिणी लेबनान में कई आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। हमलों की बौछार हिजबुल्लाह द्वारा यह संकेत था कि वह अपनी लगभग दैनिक गोलीबारी जारी रखेगा, जिसके बारे में उसका कहना है कि यह हमास के लिए समर्थन का प्रदर्शन है, जबकि इजरायल ने गाजा में 11 महीने से अभियान चलाया हुआ है, जो फिलिस्तीनी आतंकवादियों द्वारा 7 अक्टूबर को इजरायल पर किए गए हमले का बदला है। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में हमलों के साथ हिजबुल्लाह की गोलीबारी का जवाब दिया है, और राजधानी बेरूत में समूह के वरिष्ठ लोगों को मारा है। इन हमलों में लेबनान में सैकड़ों और इजरायल में दर्जनों लोग मारे गए हैं और सीमा के दोनों ओर के हजारों निवासियों को निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा है। संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और अन्य देशों के भारी दबाव के कारण इजरायल और हिजबुल्लाह युद्ध से पीछे हट गए थे लेकिन अपनी हालिया चेतावनियों में, इजरायली नेताओं ने कहा है कि वे यथास्थिति को नाटकीय रूप से बदलने के लिए दृढ़ हैं। इजरायल के अधिकारियों ने कहा कि एहतियात के तौर पर इजरायल ने बुधवार को लेबनान के साथ अपनी सीमा पर और अधिक सैनिकों को भेजना शुरू कर दिया। इजराइल के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने कहा कि हिज्बुल्लाह के खिलाफ अतिरिक्त कार्रवाई के लिए योजनाएँ तैयार की गई हैं, हालाँकि मीडिया ने बताया कि सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि लेबनान में कोई बड़ा हमला किया जाए या नहीं। इस बीच, लेबनान मंगलवार और बुधवार को हुए अभूतपूर्व सामूहिक बम विस्फोटों से अभी भी उबर रहा है। विस्फोटों ने बड़े पैमाने पर युद्ध की आशंका से चिंतित लेबनानी लोगों को झकझोर दिया है। लेबनानी सेना ने कहा कि वह संदिग्ध पेजर और संचार उपकरणों का पता लगा रही है और उन्हें निष्क्रिय कर रही है, जबकि देश के नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने अगले आदेश तक बेरूत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले सभी हवाई जहाजों पर पेजर और वॉकी-टॉकी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पन्नू केस..

हमने कहा है कि यह सरकार की नीति के भी विपरीत है।' इस साल मई में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत इस मामले की जांच कर रहा है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे भारत-अमेरिका संबंधों के 'आगे बढ़ने' पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, अमेरिका ने कुछ जानकारी हमारे ध्यान में लाई गई है, हमारा मानना है कि इनमें से कुछ का हमारे अपने सिस्टम पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, हम इसकी जांच कर रहे हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते संबंधों की मूल दिशा पर इसका कोई असर पड़ेगा। निखिल गुप्ता को पिछले साल चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। उन पर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। उन्हें इस साल जून में चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। अप्रैल 2024 में, द वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि भारत के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एक अधिकारी विक्रम यादव को साजिश के पीछे के अधिकारी के रूप में फंसाया गया था। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया था कि तत्कालीन रॉ प्रमुख सामंत गोयल ने ऑपरेशन को मंजूरी दी थी। हालांकि, भारत ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि यह दावा करना अनुचित और निराधार आरोप है कि पन्नू की हत्या की साजिश में भारतीय एजेंट शामिल थे। गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है और वह आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित है। उसे केंद्रीय गृह मंत्री ने सख्त आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है।

आतंकवाद...

अग्रवाल ने कहा कि एफएटीएफ ने कहा है कि आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए निवारक उपाय किए जाने चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि आयकर विभाग ने जोखिम में एनपीओ की पहचान करने के लिए कई डेटा बिंदुओं का उपयोग किया है और एनपीओ के साथ उन्हें संवेदनशील बनाने के लिए निरंतर संपर्क किया जा रहा है ताकि उन्हें आतंकवाद के वित्तपोषण के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न किया जा सके। अग्रवाल ने कहा, किसी भी मानक पर भारत की रेटिंग (एफएटीएफ द्वारा) कम नहीं है, यह या तो उच्च रेटिंग है या मध्यम रेटिंग है।

बिहार में..

जीतन राम मांझी ने बिहार के नवादा जिले में घरों में आग लगाने की घटना की निंदा की और कहा कि राज्य सरकार मामले की जांच कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 कार्यक्रम से इतर मीडिया से बातचीत में कहा, यह दु:खद घटना है। यह निंदनीय और शर्मनाक भी है। वह राज्य सरकार के संपर्क में हैं। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि जो लोग प्रभावित हुए हैं उनका पुनर्वास किया जाए और घायलों का इलाज किया जाए।

भारत के...

मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इससे मेहमानों के लिए यादगार अनुभव होने के साथ आगंतुकों और स्थानीय समुदायों के बीच संबंध बढ़ेंगे। कॉग्निटिव मार्केट रिसर्च के अनुसार, भारत के होमस्टे बाजार की 2024 में 540.44 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बाजार हिस्सेदारी थी और पूर्वानुमानित अवधि के दौरान 11.0 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है। देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध परिदृश्य और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच अनुभवात्मक यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता के कारण भारत की होमस्टे की बिक्री बढ़ेगी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी में प्रकाशित 'होमस्टे का भविष्य : हिमाचल प्रदेश (भारत) में अवसरों और चुनौतियों पर एक अध्ययन' में, लेखक डॉ. ममता जोशी और डॉ. पूजा जोशी, दोनों कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में सहायक प्रोफेसर हैं, ने एक चेतावनी को लेकर टिप्पणी की है। 'होमस्टे का माहौल बनाना और मेज़बान समुदाय को सभी हितधारकों के लाभ के लिए व्यवसाय चलाने में सुविधा प्रदान करना लाभदायक है। फिर भी अनगिनत अस्थायी चुनौतियां हैं जिन्हें उचित रणनीतियों और सावधानीपूर्वक योजना बनाकर हल किया जा सकता है।'

अमेरिका में बाइडन के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच शनिवार को क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर महत्वपूर्ण बातचीत होगी और वार्ता के बाद दोनों पक्ष कम से कम दो समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक समझौता हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचे (आईपीईएफ) से संबंधित होगा और दूसरा समझौता ज्ञापन (एमओयू) भारत-अमेरिका ड्रग फ्रेमवर्क पर होगा।मोदी वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने और संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए 21 सितंबर से अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। मोदी 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन के मौके पर बाइडन, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और उनके जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश में भारत का हाथ होने के वाशिंगटन के आरोपों के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ असहजता के बीच मोदी और बाइडन के बीच बातचीत होगी। अमेरिका साजिश की भारतीय जांच पर जानकारी के लिए भारत पर लगातार दबाव डालता रहा है और कहता रहा है कि वह मामले में जवाबदेही चाहता है। बैठक में मोदी द्वारा रूस-यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने पर मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अपनी हालिया बातचीत से बाइडन को अवगत कराए जाने की भी उम्मीद है। मिस्री ने कहा, यह प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बाइडन के बीच एक ठोस वार्ता का अवसर होगा, जहां उन्हें भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा, जो आज 50 प्लस वार्ता तथा द्विपक्षीय संवाद तंत्रों के माध्यम से मानव प्रयास के लगभग हर पहलू को कवर करता है। वह मोदी की अमेरिका यात्रा के बारे में मीडिया को जानकारी दे रहे थे। मिस्री ने कहा, यह भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने और महत्वपूर्ण तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल जैसी कई नई पहलों में अग्रणी भूमिका के लिए राष्ट्रपति बाइडन को धन्यवाद देने का अवसर भी होगा। विदेश सचिव ने कहा कि दोनों पक्षों को कुछ समझौतों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा जिनमें से एक आईपीईएफ पर होगा। आईपीईएफ पर समझौता स्वच्छ अर्थव्यवस्था और सभी को समान अवसर देने वाली अर्थव्यवस्था स्तंभों से संबंधित है। हिंद-प्रशांत के लिए वाशिंगटन के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अनुरूप बाइडन ने मई 2022 में महत्वाकांक्षी हिंद-प्रशांत आर्थिक समृद्धि ढांचे (आईपीईएफ) की शुरुआत की थी। यह एक पहल है जिसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला लचीलापन और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में समान विचारधारा वाले देशों के बीच गहरा सहयोग करना है। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अलावा, आईपीईएफ के अन्य सदस्य देश ब्रुनेई दारुस्सलाम, फिजी, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपीन, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम हैं। आईपीईएफ के चार स्तंभ हैं- व्यापार, आपूर्ति-श्रृंखला लचीलापन, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और सभी को समान अवसर देने वाली अर्थव्यवस्था। इस सवाल पर कि क्या मोदी अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे, मिस्री ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री के साथ कई बैठकों का कार्यक्रम तय करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपको किसी विशिष्ट बैठक के बारे में नहीं बता पाऊंगा- कि बैठक को अंतिम रूप दिया गया है या नहीं। मिस्री ने कहा, हम हर पहलू से देख रहे हैं कि हमारे पास कितना समय है और हम किसके साथ बैठक कर सकते हैं।

राजनाथ ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों को किया अलर्ट

किसी भी स्थिति से निपटने को रहें तैयार

नई दिल्ली। (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना के शीर्ष कमांडरों से उथल-पुथल वाले वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहने का बृहस्पतिवार को आह्वान किया और भारत की समग्र नौसैनिक क्षमता को और बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत को अब हिंद महासागर में तरजीही वाले सुरक्षा साझेदार के रूप में देखा जाता है और भारतीय नौसेना इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रक्षा मंत्री ने अत्याधुनिक जहाजों और पनडुब्बियों को शामिल करके भारतीय नौसेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास को दोहराया। सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय शिपयार्ड में 64 जहाज और पनडुब्बियां निर्माणाधीन हैं, और 24 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म के लिए ऑर्डर दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय नौसेना की बढ़ती ताकत को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कमांडरों से समय-समय पर आत्मनिरीक्षण जारी रखने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने कमांडरों से उथल-पुथल वाले मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में हर स्थिति के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया। सिंह ने आर्थिक, व्यापारिक, परिवहन और समग्र राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए मजबूत नौसैनिक क्षमता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, दुनिया का बड़ा व्यापार इस क्षेत्र से होकर गुजरता है, जो इसे मूल्यवान बनाता है। साथ ही, समुद्री डकैती, अपहरण, ड्रोन हमले, मिसाइल हमले और समुद्र में समुद्री केबल कनेक्शन में व्यवधान जैसी घटनाएं इसे बेहद संवेदनशील बनाती हैं। उनकी इस टिप्पणी को हूती आतंकवादियों द्वारा पिछले कुछ महीनों में लाल सागर और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न मालवाहक जहाजों और पोतों को निशाना बनाने के संदर्भ में देखा जा रहा है। सिंह ने कहा, हमारी नौसेना ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सभी हितधारक देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने और हिंद महासागर क्षेत्र में माल की सुचारू आवाजाही में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, नौसेना के समुद्री डकैती विरोधी अभियानों की न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी सराहना हो रही है। भारत को अब इस पूरे क्षेत्र में तरजीही वाले सुरक्षा साझेदार के रूप में देखा जा रहा है। जब भी जरूरत होगी, हम इस क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। नौसेना कमांडरों का सम्मेलन शीर्ष स्तरीय अर्द्धवार्षिक आयोजन है, जिसमें महत्वपूर्ण रणनीतिक, अभियानगत और प्रशासनिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाता है। चार दिवसीय सम्मेलन मंगलवार को शुरू हुआ।

पश्चिम एशिया में उभरती भू-राजनीतिक तथा भू-रणनीतिक गतिविधियों, क्षेत्रीय चुनौतियों और समुद्री सुरक्षा स्थिति की जटिलता की पृष्ठभूमि में आयोजित यह सम्मेलन भारतीय नौसेना के भविष्य के कदमों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए कई सुधार किए

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए पिछले 10 वर्षों में कई सुधार किए है। इन कदमों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भारत खाद्य क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता तथा सुरक्षा के वैश्विक मानक स्थापित करे। प्रधानमंत्री का संदेश विश्व खाद्य भारत 2024 के तीसरे संस्करण में पढ़ा गया। यह कार्यक्रम 19 से 22 सितंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 90 से अधिक देश हिस्सा लेंगे। मोदी ने कहा, आधुनिक युग में प्रगतिशील कृषि पद्धतियों, मजबूत प्रशासनिक ढांचे और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के जरिए हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि भारत खाद्य क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता तथा सुरक्षा के लिए वैश्विक मानक स्थापित करे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार लागू किए है। प्रधानमंत्री ने कहा, खाद्य प्रसंस्करण में 100 प्रतिशत एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी बहुआयामी पहलों के जरिए हम देश भर में आधुनिक बुनियादी ढांचे, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं और रोजगार सृजन का मजबूत परिवेश तैयार कर रहे है। मोदी ने कहा कि कई देशों की भागीदारी से विश्व खाद्य भारत 2024 वैश्विक खाद्य उद्योग, शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में प्रतिभाशाली लोगों के लिए विशेष मंच के रूप में सामने आया है। इसमें वे बढ़ते अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकते है। उन्होंने कहा, भारत में एक जीवंत तथा विविध खाद्य संस्कृति है। भारतीय खाद्य परिवेश की रीढ़ किसान है। यह किसान ही है जिन्होंने पाक उत्कृष्टता की पौष्टिक तथा स्वादिष्ट परंपराओं को सुनिश्चित किया है। हम नवीन नीतियों और उनके कार्यान्वयन के साथ उनकी कड़ी मेहनत का समर्थन कर रहे है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य छोटे उद्यमों को सशक्त बनाना है। मोदी ने साथ ही कहा कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन का आयोजन विश्व स्वास्थ्य संगठन, खाद्य एवं कृषि संगठन और कई प्रतिष्ठित घरेलू संस्थानों सहित वैश्विक नियामकों को एक मंच पर लाएगा।

अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए श्वेत क्रांति 2.0 की शुरुआत की

नई दिल्ली। भारत के डेयरी सहकारी क्षेत्र को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को श्वेत क्रांति 2.0 की शुरुआत की। इसे महिला किसानों को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से एक व्यापक पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें महिला किसानों को सशक्त बनाना, स्थानीय दूध उत्पादन को बढ़ाना, डेयरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और डेयरी निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है। यह कार्यक्रम नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में शुरू की गई तीन पहल में से एक है। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, डेयरी क्षेत्र में अधिकतर महिलाएं लगी हुई है, जिनमें से कुछ अकेले गुजरात में 60,000 करोड़ रुपए का कारोबार कर रही है। यह नई पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करने पर केंद्रित होगी। मंत्री ने डेयरी किसानों के लिए देशभर में रुपे किसान क्रेडिट कार्ड की शुरुआत और डेयरी सहकारी समितियों में सूक्ष्म-एटीएम की स्थापना की भी शुरुआत की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 67,930 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की।

एक देश एक चुनाव की आलोचना में जल्दबाजी कर रहा विपक्ष: जयंत

नई दिल्ली (भाषा) एक देश एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के एक दिन बाद केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्ष आलोचना करने में बहुत जल्दबाजी कर रहा है।ज य ंत चौधरी ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई बयान देने से पहले विचार करने की जरूरत हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की एक देश एक चुनाव (ओएनओई) रिपोर्ट को मंजूरी दे दी।हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि चुनाव आते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसी बातें करती है। यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) एक देश एक चुनाव का समर्थन करता है, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री चौधरी ने कहा, ैआप ऐसा कह सकते हैं, हम सरकार का हिस्सा हैं, इसलिए मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए प्रत्एक निर्णय के साथ हम अपनी सामूहिक जिम्मेदारी पूरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को इस बात की गहरी समझ विकसित करने की जरूरत है कि वास्तव में क्या प्रस्तावित किया जा रहा है। जयंत चौधरी ने संवाददाताओं से वास्तव में क्या प्रस्तावित किया जा रहा है। जयंत चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ैहम आलोचना करने में बहुत जल्दबाजी कर रहे हैं, विपक्षी दलों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा। विपक्षी दल हर निर्णय का विरोध करने के लिए नहीं हैं, ए निर्णय केवल उन लोगों के लिए नहीं हैं जो आज सत्ता में हैं, ए निर्णय जमीनी स्तर पर हमारे लोकतंत्र के प्रभाव को गहरा और मजबूत करने के लिए हैं। वह यहां एक समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति की रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी : कृषि मंत्री

नई दिल्ली। (भाषा) कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सरकार फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बनी समिति की रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक करेगी। इस समिति का गठन तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने के बाद किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन की उपलब्धियों का ब्योरा देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चौहान ने कृषि के आधुनिकीकरण तथा किसानों की सहभागिता में सुधार लाने के मकसद से कुछ नई पहल का भी अनावरण किया। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के साथ कृषि

नवाचारों को साझा करने के लिए एक नए कार्यक्रम आधुनिक कृषि चौपाल को अक्टूबर से दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाएगा। कृषि मंत्रालय में किसानों तथा कृषि जगत के लोगों के साथ मंत्री किसान संवाद नामक पहल के तहत हर सप्ताह बातचीत भी करेंगे। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कपास प्रौद्योगिकी के बहुप्रतीक्षित नियामकीय अनुमोदन पर चौहान ने कहा, यह हमारे लिए एक संवेदनशील विषय है। गहन विचार-विमर्श के बाद अनुमोदन दिया जाएगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर समिति की रिपोर्ट के बारे में चौहान ने पत्रकारों से कहा, रिपोर्ट अभी तैयार नहीं हुई है। समिति लगातार इसपर काम कर रही है। एमएसपी पर पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में बनी समिति ने अब तक दो दर्जन से अधिक बैठकें तथा कार्यशालाएं आयोजित की हैं। समिति का गठन जुलाई, 2022 में किया गया था। गठन से आठ महीने पहले सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेते हुए समिति गठित करने का वादा किया था।

खरगे के पत्र पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा राजनीति में ऐसे प्रेम पत्र चलते रहते हैं

बागपत। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि राजनीति में ऐसे प्रेम पत्र चलते रहते हैं।खरगे ने मंगलवार को मोदी के समक्ष सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाना बनाकर दिए गए बेहद आपत्तिजनक और हिंसक बयानों का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री से अपनी पार्टी के नेताओं को अनुशासित करने का आग्रह किया था। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में इस तरह के बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की थी ताकि भारतीय राजनीति का पतन रोका जा सके और कोई भी अप्रिय घटना ना घटे। चौधरी ने इस बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, राजनीति में ऐसे प्रेम पत्र चलते रहते हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, वे केवल ट्वीट करना (एक्स पर पोस्ट करना) जानते हैं। यह उनका अधिकार है कि वे जितने चाहें उतने ट्वीट करें। केंद्रीय मंत्री यहां विभिन्न कौशल विकास योजनाओं का उद्घाटन करने आए थे।उन्होंने कहा, एक देश, एक चुनाव के तहत लोगों को भरोसा होना चाहिए कि सरकार संविधान को मजबूत करने के लिए फैसले ले रही है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों के लिए बिजली दरें कम होनी चाहिए क्योंकि वे बिजली बिल का भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं और उनसे जबरन वसूली भी नहीं होनी चाहिए।पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ स्थापित करने की जिला बार एसोसिएशन की मांग पर चौधरी ने कहा कि वह इस मांग के समर्थन में हैं और जल्द ही केंद्र के समक्ष इस मांग को उठाएंगे।

तिरुपति लड्डू विवाद: तेदेपा ने प्रयोगशाला रिपोर्ट में गोमांस की चर्बी होने का दावा किया

अमरावती। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी के कथित उपयोग को लेकर उठे विवाद के बीच, सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला द्वारा मिलावट की पुष्टि की गई है। विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने इस आरोप का जोरदार खंडन किया है। तेदेपा प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कथित प्रयोगशाला रिपोर्ट दिखाई, जिसमें दिए गए घी के नमूने में गोमांस की चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि की गई थी। कथित प्रयोगशाला रिपोर्ट में नमूनों में लार्ड (सूअर की चर्बी से संबंधित) और मछली के तेल की मौजूदगी का भी दावा किया गया है।

जोखिम वाले गैर-लाभकारी संगठनों के मामले में बारीक नजर रखेगा भारत

नई दिल्ली।(भाषा) भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जोखिम वाले गैर-लाभकारी संगठनों से निपटने के लिए बारीक नजर रखेगा। यह मुद्दा वैश्विक अपराध निगरानी संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने अपनी रिपोर्ट में उठाया है। हालांकि, रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लांड्रिंग से निपटने के प्रयासों की सराहना की गई है। वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (राजस्व) विवेक अग्रवाल ने कहा कि भारत ने वित्तीय कार्रवाई कार्यबल के छह मामलों में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसमें जोखिम, नीति और समन्वय, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्तीय आसूचना, जब्ती तथा वित्तपोषण का प्रसार शामिल हैं। गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) के दुरुपयोग और आतंकवाद को वित्तपोषण प्रतिबंधों के साथ-साथ मनी लॉन्डिंग तथा आतंकवाद वित्तपोषण मामलों के अभियोजन सहित पांच अन्य मापदंडों पर भारत को मध्यम रेटिंग मिली है।

अग्रवाल ने आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए गैर-लाभकारी संगठनों के दुरुपयोग के संबंध में कहा कि भारत में एनपीओ के दुरुपयोग की गुंजाइश बहुत कम है क्योंकि नकद चंदे पर एक सीमा है। उन्होंने कहा, हम यह मामला बनाने की कोशिश कर रहे थे कि नियामकीय ढांचा बेहतर है... उनका मामला यह है कि चूंकि गैर-लाभकारी संगठनों का क्षेत्र बहुत बड़ा है, हमारे पास अच्छे जोखिम-आधारित

उपाय होने चाहिए... हमें जोखिम वाले एनपीओ की पहचान करने के लिए अधिक सख्त दृष्टिकोण का कोई मामला नजर नहीं आता है। अग्रवाल ने कहा कि भारत के प्रयास गैर-लाभकारी संगठनों के साथ बेहतर पहुंच बनाने की दिशा में हैं ताकि उन्हें अपने खाते और चंदा देने वालों की सूची बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके तथा गड़बड़ियों की आशंका कम से कम हो। अग्रवाल ने कहा कि भारत ने आजादी के बाद से लगातार आतंकवाद के प्रभाव को झेला है और इस खतरे से निपटने के लिए कदम उठा रहा है। एफएटीएफ भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट में भारत को नियमित तौर पर जानकारी जुटाने की श्रेणी में अद्यतन किया है। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद के खतरों के केंद्र हैं इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट (आईएसआईएल), अल-कायदा से जुड़े आतंकवादी समूह, व्यक्तियों का कट्टरपंथ, उत्तर पूर्व में क्षेत्रीय विद्रोह और नक्सली समस्या। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने मनी लॉन्डिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए एक प्रभावी प्रणाली लागू की है, लेकिन धनशोधन या मनी लॉन्डिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों में अभियोजन को मजबूत करने के लिए बड़े सुधार की आवश्यकता है।

अग्रवाल ने कहा कि भारत आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्डिंग मामलों में सुनवाई प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की जरूरत को समझता है और इसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि एफएटीएफ की सिफारिशों में, आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्डिंग मामलों में तेजी से सुनवाई करना महत्वपूर्ण है। बाकी सिफारिशें सहायक प्रकृति की हैं। अग्रवाल ने कहा, हमने डिस्टिंक्शन के साथ परीक्षा पास की है। चूंकि भारत एफएटीएफ के अनुसार, नियमित तौर पर काम कर रहा है, अत: देश तीन साल के बाद जोखिम आकलन की रिपोर्ट दे सकता है।

भारतीय रक्षा उद्योग को अफ्रीका में साझेदारी की उम्मीद

जोहानिसबर्ग। भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की आठ और निजी क्षेत्र की दो रक्षा उपकरण विनिर्माता कंपनियां अफ्रीका एयरोस्पेस एंड डिफेंस एक्सपो में हिस्सा ले रही हैं। ये कंपनियां अपने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को प्रदर्शित कर रही हैं और बिक्री के बाद उनके रखरखाव में सहयोग की पेशकश कर रही हैं। अफ्रीका एयरोस्पेस एंड डिफेंस (एएडी) में हिस्सा ले रहे अधिकारियों ने बताया कि रखरखाव को एक महत्वपूर्ण कारक मानते हुए रक्षा क्षेत्र की इन शीर्ष कंपनियों को विश्वास है कि वायु, भूमि और समुद्री उत्पादों में भारत की क्षमता को महाद्वीप और वैश्विक स्तर पर पसंद किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की प्रशासनिक राजधानी च्वेन में स्थित वाटरक्लूफ वायुसेना केंद्र पर आयोजित एएडी प्रदर्शनी देश के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़ा योगदान देने वाले आयोजनों में से एक है। इस साल 18 से 22 सितंबर तक एएडी के तहत प्रदर्शनी और एयर शो आयोजित किया जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने प्रदर्शनी में भारत के पैवेलियन का बुधवार को आधिकारिक उद्घाटन करने के बाद कहा, हमारे उत्पादों ने लड़ाई की स्थिति में अच्छा प्रदर्शन किया है और इसलिए वे अफ्रीकी देशों के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। मुझे भरोसा है कि वे इन उत्पादों की खरीद करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के उद्यम आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय द्विवेदी ने कहा कि यह पहली बार है कि वे प्रदर्शक के रूप में भाग ले रहे हैं।

एवीएनएल 1962 से ही अलग-अलग प्रकार के टैंक, लड़ाकू वाहनों और बारूदी सुरंग से बचने में सक्षम वाहनों और टैंक के इंजन का उत्पादन कर रहा है। द्विवेदी ने कहा, हम जानते हैं कि अफ्रीका के रक्षा बाजार में बहुत अधिक संभावना है और हम अपने उत्पाद को बेच सकते हैं और साथ ही उनके वाहनों के बनाने और आधुनिकीकरण में मदद कर सकते हैं। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के विपणन महानिदेशक मनोज यादव ने कहा कि कंपनी अपने नवीनतम उत्पाद आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर को प्रदर्शित कर रही है। भारत डायनामिक्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक गिरीश प्रधान ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों को आपूर्ति किए जा रहे लड़ाकू हथियारों की दक्षिण अफ्रीका में तैनाती की काफी संभावनाएं हैं। इसके अलावा अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने वाली कंपनियों में इंडिया ऑप्टेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड शामिल हैं।

पाक ने भारत से सिंधु जल संधि के प्रावधानों का सम्मान करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद। भारत द्वारा सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस दिए जाने के कुछ दिनों बाद, इस्लामाबाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस समझौते को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि नई दिल्ली भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा। भारत और पाकिस्तान ने नौ वर्षों की वार्ता के बाद 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि (आईडब्लूटी) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका एकमात्र उद्देश्य सीमा पार की नदियों का प्रबंधन करना था। नई दिल्ली में बुधवार को सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत ने 30 अगस्त को पाकिस्तान को एक औपचारिक नोटिस भेजकर 64 साल पुराने समझौते की समीक्षा की मांग की थी, जिसमें उसने परिस्थितियों में मौलिक और अप्रत्याशित बदलावों और सीमा पार से लगातार जारी आतंकवाद के प्रभाव का हवाला दिया था। भारत के नोटिस पर एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने यहां संवाददाताओं से कहा, पाकिस्तान सिंधु जल संधि को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि भारत भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा। बलूच ने बताया कि दोनों देशों के बीच सिंधु जल आयुक्तों का एक तंत्र है और संधि से जुड़े सभी मुद्दों पर इसमें चर्चा की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि संधि से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए कोई भी कदम समझौते के प्रावधानों के तहत ही उठाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेश कार्यालय के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि पाकिस्तान उस समझौते में संशोधन में रुचि नहीं रखता है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच जल बंटवारे के जटिल मुद्दे का समाधान किया गया था। सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच प्रमुख समझौतों में से एक है, जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है और दोनों पड़ोसियों के बीच युद्धों और तनावों के बावजूद इसका पालन किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में फलस्तीन के प्रस्ताव पर मतदान से भारत अनुपस्थित रहा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में उस प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिसमें इजराइल से एक साल के भीतर कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र में उसकी अवैध उपस्थिति समाप्त करने की मांग की गई। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि वह बातचीत और कूटनीति का प्रबल समर्थक है और विभाजन को बढ़ाने के बजाय सेतु बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इस संबंध में 193 सदस्ईय महासभा ने बुधवार को प्रस्ताव को पारित कर दिया, जिसके पक्ष में 124 देशों ने, विरोध में 14 देशों ने मतदान किया और भारत समेत 43 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

यूएनजीए में पूर्वी यरुशलम सहित कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल की नीतियों और कार्यों तथा कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल की निरंतर अवैध मौजूदगी से उत्पन्न कानूनी परिणामों पर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की राय शीर्षक से प्रस्ताव पारित किया गया। जिन देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, उनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, इटली, नेपाल, यूक्रेन और ब्रिटेन शामिल हैं। इजराइल और अमेरिका ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया।

प्रस्ताव पर मतदान के संदर्भ में टिप्पणी करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने इजराइल-फलस्तीन मुद्दे का न्यायसंगत, शांतिपूर्ण और स्थाई समाधान प्राप्त करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और दोहराया कि दोनों पक्षों के बीच प्रत्यक्ष और सार्थक वार्ता के माध्यम से दो-राष्ट्र समाधान से ही स्थाई शांति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा, भारत आज के मतदान से दूर रहा। हमलोग बातचीत और लोकतंत्र के दृढ़ समर्थक रहे हैं। हमारा मानना है कि संघर्ष के समाधान का कोई और रास्ता नहीं है।

हरीश ने जोर दिया कि युद्ध में कोई विजई नहीं होता। उन्होंने कहा कि संघर्ष में सिर्फ लोगों की जान जाती है और तबाही होती है। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को करीब लाने की दिशा में संयुक्त प्रयास होना चाहिए, न कि उन्हें और दूर करने की दिशा में। हमें सेतु बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए, न कि विभाजन को और बढ़ाना चाहिए। भारत ने महासभा से शांति के लिए वास्तविक प्रयास करने का आग्रह किया। हरीश ने संघर्ष के समाधान और मानवीय पीड़ा को समाप्त करके शांति की बहाली के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम इसी भावना से प्रेरित होते रहेंगे। हम स्थाई शांति प्राप्त करने की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए तैयार हैं।

सांप्रदायिक हिंसा की दो हजार से अधिक घटनाओ मे नौ लोगो की मौत

ढाका। हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के एक अल्पसंख्यक समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि चार से 20 अगस्त के बीच सांप्रदायिक हिंसा की दो हजार से अधिक घटनाओं में कम से कम नौ लोग मारे गए और 69 उपासना स्थलों पर हमला किया गया तथा तोड़फोड़ की गई। डेली स्टार समाचार पत्र की खबर के अनुसार बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद के नेता निर्मल रोजारियो ने संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में सांप्रदायिक हिंसा की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच का आह्वान किया। संगठन के उपाध्यक्षों में से एक निर्मल रोजारियो के हवाले से अखबार ने खबर में बताया कि कि चार से 20 अगस्त के बीच देशभर के 76 जिलों और महानगरीय क्षेत्रों में से 68 में सांप्रदायिक हिंसा की कुल 2,010 घटनाएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप नौ लोगों की मौत हो गई।

सांप्रदायिक हिंसा का ब्योरा देते हुए निर्मल ने कहा कि हिंसा से ।,705 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए थे। ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि 157 परिवारों के घरों पर हमला किया गया, लूटपाट की गई, तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। निर्मल ने कहा कि ए परिवार अब बहुत ही खराब स्थिति में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुलना संभाग में सबसे अधिक हिंसा हुई। 1,705 प्रभावित परिवारों में से 34 मूलनिवासी समुदायों के थे तथा कुछ परिवारों की जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। निर्मल ने संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में सांप्रदायिक हिंसा की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच का आह्वान किया। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद के महासचिव राणा दासगुप्ता और अन्य नेताओं के खिलाफ झूठे मामलों को वापस लेने, सांप्रदायिक हिंसा को समाप्त करने और अपराधियों की गिरफ्तारी की भी मांग की।

क्वाड पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हुआ है: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि डेलावेयर में होने वाला आगामी क्वाड शिखर सम्मेलन यह दर्शाएगा कि चार देशों का यह समूह पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हो गया है। क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) में चार देश ऑस्ट्रेलिया, जापान, भारत और अमेरिका शामिल हैं। जो बाइडन ने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले 100 दिनों में क्वाड में शामिल देशों के साथ साल 2020 में डिजिटल माध्यम से शिखर सम्मेलन का नेतृत्व किया था। तब से क्वाड नेता बारी-बारी से हर साल शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार निदेशक जॉन किर्बी ने वाशिंगटन में संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारा मानना है कि इस शिखर सम्मेलन में आप यह देखेंगे कि क्वाड पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और अधिक प्रासंगिक हुआ है।

किर्बी ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब राष्ट्रपति जो बाइडन डेलावेयर के विलमिंगटन में शनिवार को क्वाड के अन्य तीन सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के नेताओं के साथ वार्ता करने वाले हैं। इस साल भारत को क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करनी थी, लेकिन अमेरिका के अनुरोध पर भारत अब अगले साल इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। बाइडन डेलावेयर के विलमिंगटन में 21 सितंबर को क्वाड के चौथे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। किर्बी ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका के राष्ट्रपति अपने गृहनगर विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, वह (बाइडन) क्वाड के नेताओं को ऐसी जगह दिखाने और समुदाय से मिलाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं जिसने एक लोक सेवक और नेता के रूप में उनकी छवि को आकार दिया। यह उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि राजनीति की तरह विदेश नीति भी व्यक्तिगत होती है।

किर्बी ने कहा कि जो बाइडन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से अलग-अलग मुलाकात करेंगे तथा बाद में एक पूर्ण अधिवेशन में उनसे चर्चा करेंगे। किर्बी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के गठबंधन सहयोगियों एवं साझेदारों को और मजबूत करने के उद्देश्य से वहां निवेश करना बाइडन की प्राथमिकता रही है। प्रधानमंत्री मोदी वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने और संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए 21 सितंबर से अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे।

वर्ल्ड बेस्ट स्कूल पुरस्कार के लिए दिल्ली और रतलाम के विद्यालयों ने अंतिम दौर मे बनाई जगह

लंदन। वर्ष 2024 के वर्ल्ड बेस्ट स्कूल पुरस्कार के फाइनल में बृहस्पतिवार को जगह बनाने वाले विद्यालयों में दिल्ली और मध्य प्रदेश के दो नवोन्मेषी विद्यालय शामिल हैं। पुरस्कार जीतने के लिए ए दोनों स्कूल अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों से मुकाबला करेंगे। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित रयान इंटरनेशनल स्कूल और मध्यप्रदेश के रतलाम स्थित सीएम आरआईएसई स्कूल ने फाइनल में जगह बनाई है। यह पुरस्कार एक्सेंचर, अमेरिकन एक्सप्रेस और लेमन फाउंडेशन के सहयोग से लंदन स्थित टी4 एजुकेशन द्वारा स्थापित किया गया है, जिसमें विजेताओं के साथ 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि साझा की जाती है। रेयान इंटरनेशनल स्कूल माध्यमिक विद्यालय तक है जो हाइड्रोपोनिक्स और बायोगैस संयंत्रों जैसी नवीन परियोजनाओं के माध्यम से पानी की कमी और प्रदूषण से निपटने के लिए पर्यावरणीय कार्रवाई के लिए वर्ल्ड बेस्ट स्कूल पुरस्कार जीतने की दौड़ में शामिल है।

इंस्टाग्राम पर किशोरों के लिए नए नियम

द कन्वरसेशन। पर्थ

ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगाए को लेकर जारी बहस के बीच मेटा ने इंस्टाग्राम पर किशोरों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की घोषणा की है। इसके तहत मेटा ने इंस्टाग्राम पर नए किशोर खातों का एक विकल्प दिया है। इन निजी खातों में विषयवस्तु और संदेशों को लेकर अधिकतम पाबंदियां होंगी, रात में नोटिफिकेशन रोकने का विकल्प होगा और किशोरों के लिए अपनी पसंद की सामग्री देखने के लिए नए तरीके शामिल होंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इन खातों की निर्धारित सेटिंग्स को बदलने के लिए अब माता-पिता की अनुमति की आवश्यकता होगी। इस कदम को माता-पिता के मन को शांति देने वाला बताया जा रहा है।

किशोर खाते (टीन अकाउंट्स) नई सुविधाओं और कई टूल का एक संयोजन है, जो पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन उन्हें वह स्वीकृति नहीं मिली है जो मेटा को चाहिए थी। इन परिवर्तनों को किशोर खातों के अंतर्गत लाने से ए परिवर्तन किशोरों और उनकी देखभाल करने वालों के लिए अधिक दृश्यमान हो जाएंगे।

इन खातों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैः

1. 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के खाते निजी रहेंगे, लेकिन इनमें डिफॉल्ट सेटिंग होगी। 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे केवल माता-पिता की अनुमति से ही उस सेटिंग को बदल सकेंगे।

2. किशोर केवल उन्हीं लोगों से संदेश प्राप्त कर सकेंगे जिन्हें वे पहले से फॉलो कर रहे हैं या जिनसे वे जुड़े हुए हैं।

3. विषयवस्तु से संबंधित पाबंदियां लगाने और कमेंट व मैसेज में आपत्तिजनक शब्दों को ब्लॉक करने के लिए सेटिंग की जा सकेगी।

4. रात 10 बजे से सुबह 7 बजे के बीच इंस्टाग्राम पर नोटिफिकेशन आने बंद हो जाएंगे।

5. किशोरों को किसी भी दिन 60 मिनट तक इंस्टाग्राम का उपयोग करने के बाद उसे छोड़ने के बारे में याद दिलाया जाएगा।

इनमें से कुछ टूल दूसरों की तुलना में अधिक उपयोगी हैं। 60 मिनट के इस्तेमाल के बाद इंस्टाग्राम छोड़ने के लिए यह रिमाइंडर बहुत कम प्रभावी लगता है कि किशोर बस क्लिक करके मंच छोड़ सकते हैं। लेकिन डिफॉल्ट अकाउंट सेटिंग मायने रखती है। डिफॉल्ट सेटिंग के साथ निजी अकाउंट चलाने वाले किशोर इंस्टाग्राम पर उनके उपयोग के समय को महत्वपूर्ण रूप से तय कर सकेंगे। सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को माता-पिता या अभिभावक की सहमति के बिना इन सेटिंग्स को बदलने से रोकना सबसे बड़ा परिवर्तन है, और यह वास्तव में इंस्टाग्राम के किशोरों के अनुभव को वयस्कों के अनुभव से अलग बनाता है। इनमें से ज़ूयादातर बदलाव सुरक्षा और उम्र के हिसाब से उचित अनुभवों पर केंद्रित हैं। लेकिन मेटा के लिए यह एक सकारात्मक कदम है कि इसमें किशोरों के लिए नए तरीके भी शामिल किए गए हैं, ताकि वे अपनी पसंद के हिसाब से सामग्री देख सकें।

टीन अकाउंट्स को बढ़ावा देते हुए, इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने जोर देकर कहा कि इस बदलाव का उद्देश्य माता-पिता को मन की शांति प्रदान करना है। इन बदलावों के लिए माता-पिता के स्पष्ट हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। मोसेरी ने कहा, मैं एक पिता हूं और यह इंस्टाग्राम में एक महत्वपूर्ण बदलाव है और मुझे इस पर व्यक्तिगत रूप से बहुत गर्व है। यदि माता-पिता या परिवार के सदस्य यह जानना चाहते हैं कि किशोर इंस्टाग्राम पर क्या कर रहे हैं तो उन्हें निगरानी के लिए अपने स्वयं के खातों का उपयोग करना होगा। इनमें व्यक्तिगत समय सीमा निर्धारित करना, किशोर की गतिविधि का अवलोकन करना, या किसी भी डिफॉल्ट सेटिंग को बदलने की अनुमति देना शामिल है। यहां माता-पिता के लिए वास्तविक अवसर यह है कि वे इन परिवर्तनों पर अपने बच्चों के साथ चर्चा करके उन्हें ए बताएं कि वे इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया मंचों का किस तरह उपयोग कर सकते हैं।

कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियो के लिए अध्ययन परमिट मे कटौती की

ओटावा। कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए अध्ययन परमिट में कटौती करने का ऐलान किया है जिससे बहुत से भारतीय नागरिकों के प्रभावित होने की आशंका है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम इस साल 35 फीसदी कम अंतरराष्ट्रीय छात्र परमिट जारी कर रहे हैं तथा अगले साल इसमें 10 फीसदी और कमी की जाएगी। आव्रजन हमारी अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद है, लेकिन जब खराब तत्व व्यवस्था का दुरुपयोग करते हैं और छात्रों का फायदा उठाते हैं, तो हम कार्वाई करते हैं। यह कदम तब उठाया गया है जब कनाडा सरकार अस्थाई निवासियों की संख्या कम करने पर विचार कर रही है। कनाडा भारतीय विद्यार्थियों के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्यों में से एक है। ट्रूडो की घोषणा से कनाडा में पढ़ने की इच्छा रखने वाले कई भारतीय छात्रों पर असर पड़ने की संभावना है।

ट्रंप के अभियान से चुराई जानकारी को बाइडन के अभियान से जोड़ने की नाकाम कोशिश हुई

वाशिंगटन। ईरानी हैकरों ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के अभियान को उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के अभियान से चुराई गई जानकारी से जोड़ने की कोशिश की और 2024 के चुनाव में हस्तक्षेप करने के प्रयास के तहत उन्होंने राष्ट्रपति से जुड़े लोगों को अनचाहे ईमेल भी भेजे। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य संघीय एजेंसियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि मेल पाने वाले किसी भी व्यक्ति ने जवाब दिया, जिससे हैक की गई जानकारी को चुनाव के अंतिम महीनों में फैलने से रोका जा सका।

हैकरों ने जून के अंत और जुलाई की शुरुआत में बाइडन के अभियान से जुड़े लोगों को ईमेल भेजे थे, लेकिन उसके कुछ ही समय बाद बाइडन ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया। ईमेल में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के अभियान से चुराई गई, गैर-सार्वजनिक सामग्री से लिया गया एक अंश शामिल था। इससे पहले भी एफबीआई और अन्य संघीय एजेंसियां ईरान पर हैक और लीक का सहारा लेकर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का आरोप लगा चुकी हैं।

एफबीआई, राष्ट्रीय खुफिया एवं साइबर सुरक्षा तथा अवसंरचना सुरक्षा एजेंसी कार्यालय ने कहा है कि ट्रंप के अभियान की जानकारी हैक करना और बाइडन-हैरिस के अभियान में सेंध लगाने का प्रयास चुनाव में मतदाताओं के विश्वास को कम करने तथा विवाद भड़काने के प्रयास का हिस्सा है। ट्रंप के प्रचार अभियान दल ने 10 अगस्त को खुलासा किया था कि उसके अभियान की जानकारी को हैक कर लिया गया है। उसने कहा कि ईरानी हैकरों ने संवेदनशील गुप्त दस्तावेज चुरा लिए हैं तथा उन्हें वितरित किया है। कम से कम तीन समाचार संस्थानों - पोलिटिको , द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट को ट्रंप अभियान की अंदरूनी गोपनीय सामग्री लीक की गई थी।

डोनाल्ड ट्रंप व डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस चुनाव प्रचार करते हुए।

हैरिस को जुलाई के मुकाबले अब मतदाताओं का ज्यादा समर्थन मिलता दिख रहा है: सर्वेक्षण

वाशिंगटन। अमेरिका की रियल एस्टेट एजेंट लिलियन डन्समुइर अभी तक कमला हैरिस के बारे में नहीं सोचती थी और न ही उपराष्ट्रपति के बारे में उनकी कोई राय थी, लेकिन अब लिलियन का झुकाव हैरिस की ओर बढ़ रहा है। एरिजोना के बुलहेड सिटी की रियल इस्टेट एजेंट लिलियन डन्समुइर (58) ने कहा, वह (कमला हैरिस) बहुत मजेदार हैं। मुझे लगता है कि वह बहुत होशियार हैं। वह अच्छी तरह बोल सकती हैं। मैं उनके साथ सुरक्षित महसूस करूंगी क्योंकि मुझे लगता है कि वह विदेशी नेताओं के साथ अच्छे से तालमेल बैठा सकती हैं। एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, जब कमला हैरिस जुलाई 2024 में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं तब के मुकाबले अब उन्हें मतदाताओं का ज्यादा समर्थन मिलता दिख रहा है।

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को अब नकारात्मक की बजाय सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रेटिंग इस सर्वेक्षण में स्थिर रही, हालांकि यह सर्वेक्षण रविवार को फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश की घटना से पहले किया गया है। फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में रविवार को उस समय अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई जब वह अपने गोल्फ क्लब में खेल रहे थे। लगभग आधे मतदाता हैरिस के बारे में कुछ हद तक या बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं जबकि 44 प्रतिशत मतदाता ऐसे हैं जो उनके बारे में कुछ हद तक या बहुत नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं, लगभग 10 में से छह मतदाता ट्रंप के खिलाफ विचार रखते हैं जबकि 10 में से लगभग 4 मतदाता उनके समर्थन में विचार रखते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा जुलाई में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से अपना नाम वापस लेने और कमला हैरिस को समर्थन देने के बाद से अब लोग उपराष्ट्रपति का समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं। पिछले कुछ साल में बाइडन, ट्रंप या हैरिस जैसी राष्ट्रीय हस्तियों के बारे में लोगों के विचारों में बदलाव होना दुर्लभ ही रहा है। एक अपराध में दोषसिद्धि, पेन्सिलवेनिया में जानलेवा हमले के प्रयास तथा राष्ट्रपति पद के चुनाव में एक नया प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद ट्रंप की रेटिंग में ज्यादा बदलाव नहीं आया है लेकिन ट्रंप पहले भी इसी तरह कम रेटिंग मिलने के बावजूद जीत चुके हैं। उन्होंने 2016 का चुनाव व्यापक रूप से अलोकप्रिय होने के बावजूद जीता था और 2020 में भी ऐसी ही परिस्थितियों में जीतने के करीब पहुंच गए थे।

भारत 2014 में 10वें स्थान से आगे बढ़कर 2019 में 5वी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना: पुरी

ह्यूस्टन (अमेरिका)। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक वृद्धि की सराहना की और कहा कि देश 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था जबकि 2019 में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए वह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डी.सी. मंजूनाथ द्वारा यहां इंडिया हाउस में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में पुरी ने वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र, खासकर हरित हाइड्रोजन और एयरोस्पेस (वांतरिक्ष) में ह्यूस्टन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने अमेरिका-भारत रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग की आधारशिला बताया।

पुरी ने हाल के चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दल की राजनीतिक सफलताओं को रेखांकित किया और कहा कि मोदी के शासन में 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर देश 2019 तक ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मंत्री ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी शहरी विकास पहलों की ओर इशारा करते हुए कहा कि देश ने 2017 से 2024 तक शहरी योजनाओं के लिए 25 अरब अमेरिकी डॉलर (1.57 लाख करोड़ रुपए) खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है।

पुरी ने ऊर्जा नवाचार के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में ह्यूस्टन की सराहना की और कहा कि 2019 में हाउडी मोदी जैसे कार्यक्रमों ने भारतीय-अमेरिकी संबंधों की ताकत को दर्शाया है। मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों, खासकर चिकित्सा तथा इंजीनियरिंग में भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की तथा विदेश में रहते हुए भी सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने ह्यूस्टन में गर्मजोशी भरे आतिथ्य सत्कार के लिए भारतीय समुदाय का आभार व्यक्त किया और भारत की वैश्विक छवि को बढ़ाने में उनकी भूमिका की सराहना की।

ग्लोबल साउथ अपने भविष्य को आकार देने के लिए भारत के दृष्टिकोण पर भरोसा करता है: संरा राजदूत

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र की एक राजदूत ने कहा है कि बहुपक्षीय भागीदारी के प्रति भारत का दृष्टिकोण परस्पर सम्मान और एकजुटता पर आधारित है और बेहतर भविष्य को आकार देने में योगदान देने के लिए ग्लोबल साउथ भारत के इसी दृष्टिकोण पर भरोसा करता है। संयुक्त राष्ट्र में सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस की स्थाई प्रतिनिधि इंगा रोंडा किंग ने मंगलवार को कहा, आज ग्लोबल साउथ में महत्वपूर्ण नेताओं में से एक आपका बेहतरीन देश भारत है। सेंटर फॉर ग्लोबल इंडिया इनसाइट्स (सीजीआईआई) और इंडिया राइट्स नेटवर्क की ओर से भविष्य का संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन: भारत और विश्व के लिए इसके क्या मायने हैं , विषय पर आयोजित ऑनलाइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए किंग ने कहा कि बहुपक्षीय जुड़ाव के प्रति भारत का दृष्टिकोण आपसी सम्मान और एकजुटता पर आधारित है।

कैरेबियाई देश की संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने कहा, आज, ग्लोबल साउथ भविष्य को आकार देने में योगदान देने के लिए भारत के दृष्टिकोण पर भरोसा करता है। यह वेबिनार ऐसे समय में आयोजित किया गया है, जब विश्व के नेता 22 व 23 सितंबर को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एकत्रित होने वाले हैं, जिसके बाद वार्षिक महासभा उच्च स्तरीय सप्ताह का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री मोदी 21 सितंबर को विलमिंगटन, डेलवेयर में राष्ट्रपति जो. बाइडन द्वारा आयोजित क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे और 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड में एक विशाल सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

किंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आपके (भारत के) इसी तरह के एकजुटता की भावना की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के नेतृत्व में ही अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कर इसका विस्तार किया गया था।

यही भविष्य है। कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन कूटनीति के लिए भारत का दृष्टिकोण - यही भविष्य का रास्ता है। भारत संयुक्त राष्ट्र विकास भागीदारी कोष में आप भागीदार को यह तय करने देते हैं कि हम आपके द्वारा प्रदान की गई धनराशि का उपयोग कैसे करें। यही आपसी सम्मान और एकजुटता का रास्ता है। किंग ने कहा, यह ग्लोबल साउथ में भारत के नजरिए से बहुपक्षवाद का नया रास्ता है। मैं भारत के बहुपक्षवाद के तरीके से बहुत प्रभावित हूं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की पूर्व स्थाई प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन को बहुपक्षवाद के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में देखा जा रहा है।

अश्विन और जडेजा ने भारत को मैच में लौटाया

भारत ने रविचंद्रन के नाबाद 102 रन और रविंद्र जडेजा नाबाद 86 रन के साथ सातवें विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन छह विकेट पर 339 रन बनाए

भाषा। चेन्नई

शतकवीर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा ने बांग्लादेश से मिले शुरूआती झटकों से निकालते हुए पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को भारतीय टीम को छह विकेट पर 339 रन तक पहुंचा दिया। दोनों ने सातवें विकेट की अटूट साझेदारी में 195 रन बना लिए हैं। इससे पहले भारतीय शीर्षक्रम बुरी तरह नाकाम रहा और पहले दो सत्र में बांग्लादेशी गेंदबाजों ने दबाव बनाते हुए छह विकेट 144 रन पर चटका दिए थे। इसके बाद चेन्नई में जन्मे अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले जडेजा ने अपने घरेलू मैदान एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर अद्भुत धैर्य और आपसी तालमेल का प्रदर्शन करते हुए बेजोड़ पारियां खेली। अपना छठा टेस्ट शतक जड़ने वाले अश्विन ने 91 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 112 गेंद में 102 रन जोड़े जिसमें 10 चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं जडेजा ने 117 गेंद में 86 रन बना लिए हैं। उन्होंने भी अपनी पारी में 10 चौके और दो छक्के लगाए। इससे पहले इस साल मार्च में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले हसन महमूद ने भारतीय शीर्षक्रम को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया। 24 वर्ष के महमूद ने पांच ओवर में सिर्फ छह रन देकर पहले स्पैल में तीन विकेट चटकाए। उन्होंने 18 ओवर में 58 रन देकर चार विकेट लिए। यशस्वी जायसवाल के अलावा भारत का कोई बल्लेबाज सुबह के सत्र में बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सका। जायसवाल ने 118 गेंद में नौ चौकों की मदद से 56 रन बनाए। भारतीय बल्लेबाजों ने काफी निराश किया क्योंकि पिच या गेंदबाजों से ऐसी चुनौती नहीं मिल रही थी कि जिसका सामना नहीं किया जा सके। मेजबान बल्लेबाज अपनी ही एकाग्रता भंग होने के कारण विकेट गंवाते गए।

जायसवाल और ऋषभ पंत (39) ने चौथे विकेट के लिए 99 गेंद में 62 रन जोड़े। पहले सत्र में प्रभावी दिख रहे पंत ने महमूद की गेंद पर विकेटकीपर लिटन दास को कैच थमाया। 2022 के कार हादसे के बाद यह उनका पहला टेस्ट था जिसमें वह 83 मिनट तक क्रीज पर रहे। जायसवाल ने 95 गेंद में अपना अर्धशतक मेहदी हसन मिराज की गेंद पर एक रन लेकर पूरा किया। उन्होंने हालांकि इसके बाद अपनी एकाग्रता खोई और नाहिद राणा की गेंद पर पहली स्लिप में शादमैन इस्लाम को कैच दे बैठे। केएल राहुल 16 रन बनाकर आफ स्पिनर मिराज का शिकार हुए। भारत के छह विकेट 144 रन पर गिर चुके थे। दूसरा सत्र भी पहले ही सत्र की तरह रहा जिसमें बांग्लादेशी गेंदबाज हावी रहे। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और पूरा फोकस एक्सप्रेस गेंदबाज नाहिद राणा पर था लेकिन भारतीय पारी को झटके महमूद ने दिए। रोहित शर्मा (छह) को एक के स्कोर पर डीआरएस से जीवनदान मिला था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके।वह दूसरी स्लिप में नजमुल हसन शंटो को कैच देकर लौटे। शुभमन गिल (0) खाता भी नहीं खोल सके और आठ गेंद खेलने के बाद विकेटकीपर लिटन दास को कैच दे बैठे। विराट कोहली (छह) का मैदान में उतरने पर तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत हुआ लेकिन वह भी टिक नहीं सके। महमूद ने आफ स्टम्प से बाहर गेंद डाली जिस पर बल्ला अड़ाने का खामियाजा विराट ने भुगता और विकेट के पीछे लिटन ने कैच लपक लिया। भारत ने पहले तीन ओवर में ही एम ए चिदंबरम स्टेडियम की पिच पर तीन विकेट 34 रन के भीतर गंवा दिए। इसके बाद जायसवाल और केएल राहुल से ऊपर भेजे गए पंत ने पारी को संभालने की कोशिश की।

इस तरह की पिच पर पंत की तरह आक्रामक बल्लेबाजी करें : अश्विन

चेन्नई। घरेलू नायक रविचंद्रन अश्विन ने बृहस्पतिवार को यहां नाबाद शतक जड़ने के बाद कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए तैयार की गई लाल मिट्टी की पिच पर उन्होंने जानबूझकर आक्रामक बल्लेबाजी करने का प्रयत्न किया। उनकी यह रणनीति कारगर रही और इसकी बदौलत वह घरेलू दर्शकों के सामने शानदार शतक लगाकर भारत को मुश्किल स्थिति से बाहर निकालने में सफल रहे। अश्विन ने पहले दिन के खेल खत्म होने के बाद मेजबान प्रसारक से कहा, यह चेन्नई की पुरानी पिच है जिसमे थोड़ा उछाल है। लाल मिट्टी की पिच पर आप अगर लाइन मे आकर शॉट खेलने के इच्छुक हो तो आप कुछ शॉट खेल सकते हो। उन्होने कहा, निश्चित रूप से मै हमेशा से ही अपने बल्ले को ऑफ स्टंप के बाहर घुमाता रहा हूं। मैने कुछ चीजो पर काम किया और इस तरह की पिच पर अगर आपको गेद पर शॉट लगाने है तो ऋषभ पंत की तरह आक्रामक बल्लेबाजी करनी चाहिए। ऋषभ पंत ने 39 गेद मे 52 रन बनाकर अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन लूज स्ट्रोक पर आउट हो गए। भारत ने शीर्ष चार बल्लेबाज 96 रन के अंदर गंवा दिए थे। इसके बाद अश्विन ने बांग्लादेश के गेदबाजो पर दबदबा बनाते हुए 112 गेद मे शतक जड़कर नाबाद 102 रन और रविंद्र जडेजा (नाबाद 86 रन) के साथ नाबाद साझेदारी बनाई। अश्विन ने अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) मे अपने हालिया प्रदर्शन को दिया जहां उन्होने अपनी बल्लेबाजी पर काम किया। उन्होने कहा, मै टी20 टूर्नामेंट खेलकर यहां आया हूं जिससे मदद मिली। मैने अपनी बल्लेबाजी पर काम किया। इस मैदान पर अपना दूसरा शतक जड़ने वाले अश्विन ने कहा, घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा विशेष अहसास होता है। मै इस मैदान पर क्रिकेट खेलना पसंद करता हूं। इसने मुझे कई शानदार यादे दी है। अश्विन ने पारी के चुनौतीपूर्ण चरण मे अपने साथी जडेजा के सहयोग की बात स्वीकारते हुए कहा, जडेजा ने सच मे काफी मदद की। ऐसा भी समय था जब पसीना बह रहा था और मै थोड़ा थक गया था। पर जड्डू ने तुरंत इसे महसूस किया और मेरा मार्गदर्शन किया। उन्होने कहा, जड्डू पिछले कुछ वर्षों मे टीम के लिए हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजो मे से एक रहे है। उनकी मौजूदगी राहत भरी थी क्योकि उन्होने सलाह दी कि हमे दो को तीन रन मे नही बदलना है जो मेरे लिए सच मे मददगार रहा।

जायसवाल ने कहा, ऐसी पारियां मुझे मजबूत बनने और सभी परिस्थितियों में खेलने में मदद करेंगी

चेन्नई। यशस्वी जायसवाल ने अपने नैसर्गिक आक्रामक अंदाज को काबू मे रखते हुए बांग्लादेश के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मे तेज गेदबाजी के अनुकूल हालात मे 56 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि इस तरह का अनुभव उन्हे मजबूत और भविष्य मे सभी परिस्थितियो मे खेलने वाला खिलाड़ी बनाएगा। सलामी बल्लेबाज जायसवाल के अर्धशतक और बाएं हाथ के साथी बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ उनकी 62 रन की साझेदारी से भारत ने 10 ओवर के भीतर 34 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद अपनी स्थिति मे सुधार किया। जायसवाल ने दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस मे कहा, इन परिस्थितियो मे वहां जाकर खेलना शानदार था। इससे मै मजबूत बनूंगा और मै इससे सीखूंगा कि इन सभी परिस्थितियो मे कैसे खेलना है और अपनी पारी की योजना कैसे बनानी है। उन्होने कहा, मै टीम की जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी करने की कोशिश करता हूं और उसी के हिसाब से अपने खेल मे बदलाव करता रहता हूं। अगर शुरुआत मे विकेट गिर जाएं तो मै कैसे बल्लेबाजी कर सकता हूं? जब रन बन रहे हो तो मै कैसे बल्लेबाजी कर सकता हूं? जायसवाल ने माना कि शुरुआती कुछ सत्र मे गेदबाजो को कुछ मदद मिली जिससे भारतीय बल्लेबाजो को सतर्क रुख अपनाना पड़ा। उन्होने कहा, मुझे लगता है कि शुरू मे गेद थोड़ी मूव कर रही थी और थोड़ी सीम कर रही थी और कम उछाल था इसलिए हमने अपना समय लिया। लेकिन अगर आप आखिरी सत्र को देखे तो हमने काफी अच्छा स्कोर किया और मुझे लगता है कि हम इस समय अच्छी स्थिति मे है। बाइस वर्षीय जायसवाल ने कहा कि वह और पंत रन बनाने के लिए ढीली गेदो का इंतजार कर रहे थे क्योकि उस समय बांग्लादेश के गेदबाजो का पलड़ा भारी था।

सुमित नागल ने भारत के लिए खेलने के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर फीस मांगी

नई दिल्ली। (भाषा) अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि सुमित नागल ने भारत के लिए डेविस कप मुकाबले खेलने के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर की सालाना फीस मांगी थी लेकिन देश के इस शीर्ष एकल खिलाड़ी ने खुद का बचाव करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को उनकी सेवाओं के लिए भुगतान किया जाना सामान्य बात है।नागल ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ हाल ही में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया था। इसके कारण उन्हें पिछले महीने अमेरिकी ओपन पुरुष युगल स्पर्धा से भी बाहर होना पड़ा था। स्वीडन के खिलाफ भारत एकल विशेषज्ञ के बिना खेलने उतरा और टीम को 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। टीम विश्व ग्रुप एक मुकाबले में एक सेट भी नहीं जीत सकी। एआईटीए ने मंगलवार को यह कहकर अपनी नाराजगी जाहिर की कि नागल, युकी भांबरी और शशिकुमार मुकुंद सहित देश के शीर्ष खिलाड़ियों ने देश के लिए खेलने से इनकार कर दिया है। नागल एटीपी 250 हांग्झोउ ओपन में शामिल हुए थे और उन्हें बृहस्पतिवार को खेलना था लेकिन पीठ दर्द के कारण उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। एआईटीए महासचिव अनिल धूपर ने पीटीआई से कहा, एक खिलाड़ी को देश के लिए खेलने के लिए पैसे क्यों मांगने चाहिए, आप मुझे बताईए। यह एक बड़ा सवाल है। उन्होंने 50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 45 लाख रुपए) की सालाना फीस मांगी थी और कहा था कि अगर उन्हें भुगतान नहीं किया गया तो वह नहीं खेलेंगे। ज्यादातर विश्व ग्रुप एक तक सीमित भारत एक सत्र में फरवरी और सितंबर में केवल दो ही मुकाबले खेलता है। धूपर ने कहा, देश को तय करने दें कि यह सही है या नहीं। फिर यह सरकार और सभी का फैसला होगा। खिलाड़ियों को टॉप्स के जरिए भी भुगतान किया जाता है। और ऐसा नहीं है कि उन्हें डेविस कप खेलने के लिए भुगतान नहीं किया जाता। उन्हें भुगतान किया जाता है। धूपर उस पुरस्कार राशि का जिक्र कर रहे थे जो एआईटीए को डेविस कप में भाग लेने के लिए अंर्तराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) से मिलती है और टीम के सदस्यों के बीच बांटी जाती है।

भारत के शीर्ष बल्लेबाजों के विकेट लेना सुखद रहा : हसन महमूद

चेन्नई। (भाषा) बांग्लादेश के गेंदबाज हसन महमूद ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां पहले सत्र में तीन विकेट चटकाकर सुर्खियां बटोरीं लेकिन वह अति उत्साहित होकर जश्न मनाने में विश्वास नहीं रखते। इस 24 वर्षीय बांग्लादेशी गेंदबाज ने रोहित शर्मा और विराट कोहली तथा शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजी लाइन अप को हिलाकर रख दिया। यह उनका चौथा ही टेस्ट था और उन्होंने जितने दमदार बल्लेबाजों को आउट किया उसे देखते हुए उम्मीद की जा सकती थी कि वह इसका बढ़ चढ़कर जश्न मनाएंगे। लेकिन उन्होंने इसे अपने साथियों के साथ कुछ हाई फाइव और हाथ मिलाने तक ही सीमित रखा। महमूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मैं वैसे जश्न नहीं मनाता और ऐसा करने का कोई सही कारण भी नहीं है। आप कह सकते हैं कि अगर मैं विकेट लेने के बाद जश्न मनाता हूं तो इससे बल्लेबाज और भी परेशान हो जाएगा इसलिए मैं जश्न नहीं मनाता।

गत चैम्पियन भारत सैफ अंडर 17 चैम्पियनशिप के शुरूआती मैच में बांग्लादेश से भिड़ेगा

थिम्पू। (भाषा) गत चैम्पियन भारत शुक्रवार को यहां सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैम्पियनशिप में ग्रुप ए के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा। तीन टीम के ग्रुप ए में मालदीव तीसरी टीम है और भारत को 24 सितंबर को उससे भिड़ना है। ग्रुप बी में मेजबान भूटान, नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान शामिल हैं। प्रत्एक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 28 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जिसके बाद 30 सितंबर को फाइनल होगा। भारत 2022 का चैम्पियन है, जब पिछली बार यह टूर्नामेंट अंडर-17 आयु ग्रुप में खेला गया था। पिछले साल का चरण अंडर-16 आयु वर्ग के लिए कराया गया था जिसका विजेता भी भारत ही था। मुख्य कोच इश्फाक अहमद ने इसी चांगलिमिथांग स्टेडियम में ट्राफी उठाने वाली टीम के 23 में से 16 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है।एक साल पहले भारत ने शुरूआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ।-0 से जीत दर्ज की थी और फाइनल भी बांग्लादेश के खिलाफ हुआ था जिसमें वह 2-0 से विजेता रहा था।

विधात्री को महिला पेशेवर गोल्फ टूर में हिताषी के साथ संयुक्त बढ़त: गुरुग्राम। महिला पेशेवर गोल्फ टूर पर पिछले तीन टूर्नामेंट जीतने वाली विधात्री उर्स ने बृहस्पतिवार को यहां 12वें चरण के टूर्नामेंट के दूसरे दौर के बाद हिताषी बक्शी के साथ संयुक्त रूप से बढ़त बना ली।पहले दौर के बाद हिताषी से एक शॉट पीछे चल रही विधात्री ने दूसरे दौर में दो ओवर 74 का स्कोर बनाया। हिताषी तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं।

पंजाब ने 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती

जालंधर। पंजाब ने बृहस्पतिवार को यहां शूट आउट मे उत्तर प्रदेश को 4-3 से हराकर 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीता।कड़े मुकाबले मे पंजाब के लिए सुखविंदर सिंह (पांचवे मिनट), जरमन सिंह (33वे मिनट) और जोबनप्रीत सिंह (39वे मिनट) ने गोल दागे जबकि उत्तर प्रदेश के लिए अजीत यादव (31वे मिनट), सूरज पाल (48वे मिनट) और आकाश पाल (54वे मिनट) ने गोल किए जिससे निर्धारित समय के बाद मुकाबला 3-3 से बराबर था। शूट आउट के दौरान उत्तर प्रदेश के आकाश पाल, नितीश भारद्वाज और अजीत यादव ने गोल किए जबकि पंजाब के लिए जपनीत सिंह, सुखविंदर सिंह, जरमन सिंह और लवनूर सिंह ने गोल दागकर अपनी टीम के लिए खिताब सुनिश्चित किया। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ मे हरियाणा ने कर्नाटक को एकतरफा मुकाबले मे 5-0 से हराया।

भारतीय भारोत्तोलक वालुरी अजय बाबू को राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में स्वर्ण

सुवा (फीजी)। भारतीय भारोत्तोलक वालुरी अजय बाबू ने राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप मे पुरुषो के 81 किलो जूनियर और सीनियर वर्ग मे स्वर्ण पदक जीता। उन्नीस वर्ष के बाबू ने कुल 326 किलो (147 और 179 किलो) वजन उठाया। बाबू ने क्लीन एंड जर्क वर्ग मे राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होने स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल भारवर्ग मे जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। पुरुषो के 89 किलो वर्ग मे लालयुआतफेला ने रजत पदक जीता जबकि हृदानंदा दास को युवा वर्ग मे रजत और जूनियर वर्ग मे कांस्य पदक मिला।

न्यूजीलैंड के चार विकेट पर 255 रन

गॉल। टॉम लैथम और केन विलियमसन के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को यहां चार विकेट पर 255 रन बनाए।श्रीलंका के पहली पारी के 305 रन के जवाब मे लैथम (70) और डेवोन कॉनवे (17) ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई।

अय्यर फिर विफल, मजबूत शीर्ष क्रम से भारत डी के पांच विकेट पर 306 रन

अनंतपुर। (भाषा) दबाव में चल रहे श्रेयस अय्यर का खराब प्रदर्शन जारी रहा लेकिन संजू सैमसन सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां भारत बी के खिलाफ दलीप ट्राफी मैच के शुरूआती दिन भारत डी को पांच विकेट पर 306 रन बनाने में मदद की। भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की कोशिश में जुटे अय्यर मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हुए। लेकिन देवदत्त पडीक्कल (50 रन), श्रीकर भरत (52 रन), रिकी भुई (56 रन) और सैमसन (नाबाद 89 रन) के अर्धशतकों से भारत डी ने मजबूत प्रदर्शन किया।स्टंप के समय सैमसन और सारांश जैन (नाबाद 26 रन) क्रीज पर डटे थे। भारत बी के लिए लेग स्पिनर राहुल चाहर (60 रन देकर तीन विकेट) ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए तीन खिलाड़ियों को आउट किया। मुकेश कुमार (37 रन देकर एक विकेट) और नवदीप सैनी (51 रन देकर एक विकेट) ने एक एक विकेट झटका। भारत बी ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। पडीक्कल और भरत ने पारी का आगाज करते हुए 105 रन की शतकीय साझेदारी निभाई। सैनी ने पडीक्कल को और मुकेश ने भरत को आउट किया, दोनों के कैच विकेटकीपर एन जगदीशन ने लपके। निशांत सिंधू महज 19 रन बनाकर आउट हुए और कप्तान अय्यर को चाहर ने पवेलियन भेजा जिससे भारत डी का स्कोर चार विकेट पर 175 रन हो गया। भुई ने सैमसन के साथ मिलकर टीम को 200 रन के पार कराया। चाहर ने फिर भुई को आउट कर भारत डी का पांचवां विकेट झटका। सैमसन ने अच्छा खेलते हुए भारत डी की पारी को आगे बढ़ाया और अभी तक 83 गेंद में 10 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने जैन के साथ मिलकर नाबाद 90 रन की साझेदारी की। अय्यर को यहां फिर निराशा झेलनी पड़ी। वह तब क्रीज पर उतरे जब भारत डी का स्कोर तीन विकेट पर 172 रन था लेकिन मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे। अय्यर ने अभी तक पांच पारियों में महज 104 रन (9, 54, 0, 41, 0) बनाए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की टीम में नहीं चुने जाने के बाद अय्यर के आस्ट्रेलिया में आगामी श्रृंखला और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए जाने की उम्मीद काफी कम है।

दलीप ट्राफी: रावत के शतक से भारत ए ने की वापसी

अनंतपुर। (भाषा) शाश्वत रावत के नाबाद 122 रन की मदद से भारत ए ने दलीप ट्रॉफी क्रिकेट मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां भारत सी के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 224 रन बनाए। घरेलू क्रिकेट में बड़ौदा के लिए खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज रावत को शम्स मुलानी (76 गेंद में 44 रन) का अच्छा साथ मिला। भारत ए की टीम इससे पहले मुसीबत में घिर गई थी जब उसने सिर्फ 36 रन पांच विकेट गंवा दिए। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले प्रथम सिंह, कप्तान मयंक अग्रवाल, तिलक वर्मा और रियान पराग दोहरे अंक में भी पहुंचने में नाकाम रहे। पिछले हफ्ते पारी में आठ विकेट चटकाने वाले अंशुल कंबोज (40 रन पर तीन विकेट) ने एक बार फिर भारत सी की ओर से शानदार प्रदर्शन किया।

गंभीर के पास काफी अनुभव सफल कोच साबित होंगे: द्रविड़

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने गुरुवार को यहां उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय टीम में उनकी जगह लेने वाले गौतम गंभीर अपनी भूमिका में काफी सफल साबित होंगे। द्रविड़ ने डिजिटल क्लासरूम से जुड़ी रूमबर के लॉन्च के मौके पर गंभीर के बारे में पूछे जाने चुनिंदा पत्रकारों से कहा, उनके पास काफी अनुभव है। एक खिलाड़ी के तौर पर भी उन्होंने काफी खेला है। उन्होंने जाहिर तौर पर काफी कोचिंग की है। मुझे यकीन है कि वह इस भूमिका में शानदार साबित होंगे। द्रविड़ की अगुवाई में भारतीय टीम ने खेल के तीनों प्रारूप में अच्छी सफलता हासिल की। टीम ने 24 टेस्ट में 14 में जीत दर्ज की जबकि टीम ने इस दौरान 53 में से 36 एकदिवसीय और 70 में से 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत दर्ज की। पिछले साल टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा लेकिन इस साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में जीत के साथ उन्होंने अपने कार्यकाल को सफलता के साथ खत्म किया। गंभीर का भारतीय टीम के साथ कार्यकाल पिछले महीने श्रीलंका दौरे पर शुरू हुआ जहां टी20 श्रृंखला में टीम को सफलता मिली जबकि एकदिवसीय श्रृंखला में उसे हार का सामना करना पड़ा। उनकी देखरेख में टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में खेल रही है। भारत के लिए 164 टेस्ट में 13288 और 344 एकदिवसीय में 10889 रन बनाने वाले इस पूर्व महान बल्लेबाज ने कहा, कोई भी कोच परिस्थितियों से निपटने के लिए अपने अनुभव का ज्ञान का इस्तेमाल करता है। मुझे यकीन है कि गौतम अपने सहयोगी सदस्यों के साथ जो भी फैसले लेंगे उससे टीम को फायदा होगा। भारतीय टीम को अगले कुछ महीने में बांग्लादेश के अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखलाओं के बाद पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है। ऐसे में गंभीर के सामने कड़ी चुनौती है। भारतीय टीम के लिए तीनों प्रारूपों को मिलाकर 10000 से ज्यादा रन बनाने वाले गंभीर के पास राष्ट्रीय टीम को कोचिंग देने पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स का मेंटोर के तौर पर मार्गदर्शन करने का अनुभव है।

जुबली इंटर कालेज में हुई जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता-2024

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ › राजकीय जुबली इंटर कालेज में गुरुवार को जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार द्वारा किया गया। अपने संबोधन मे उन्होने प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया। उनके साथ जयशंकर श्रीवास्तव (सह जिला विद्यालय निरीक्षक), लखनऊ, मनीषा द्विवेदी (सह निरीक्षक आंग्ल भारतीय विद्यालय), विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, धीरेंद्र मिश्रा, कुमारी पूजा गुप्ता (नोडल अधिकारी), डॉ. किरण सिंह, वेद प्रकाश यादव (जिला क्रीड़ा सचिव), लखनऊ, अमित श्रीवास्तव, आलोक कल्यानी, विश्वजीत पांडे, प्रीति, सौम्या सिंह उपस्थित रहे। यह प्रतियोगिता दो वर्गों ,ब्रास बैंड एवं बैग पाइप बैंड (बालक एवं बालिका) में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में जनपद के 8 विद्यालयों के छात्र/ छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल में सुरेश (सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल), मनोज कुमार तिवारी (सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल), समीर (सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल), सुरेश चंद्र यादव (उत्तर प्रदेश होमगार्ड), हरि ओम (उत्तर प्रदेश होमगार्ड) शामिल रहे। प्रतियोगिता का समापन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष कुमार सिंह द्वारा किया गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।